SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, ● www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 133 | गुवाहाटी | रविवार, 4 दिसंबर, 2022 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

कोई भी अपराधी भाग न सके : डीजीपी महंत पेज 3
भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने जा रहे कांग्रेस नेता का दिल का दौरा पड़ने से निधन पेज 4
मुख्यमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर दिव्यांगजनों को किया याद पेज 5
महिलाओं पर बढ़ रहे अपराध, महिला पुलिस थाने रामभरोसे : ममता शर्मा पेज 8

असम आंदोलन कल्याण ट्रस्ट को दिए जाएगें पांच करोड़ : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को अपने जनता भवन (असम सचिवालय) कार्यालय में असम आंदोलन कल्याण ट्रस्ट की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में भविष्य के कार्यों से संबंधित मामलों के साथ-साथ विश्वास को मजबूत करने के लिए आवश्यक उपायों पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि ट्रस्ट को 5 करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि प्रदान की जाएगी। असम आंदोलन कल्याण ट्रस्ट का गठन 5 करोड़ के प्रारंभिक कोष के साथ किया गया था। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार 5 करोड़ रुपए और मिलाने पर कुल 10 करोड़ रुपए होंगे। इस राशि का उपयोग असम आंदोलन के शहीदों के परिवार के सदस्यों और इसमें गंभीर रूप से घायल लोगों को विभिन्न राहत उपाय प्रदान करने के लिए किया जाएगा। आज की बैठक में, मुख्यमंत्री ने असम समझौता कार्यान्वयन विभाग को उन लोगों का एक ऑनलाइन डेटाबेस बनाने का भी निर्देश दिया, जो असम आंदोलन में भाग लेने के दौरान गोलियों से मारे गए थे या गंभीर रूप से घायल हुए थे। असम समझौता कार्यान्वयन विभाग के मंत्री अतुल बोरा, वित्त मंत्री अजंता नेउग, ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (आसू) के मुख्य सलाहकार समुज्जल कुमार भट्टाचार्य, आसू के अध्यक्ष दीपांका नाथ, मुख्य सचिव पबन कुमार बोरठाकुर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव समीर कुमार सिन्हा के साथ बैठक में चंद्रकांत तालुकदार असम आंदोलन प्रभावित परिवारों के प्रतिनिधि के रूप में शामिल हुए।

पूर्व दिग्गज फुटबॉलर पेले की हालत नाजुक

साओ पाउलो। कतर में चल रहे विश्व कप के बीच ब्राजील से फुटबॉल प्रेमियों के लिए अच्छी खबर नहीं आई है। पूर्व दिग्गज फुटबॉलर पेले की हालत नाजुक है। वह साओ पाउलो के एक अस्पताल में भर्ती हैं। पेले को सामान्य जांच के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन उनके शरीर के अंगों पर कीमोथैरेपी का कोई असर नहीं हो रहा है। इस कारण उन्हें पैलिएटिव केयर (प्रशामक देखभाल) में शिफ्ट किया गया है। इसे एंड ऑफ लाइफ केयर भी कहा जाता है। अल्बर्ट आइंस्टीन अस्पताल के डॉक्टर के मुताबिक, पेले के शरीर के कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया है। उनके ऊपर कीमोथैरेपी का कोई प्रभाव नहीं पड़ रहा है। पेले कैंसर से जूझ रहे हैं। पेले के अस्पताल जाने के बाद यह बताया जाने लगा कि उनकी हालत गंभीर है, लेकिन उनकी बेटी केली नैसिमेंटो ने इसे खारिज किया था। अब ब्राजील की मीडिया के हवाले से खबरें आ रही हैं कि उनकी हालत नाजुक है। पेले की हालत को देखकर दुनिया के कई फुटबॉलरों ने ट्वीट करना शुरू कर दिया है। फ्रांस के युवा स्टार किलियन एम्बापे ने कहा कि किंग के लिए दुआ कीजिए। वहीं, ब्राजील के पूर्व स्टार रिवाल्डो ने लिखा कि किंग के मजबूती मिले। फुटबॉल विश्व कप के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से भी पेले के लिए दुआ मांगी गई है। कतर विश्व कप के आयोजकों ने भी पेले के लिए दुआ मांगी और दोहा की एक इमारत पर लेजर लाइट के जरिए उनकी तस्वीर को दिखाया और लिखा कि जल्दी ठीक -शेष पृष्ठ दो पर

अभिषेक की रैली से पहले टीएमसी नेता के घर में ब्लास्ट, दो की मौत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में टीएमसी नेता के घर पर देर रात बम धमाके की खबर है। इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई है। हालांकि, शवों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। बता दें, यह बम धमाका टीएमसी के महासचिव व सीएम ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी की मेदिनीपुर में आज होने वाली रैली से पहले हुआ है। वह मेदिनीपुर के कोंटाई में एक जनसभा को संबोधित करने वाले हैं। पुलिस ने बताया, मेदिनीपुर के भूपति नगर थाना क्षेत्र के अर्जुन नगर इलाके में यह घटना हुई। यहां रहने वाले टीएमसी के बूथ अध्यक्ष राजकुमार मन्ना के घर पर रात में -शेष पृष्ठ दो पर

बदरुद्दीन औरंगजेब का दूसरा संस्करण : भाजपा

गुवाहाटी (हि.स.)। एआईयूडीएफ अध्यक्ष व सांसद बदरुद्दीन अजमल के आपत्तिजनक बयान पर प्रदेश भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता रंजीव शर्मा ने कहा कि अजमल खिलजी दास वंश, सुल्तानों और मुगलों की संस्कृति के समकालीन संस्करण हैं। मध्यकालीन भारत पर हमला करने वाले मुस्लिम आक्रमणकारियों ने भूमि पर कब्जा करने के बाद, हिंदू पुरुषों को मार डाला और महिलाओं को लेकर हरम बनाया था। उन्होंने कहा कि एआईयूडीएफ अध्यक्ष बदरुद्दीन अजमल खिलजी-मुगल हरम संस्कृति की निरंतरता बनाए -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वाঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

भूख के समान कोई दूसरा शत्रु नहीं है।

\- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

लोकतंत्र की आवाज है भारत जोड़ो यात्रा : राहुल

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा लूट-तंत्र के खिलाफ चलाई जा रही है। लोकसभा सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को ट्वीट कर कहा कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेल और गैस की कीमतों में कमी आई है, लेकिन भारत में इनके दामों को कम नहीं किया जा रहा है। राहुल ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल 25 फीसदी सस्ता हुआ है वहीं एलपीजी (रसोई गैस) के दामों में 40 फीसदी की कमी आई है लेकिन केंद्र सरकार देश में रसोई गैस और तेल के दाम कम नहीं कर रही है। उल्लेखनीय है कि इसके पहले -शेष पृष्ठ दो पर

जेएनयू में अब वामपंथियों के खिलाफ नारे

नई दिल्ली। दिल्ली की जवाहरलाल नेहरू नेशनल यूनिवर्सिटी (जेएनयू) के मेन गेट पर हिंदू रक्षा दल ने *कम्युनिस्टों भारत छोड़ो* के नारे लिखे हैं। उन्होंने कम्युनिस्टों की तुलना आतंकी संगठन आईएसआईएस से भी की है। दल के अध्यक्ष पिंकी चौधरी ने कहा कि वे लोग हमारे खिलाफ नारे लिखकर छिप गए थे, लेकिन हम डटकर खड़े हैं। जिसमें हिम्मत हो, हमसे आकर बात करें। 30 सितंबर को यूनिवर्सिटी की दीवारों पर लाल रंग से नारे लिखे गए थे कि ब्राह्मणों कैंपस छोड़ो; ब्राह्मणों-बनियों हम तुम्हारे लिए आ रहे हैं, तुम्हें -शेष पृष्ठ दो पर

युद्ध समाप्ति पर सशर्त वार्ता को तैयार राष्ट्रपति पुतिन

मॉस्को। यूक्रेन के साथ 8 माह से अधिक समय से चल रहे लंबे युद्ध के बीच अब रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन कुछ नरम नजर आ रहे हैं। पुतिन ने यूक्रेन में युद्ध समाप्ति पर बात करने की गुजारिश तो मान ली है, लेकिन इसके लिए वे पश्चिमी देशों से रूस की कुछ मांगें मनवाना चाहते हैं। रूसी राष्ट्रपति के क्रेमलिन कार्यालय के अनुसार रूस ने यूक्रेन से सेनाओं की वापसी की शर्त को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा है कि इस शर्त पर उसे वार्ता मंजूर नहीं है। रूस की यह प्रतिक्रिया अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा पुतिन से सीधी वार्ता की इच्छा जताने के बाद आई है। बाइडेन ने कहा है कि यूक्रेन युद्ध की समाप्ति के लिए वह राष्ट्रपति पुतिन से वार्ता के लिए तैयार हैं। अमेरिका के दौरे पर गए फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से वार्ता के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने संयुक्त प्रेस कान्फ्रेंस में पुतिन के साथ बातचीत की इच्छा जताई थी। लेकिन यह भी कहा था कि वह बातचीत यूक्रेन में युद्ध समाप्ति के बाद ही संभव है, जिसके लिए पुतिन फिलहाल तैयार नहीं लग रहे हैं। बाइडेन ने इससे पहले मार्च में पुतिन को कसाई कहा था और कहा था कि वह रूस की सत्ता में नहीं रहने चाहिए। अब जबकि यूक्रेन युद्ध के नौ महीने हो गए हैं और यूक्रेन सहित पूरा यूरोप जमा देने वाली ठंड की चपेट में है तब पश्चिमी देश रूस से बातचीत का रास्ता बना रहे हैं। मालूम हो कि रूसी सेना यूक्रेन के ऊर्जा संयंत्रों पर लगातार हमले कर रही है और रूस ने ज्यादातर यूरोपीय देशों की गैस आपूर्ति रोक या बहुत -शेष पृष्ठ दो पर

बिहार में अलग हुई महाबोधि एक्सप्रेस की दो बोगियां

पटना (हि.स.)। गया-दीनदयाल उपाध्याय मुगलसराय रेलखंड पर सासाराम और डिहरी ऑन सोन स्टेशन के करबंदिया स्टेशन के पास अप-लाइन की महाबोधि एक्सप्रेस 12397 ट्रेन का कपलर अलग हो गया। तेज आवाज को साथ ट्रेन की दो बोगियां अलग हो गईं। हालांकि, ड्राइवर ने सूझबूझ का परिचय देते हुए ट्रेन को तुरंत रोक दिया और अनहोनी टल गई। बताया गया है कि डेहरी ऑन सोन से जैसे ही ट्रेन सासाराम की ओर बढ़ी, इसी -शेष पृष्ठ दो पर

सुगम्य भारत अभियान राष्ट्रीय पुरस्कार

महाराष्ट्र के दिव्यांगों को राष्ट्रपति ने किया सम्मानित

नई दिल्ली। सुगम्य भारत अभियान राष्ट्रीय पुरस्कारों की घोषणा की गई। इस अवसर पर महाराष्ट्र राज्य के 4 दिव्यांग व्यक्तियों और 3 संस्थाओं को सम्मानित किया गया है। खास बात यह है कि 2021 और 22 के लिए यह पुरस्कार प्रदान किए गए हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के हाथों 4 व्यक्तियों और 3 संस्थाओं को सम्मानित किया -शेष पृष्ठ दो पर

गुजरात में दूसरे चरण के चुनाव के लिए प्रचार खत्म

अहमदाबाद। गुजरात में दूसरे चरण के चुनाव के लिए प्रचार खत्म हो गया है। दूसरे चरण में 93 सीटों पर प्रचार समाप्त हो गया है। 5 दिसंबर को दूसरे चरण के लिए 93 सीटों पर वोटिंग कराई जाएगी। इसको लेकर अब मतदान की तैयारियां शुरू हो गई है। दूसरे चरण में गुजरात के 14 जिलों की 93 सीटों पर वोटिंग होगी। चुनाव आयोग की ओर से बताया गया है कि दूसरे चरण के मतदान में 61 राजनीतिक पार्टियों के 883 उम्मीदवार भाग ले रहे हैं। गुजरात की मुख्य -शेष पृष्ठ दो पर

कानून में करियर बनाने वाले छात्रों को सीजेआई ने दिया मंत्र

पणजी। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डॉ न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को कहा कि कानून में करियर बनाने वाले छात्रों के लिए क्लैट का परिणाम मायने नहीं रखता। कानून विश्वविद्यालय के एक कार्यक्रम में सीजेआई ने कहा कि विश्वविद्यालयों को अत्याधुनिक शोध का केंद्र होना चाहिए और उस पर ध्यान देना चाहिए। सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ बार काउंसिल ऑफ इंडिया ट्रस्ट-पर्ल फर्स्ट (बीसीआईटी-पीएफ) की एक पहल पर गोवा में इंडिया इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ लीगल एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआई-यूएलईआर) के पहले शैक्षणिक सत्र का उद्घाटन सत्र पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (सीएलएटी) जैसी प्रवेश परीक्षाओं में सभी योग्य उम्मीदवार भाग नहीं ले पाते। सीजेआई ने कहा कि राष्ट्रीय विधि -शेष पृष्ठ दो पर

ठंड : पूर्वोत्तर भारत में जल्द बदलेगा मौसम का मिजाज

गुवाहाटी / नई दिल्ली। दिसंबर के महीने में मौसम का मिजाज बदल चुका है। हालांकि रविवार के बाद इसमें और ज्यादा बदलाव आएंगे। मौसम विभाग के मुताबिक रविवार के बाद पूर्वोत्तर भारत में तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक कमी आ सकती है। इस लिहाज से देखा जाए तो सर्दी के लिहाज से अगले दो-तीन दिन बेहद अहम होंगे। मध्य भारत को लेकर भी कहा गया है कि अगले 24 घंटे यहां का मौसम ज्यादा नहीं बदलेगा, लेकिन दो दिन के बाद यहां भी बदलाव नजर आएगा। अगर कोहरे की बात करें तो इसको लेकर भी मौसम विभाग ने भविष्यवाणी की है। इसके मुताबिक हिमाचल प्रदेश और पंजाब में अगले तीन दिनों तक सुबह के समय घना कोहरा रह सकता है। इसके अलावा पूर्वी उत्तर प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में आगामी दो से तीन दिन तक हल्के से मध्यम स्तर का कोहरा रह सकता है। इसके अलावा चार दिसंबर को दक्षिण अंडमान सागर में एक चक्रवाती सर्कुलेशन उभरने की संभावना है। इसके प्रभाव से पांच दिसंबर तक दक्षिण पूर्व बंगाल की खाड़ी और इससे सटे दक्षिण अंडमान सागर के ऊपर एक निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। यह निम्न दबाव उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ने और सात दिसंबर की सुबह तक दक्षिण पूर्व बंगाल की खाड़ी पर एक डिप्रेशन पर ध्यान केंद्रित करने की संभावना -शेष पृष्ठ दो पर

http://www.
देश-विदेश की छोटी-बड़ी खबरों के लिए देखें :
विकसित भारत समाचार
E-Paper : www.goodluckpublications.com
www.vbslive.in

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

प्राकृतिक खेती पढ़ाया जाएगा : मंत्री तोमर

ग्वालियर (हि.स.)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि हमारे कृषि उत्पाद गुणवत्ता में वैश्विक स्तर पर भी खरे उतरें और किसानों की आय बढ़े, इसी सोच के साथ सरकार अब उत्पादन केंद्रित खेती के बजाय गुणवत्ता व आय केंद्रित खेती को बढ़ावा दे रही है। इसी कड़ी में सरकार द्वारा प्राकृतिक खेती को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। सरकार प्राकृतिक खेती को जल्द ही कृषि के पाठ्यक्रम में शामिल करने जा रही है। केंद्रीय मंत्री तोमर शनिवार को ग्वालियर के राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय में *प्राकृतिक खेती* विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला की अध्यक्षता प्रदेश के उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) भारत सिंह कुशवाह ने की। कार्यशाला में देश भर के 425 कृषि विज्ञान केंद्रों से आए कृषि वैज्ञानिक, प्राकृतिक खेती से जुड़े उन्नतशील कृषक एवं कृषि तकनीक अनुप्रयोग अनुसंधान के नोडल अधिकारियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला में केंद्रीय कृषि विद्यालय इम्फाल के कुलपति डॉ. अनुपम मिश्रा, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक डॉ. वेदप्रकाश चहल एवं कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरविंद कुमार शुक्ला मंचासीन थे। कार्यशाला का आयोजन जबलपुर व ग्वालियर के कृषि विश्वविद्यालय और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से संबद्ध कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान केंद्र जबलपुर (अटारी) के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। केंद्रीय मंत्री तोमर ने कहा कि एक समय देश ने हरित क्रांति अपनाकर और रासायनिक खेती के माध्यम से खाद्यान्न की जरूरतों को पूरा किया है लेकिन अत्यधिक रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग से हमें दुष्परिणाम भी भोगने पढ़ रहे हैं। इसलिए प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की महती आवश्यकता है। प्राकृतिक खेती को बल देने के लिए केंद्र सरकार द्वारा व्यापक स्तर पर कार्यशालाओं आदि के माध्यम से कृषि वैज्ञानिकों एवं किसानों के बीच मंथन कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कृषि सिर्फ आजीविका भर नहीं है, आजीविका के कई और साधन हो सकते हैं पर यदि कृषि उपेक्षित हुई तो जेब में पैसा तो होगा पर पैसे से हम अन्न नहीं बना सकते। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती अपने आप में पूर्णता का संदेश है और समय की मांग है। यदि हम अभी से सचेत नहीं हुए तो माटी की उर्वरा शक्ति कमजोर हो जायेगी और एक दिन ऐसा आयेगा कि धरती उत्पादन देना बंद कर देगी। इसलिए हमें प्राकृतिक खेती को अपनाना ही होगा। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों का आह्वान किया कि वे इस दिशा में अनुसंधान जारी रखें और किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए प्रेरित करें। यदि किसान प्राकृतिक खेती अपना लेंगे तो गायें भी सड़क पर दिखाई नहीं देंगीं। गुजरात का डांग जिला इसका उदाहरण है। जहां पर प्राकृतिक खेती अपनाई जाने से लोग गौ शालाओं से गायें लाकर अपने घर पर बांध रहे हैं। उद्यानिकी राज्य मंत्री भारत सिंह कुशवाह ने कहा कि किसान की ताकत बढ़ेगी तो देश भी ताकतवर होगा। इसी सोच के साथ मध्यप्रदेश में किसान हितैषी योजनाएं बनाई गई हैं। प्राकृतिक खेती कम खर्चे व कम पानी में अधिक उत्पादन और आय बढ़ाने वाली खेती की पद्धति है। उन्होंने प्राकृतिक खेती के लिए पशुपालन को अनिवार्य बताया। केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय इम्फाल के कुलपति प्रो. अनुपम मिश्र ने कहा कि देश में पहली बार प्राकृतिक खेती पर इतनी बढ़ी कार्यशाला हुई है, जिसमें देश के 400 से अधिक जिलों से कृषि वैज्ञानिक व प्रगतिशील किसान आए हैं। प्रकृति के साथ समन्वय बनाकर रहना मनुष्य के लिए जरूरी है। इसलिए स्वस्थ रहने के लिए प्राकृतिक खेती को अपनाना ही होगा। कुलपति डॉ. अरविंद कुमार शुक्ला ने कहा कि प्राकृतिक खेती प्रगति और प्रकृति के बीच समन्वय बनाने का काम करती है। इसीलिए भारत में आदिकाल से प्राकृतिक खेती होती आई है। केंद्रीय मंत्री तोमर ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी प्रदेश के पांच हजार किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ने की पहल कर राज्य में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की दिशा में सराहनीय कदम उठाया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि किसान भी सेना के जवान की तरह समर्पण भाव से काम करते हैं। जिस प्रकार सेना के जवान के लिए सीमा पर ड्यूटी के दौरान केवल मातृ भूमि की रक्षा का ध्येय होता है, उसी तरह कितनी भी प्राकृतिक आपदाएं झेलनी पढ़ें, किसान खेती नहीं छोड़ता और उसके मन में सदैव यह ध्येय रहता है कि देश के 130 करोड़ लोगों की भूख मिटाने में हम सहभागी बनें।

किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान खरीदी को लेकर अहम बैठक आयोजित

रंगिया (निसं)। किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी के संबंध में आज एकीकृत जिला उपायुक्त कार्यालय के बैठक कक्ष में जिला उपायुक्त कीर्ति जल्ली की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। यह प्रक्रिया अधिक एकीकृत है तथा सभी संबंधित पक्ष निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए समन्वय में काम करे इसके लिए जिला उपायुक्त कीर्ति जल्ली ने संबंधित सभी पक्षों को निर्देश दिया। धान क्रय केन्द्रों के तत्वावधायक, धान मिलों के मालिकों (मिलर), भारतीय खाद्य निगम के प्रतिनिधि, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, कृषि आदि संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों ने जिला उपायुक्त को इस क्षेत्र में उनके द्वारा ली गई व्यवस्थापना की जानकारी दी। वहीं जिला उपायुक्त ने सभी प्रतिनिधियों को व्यवस्थाओं के क्रियान्वयन में और अधिक तेजी लाने का निर्देश दिया ताकि जिले में निर्धारित लक्ष्य को समय पर पूरा किया जा सके। आज की बैठक में कामरूप जिले की अतिरिक्त उपायुक्त सुजाता गोगोई, मुनमी कलिता सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

धान के ढेर में उपद्रवियों ने लगाई आग

बाक्सा (हि.स.)। बाक्सा जिला के दौलगुड़ी इलाके में खेत से काट कर रखे गए धान के गल्ले में उपद्रवियों द्वारा आग लगाए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि दौलगुड़ी गांव के प्रफुल्ल तालुकदार नामक व्यक्ति के घर में काट कर रखे गए धान के ढेर में अज्ञात लोगों द्वारा आज तड़के आग लगा दी गई। घटना के समय किसान का परिवार सो रहा था। आग की वजह से लगभग 80 मन धान जलकर राख हो गया। घटना खाकी खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस और अग्निशमन की टीम ने धान में लगी आग को बुझाया। आग बुझाए जाने तब तक पूरा धान जलकर राख हो चुका था। प्रफुल्ल तालुकदार ने बताया कि उनका परिवार कृष्ण गुरु धर्म पालन करता है। जिसकी वजह से गांव के लोग उससे काफी नाराज है। गांव के ही किसी व्यक्ति द्वारा उनके घर में मौजूद धान के ढेर आग लगायी गई है। घटना के संबंध में प्रफुल्ल तालुकदार द्वारा स्थानीय थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पुलिस दर्ज प्राथमिकी के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

इंदौर के विधि महाविद्यालय में विवादित पुस्तकों पर हंगामा, मामले में चार लोगों पर एफआईआर दर्ज

इंदौर (हि.स.)। धार्मिक कट्टरता और भड़काऊ शिक्षा सहित हिंदू विरोधी विवादित किताब से पढ़ाई को लेकर शासकीय विधि महाविद्यालय में शनिवार को जमकर विवाद हुआ। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) और विद्यार्थियों ने हंगामा करते हुए प्राचार्य के इस्तीफे की मांग की। हंगामे के बाद प्राचार्य डॉ. ईनामुर्रहमान ने अपना इस्तीफा उच्च शिक्षा विभाग आयुक्त को भेज दिया। लगातार बदलते घटनाक्रम में इस मामले में भंवरकुआं थाना में लेखिका डॉ. फरहत खान, किताब के प्रकाशक अमर क्षेत्रपाल, प्राचार्य डॉ. इमामूल रहमान और प्राध्यापक मिर्जा मौजिद- चारों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इन सभी पर में धारा 153 (क), 295(क) 505 के तहत मामला दर्ज हुआ है। छात्र लकी आदिवाल ने इन सभी के खिलाफ केस दर्ज करवाया है। गौरतलब है कि शासकीय विधि महाविद्यालय महाविद्यालय के छह प्रोफेसरों के खिलाफ गत दिनों संप्रदाय विशेष के खिलाफ विद्यार्थियों को भड़काने के मामले में प्रकरण दर्ज हुआ था। इसके बाद महाविद्यालय की लाइब्रेरी में अब विवादित पुस्तक मिली हैं। लेखिका डॉ. फरहत खान द्वारा लिखी पुस्तक (सामूहिक हिंसा एवं दांडिक न्याय पद्धति) में हिंदुओं, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और विश्व हिंदू परिषद के खिलाफ आपत्तिजनक अंश लिखे गए हैं। कुछ ऐसी पंक्तियां हैं, जिसमें हिंदुओं व हिंदूवाद से जुड़ी संस्थाओं को धर्म के आधार पर भड़काने का जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। इस मामले में अब शासन ने हस्तक्षेप किया है। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने विभाग के अपर मुख्य सचिव को मामले की जांच सौंपी है। उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा है कि इंदौर के शासकीय विधि महाविद्यालय में धार्मिक कट्टरता फैलाने के मामले में छह शिक्षकों की भूमिका के साथ ही विवादित व आपत्तिजनक अंशों वाली पुस्तक की भी जांच की जाएगी। यह पुस्तक एक निजी प्रकाशन की बताई जा रही है। इन सभी मामलों में जो भी दोषी होंगे, उनके खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। इस बीच छात्र नेताओं ने भंवरकुआं थाने पहुंचकर आपत्तिजनक पुस्तक के मामले में एफआईआर दर्ज कराने की मांग करते हुए आवेदन भी दिया। कहा जा रहा है कि कॉलेज प्रबंधन ने इस पुस्तक को खरीदा था और यह पुस्तक वहां की लाइब्रेरी में उपलब्ध है। गौरतलब है कि विधि महाविद्यालय के प्रोफेसरों पर हिंदू विरोधी गतिविधियां कराए जाने का आरोप है। इसे लेकर बीते गुरुवार को भी अभाविप ने प्रदर्शन किया था। इसके बाद कॉलेज प्रबंधन ने छह प्रोफेसर को पांच दिन के लिए कार्यमुक्त कर दिया था। परिषद के छात्र नेताओं का आरोप है कि महाविद्यालय के प्रोफेसर कॉलेज में कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने का विरोध करते थे, वहीं राष्ट्र और भारतीय सेना के विरोध की बातें भी करते थे। इसके अलावा प्रोफेसर कॉलेज की छात्राओं को अकेले में मिलने को कहते थे। इस पूरे मामले पर प्रदेश सरकार नाराज है। ऐसे में इन छह प्रोफेसरों का तबादला होना भी तय माना जा रहा है। इधर, विधि महाविद्यालय की जिस किताब में आपत्तिजनक लेख मिले हैं, उसकी लेखिका डॉ. फरहत खान ने 16 मार्च 2021 को एक पत्र लिखकर माफी मांगी थी। उन्होंने अपने पत्र में लिखा था कि मेरे द्वारा लिखी पुस्तक सामूहिक हिंसा एवं दाण्डिक न्याय पद्धति, जिसे 2011 में लिखा गया था, में कुछ पेज अनजाने में आपत्तिजनक कथनों को समाहित किए हुए हैं। प्रकाशक के द्वारा इसे 2015 में मेरी जानकारी लाए बिना प्रकाशित किया गया है। फिर भी यदि इस पुस्तक में कुछ कथन यदि गलत एवं आपत्तिजनक हैं तो मैं आपसे आपके माध्यम से समस्त पाठकों से क्षमा प्रार्थी हूं कि मेरा किसी की किसी भी भावना को ठेस पहुंचाना मकसद नहीं था। अत: यदि इस पुस्तक में लिखी किसी बात से कोई आहत हुआ है तो मैं क्षमा प्रार्थी हूं। विधि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रहमान का कहना है कि छात्र नेताओं द्वारा की गई शिकायत व आरोपों पर निष्पक्ष जांच कराई जा रही है। शासन ने भी इस मामले की जांच के लिए कमेटी बनाई है। कॉलेज प्रबंधन द्वारा जांच समिति को सारी जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी।

पिछले एक महीने से जिंदगी और मौत से जूझ रहा घायल हाथी

नगांव (हि.स.)। नगांव जिला के रोहा के धरमतुल आंचलिक कार्यालय के समीप आमसो अकरा गांव के पास पिछले एक महीने से एक घायल हाथी जिंदगी और मौत से जूझ रहा है। स्थानीय लोगों ने आशंका व्यक्त किया है कि राष्ट्रीय राजमार्ग पार करते समय किसी वाहन की चपेट में आने से हाथी घायल हुआ होगा। धरमतुल आंचलिक वन अधिकारी कार्यालय से महज 500 मीटर दूरी पर पिछले एक महीने से घायल अवस्था में जिंदगी और मौत से जूझ रहा है। स्थानीय लोगों द्वारा इसकी जानकारी वन विभाग को दिए जाने के बावजूद भी वन विभाग की ओर से हाथी की चिकित्सा के लिए कोई व्यवस्था नहीं की गई है। जिसकी वजह से स्थानीय लोग काफी नाराज हैं। ग्रामीण लोग आए दिन हाथी को खाने की व्यवस्था कर रहे हैं। लेकिन, हाथी की अवस्था दिन-प्रतिदिन खराब होती जा रही है। गांव वालों ने वन मंत्री से घायल हाथी की जल्द से जल्द इलाज कराए जाने की गुहार लगाई है।

IDENTIFY AND RELOCATE

Reference Noonmati PS Case No. 453/2022; U/S 363 IPC and Memo No. DCP(Central)/Missing/2022/3375, dtd: 05/11/2022, received from DCP(Central), Police Commissionerate, Ghy, Assam, stating that one minor girl Miss Tunu Wary, age- 11 years, D/O Matil Wary of Juripar, Patharquary, H/No. 8/A, P.S. Noonmati, Dist-Kamrup (M), Assam, who was reportedly missing from Patharquary on 04/11/2022 at about 2 PM.

Any information of the above missing minor girl may be provided to the following telephone numbers: :

1. Office of the DCP(Central), Guwahati, Assam = 60269-00541
2. CID office Control Room, Guwahati, Assam = 0361-2529782

-- Janasanyog /D/ 17507/ 22

Superintendent of Police, CID, Assam, (Crime Against Women & Children), Ulubari, Guwahati.

पृष्ठ एक का शेष

पूर्व दिग्गज फुटबॉलर...

हो जाइए। पेले ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शुक्रवार को सेहत के बारे में जानकारी दी थी। साथ ही कतर द्वारा इमारत पर दिखाई गई अपनी तस्वीर को भी शेयर किया था। उन्होंने लिखा था कि दोस्तों, मैं नियमित जांच के लिए अस्पताल में हूं। इस तरह के सकारात्मक संदेश प्राप्त करना हमेशा अच्छा होता है। इसके लिए कतर का धन्यवाद और उन सभी का जो मुझे अच्छा संदेश भेजते हैं! सात महीने पहले भी पेले को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। तब नियमित जांच के बाद वो बाहर आ गए थे। 82 वर्षीय पेले के कोलन (बड़ी आंत) से सितंबर 2021 में ट्यूमर हटाया गया था। उसके बाद से वह नियमित अस्पताल जाते हैं। ईएसपीएन ब्राजील ने बताया कि पेले को हृदय संबंधी समस्याएं थीं और उनके चिकित्सा कर्मचारियों ने चिंता व्यक्त की कि उनके कीमोथेरेपी उपचार से बेहतर नतीजे नहीं आ रहे हैं। इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। पेले ने अपने देश ब्राजील को तीन बार विश्व चैंपियन बनाया। उनके रहते ब्राजील ने 1958, 1962 और 1970 में विश्व कप जीता। 1958 में सूडान के खिलाफ विश्व कप फाइनल में दो गोल दागे थे। पेले ने प्रोफेशनल करियर में कुल 1363 मैच खेले और 1281 गोल दागे। ब्राजील के लिए उन्होंने 91 मैचों में 77 गोल दागे।

अभिषेक की रैली से पहले ...

विस्फोट हुआ था। इसके बाद पुलिस ने मौके पर दो शवों को बरामद किया है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी कहा जा रहा है कि यह धमाका बम बनाने के दौरान हुई। सामने आया है कि टीएमसी नेता के घर पर देशी बम से धमाका हुआ है। इस विस्फोट में टीएमसी कार्यकर्ता के घायल होने की भी खबर है। पुलिस के मुताबिक, घटना शुक्रवार रात करीब 11 बजे के आसपास की है। उधर, भाजपा ने इस मामले की एनआईए जांच की मांग की है। आरोप है कि टीएमसी बूथ अध्यक्ष के घर पर बम बनाया जा रहा था।

बदरुद्दीन औरंगजेब का ...

रखना चाहते हैं। शनिवार को असम प्रदेश भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में भाजपा प्रवक्ता रंजीव शर्मा ने सांसद अजमल की असंसदीय टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। इस मौके पर भाजपा विधायक दिगंत कालिता और पार्टी के मीडिया विभाग के संयोजक देवान ध्रुवज्योति मरल भी मौजूद थे। शर्मा ने कहा कि अजमल और उनकी पार्टी के नेता अभी भी महिलाओं को वस्तु के रूप में देखते हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को लक्ष्य कर की गई अजमल की अशोभनीय टिप्पणी को सभ्य समाज के लिए चुनौती बताया। भाजपा प्रवक्ता ने संबंधित लोगों से इस्लामिक समाज द्वारा अजमल को दी गई मौलाना की उपाधि को छीनने का भी आग्रह किया। दूसरी ओर विधायक दिगंत कलिता ने एआईयूडीएफ अध्यक्ष की तुलना औरंगजेब से करते हुए चेतावनी दी कि असम का समाज अरब संस्कृति को कभी स्वीकार नहीं करेगा। कलिता के अनुसार, अजमल जैसे घटिया मानसिकता वाले लोगों को सामाजिक और राजनीतिक रूप से अलग-थलग किए जाने की जरूरत है। गौरतलब है कि 19वीं शताब्दी में बख्तियार खिलजी ने नालंदा विश्वविद्यालय को नष्ट कर असम पर आक्रमण किया था। पृथु उस समय असम के राजा थे। महाराजा पृथु के नेतृत्व में असम के सभी जातीय समूहों के हजारों लोग बख्तियार खिलजी के दस हजार घुड़सवार सैनिकों की विशाल सेना को हराने के लिए एकसाथ आए और उन्हें पराजित किया था। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि असम की जनता एक बार फिर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में अजमल वाहिनी की इस आक्रामकता को परास्त करेगी। जिस तरह महाराजा पृथु ने सभी जातीय समूहों को एकजुट कर एक विशाल सेना को हराया था, उसी तरह मुख्यमंत्री के नेतृत्व में असम के लोग अजमल के नेतृत्व में खिलजी-मुगल की सांस्कृतिक, राजनीतिक आक्रामकता का परास्त करेंगे। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता के अनुसार बदरुद्दीन अजमल का मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा को निशाना बनाते हुए दिया गया अभद्र भाषण सोची-समझी योजना है। उल्लेखनीय है कि असम सरकार के सत्र (मठ) भूमि के अवैध अतिक्रमण को लेकर जांच के लिए विधायक प्रदीप हजारिका की अध्यक्षता में गठित सत्र आयोग की अंतरिम रिपोर्ट शुक्रवार को मुख्यमंत्री को सौंपी गई थी। रिपोर्ट सौंपे जाने के कुछ घंटे बाद बदरुद्दीन अजमल ने असंसदीय शब्दों से मुख्यमंत्री पर निशाना साधा।

जेएनयू में अब ...

बख्शा नहीं जाएगा; शाखा लौट जाओ। धमकियों भरे ये नारे किसने लिखे थे अब तक पता नहीं चल सका है। जेएनयू की उस महिला प्रोफेसर के केबिन के दरवाजे पर भी *शाखा लौट जाओ* का नारा लिखा गया था, जिसे नवंबर 2019 में वामपंथियों ने 3 दिन के लिए हिरासत में रखा था। ये नारे 30 नवंबर की रात को लिखे गए। कम्युनिस्टों के खिलाफ नारे लिखने के बाद हिंदू रक्षा दल के अध्यक्ष पिंकी चौधरी ने कहा कि हम केवल सनातनी हिंदू हैं। उन लोगों ने हमें कहा कि भारत छोड़ो... अब हम इनसे भारत छुड़वाएंगे। जब उनसे पूछा गया कि क्या उनके जैसे रास्ते अपनाना सही है? इस पर पिंकी ने कहा कि वे नारे लिखने के बाद छिप गए हैं और हम लोग लिखने के बाद सामने खड़े हैं। अड़कर खड़े हैं, डटकर खड़े हैं। जिसकी हिम्मत है, वो हमारे पास आएं और बात करें। हम पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि नारे किसने लिखे थे। हिंदू रक्षा दल के कार्यकर्ताओं का कहना है कि हम सभी का सम्मान करते हैं, लेकिन उसका गलत फायदा उठाना सही नहीं है। यही वजह है कि उन्होंने दीवार पर ऐसी धमकियां लिखी हैं। जब हिंदू रक्षा दल से पूछा गया कि ये नारे किसने लिखे हैं? इसके जवाब में उन्होंने बताया कि नारे लेफ्ट के इशारे पर लिखे गए हैं। इनके हाथी जैसे दांत हैं, खाने के कुछ और दिखाने के कुछ और। ये गतिविधियां देशविरोधी हैं, भारत विरोधी गतिविधियां करने वाले लोग भारत छोड़ें। देशहित में सबसे बड़ा ऋण ब्राह्मणों का है। आज केवल लोगों को जातियों में बांटने का काम किया जा रहा है। ऐसी विवादित बातें लिखने वाले ये सोच लें कि हर हिंदू ज्ञानी है और हर हिंदू ब्राह्मण है।

युद्ध समाप्ति पर ...

कम कर दी है। अमेरिका और अन्य पश्चिमी देश इन स्थितियों में यूक्रेन की सैन्य और आर्थिक मदद बढ़ा रहे हैं। शून्य डिग्री सेल्सियस से कम तापमान में पूर्वी यूक्रेन में भीषण युद्ध जारी है। यहां का रणनीतिक शहर बाखमुट रूसी सेनाओं के निशाने पर है। जबकि खेरसान और जपोरीजिया प्रांतों में रूसी सेना रक्षात्मक मुद्रा में है। वैसे दोनों प्रांतों के बड़े क्षेत्रों पर रूसी सेना कब्जा कर चुकी है। इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय ने युद्ध में 13 हजार यूक्रेनी सैनिकों के जान गंवाने की बात कही है। रूस को युद्ध के लिए धन न मिले और वह आर्थिक तंगहाली की ओर बढ़े, इसके लिए यूरोपीय संघ (ईयू) समुद्र के जरिये निर्यात होने वाले कच्चे तेल का मूल्य 60 डालर प्रति बैरल निर्धारित करने के प्रस्ताव पर सहमत हो गया है। अब ईयू के सामने इस प्रस्ताव को सभी सदस्य देशों द्वारा स्वीकृत कराने की चुनौती है, क्योंकि कई देश अभी भी रूस से पर्याप्त मात्र में गैस और तेल प्राप्त कर रहे हैं और वे रूस से संबंध बिगाड़ना नहीं चाहते।

बिहार में अलग हुई ...

बीच करबंदिया रेलवे स्टेशन के पास महाबोधि एक्सप्रेस के एस-8 तथा एस-9 कोच का प्रेशर पाइप अलग हो गया। साथ में उसका कपलर भी खुल गया। इससे तेज आवाज हुई और दोनों बोगियां ट्रेन से अलग हो गईं। हालांकि, ड्राइवर ने सूझबूझ का परिचय देते हुए ट्रेन को तुरंत रोक दिया। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। घटना के बाद लगभग 35 मिनट तक ट्रेन रुकी रही। बाद में अभियंत्रण विभाग ने ट्रेन के सफर को ठीक किया। इसके बाद ट्रेन गंतव्य की ओर रवाना हुई।

महाराष्ट्र के दिव्यांगों...

गया। इस कार्यक्रम में इंटरनेशनल डे ऑफ पर्सन विद डिसेबिलिटी को भी सेलिब्रेट किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन सोशल जस्टिस और एंपावरमेंट मिनिस्ट्री ने किया था। इस कार्यक्रम में सोशल जस्टिस एंड एंपावरमेंट मिनिस्टर डॉ वीरेंद्र कुमार, रामदास अठावले और प्रतिमा भौमिक भी उपस्थित थे। वर्धा जिले के जय सिंह चौहान को भी 2022 का सर्वश्रेष्ठ दिव्यांगजन कैटेगरी में पुरस्कृत किया गया। उन्होंने अपना खुद का काम शुरू किया और आज वह करोड़ों रुपए की कंपनी के मालिक हैं। उन्हें नेशनल अवॉर्ड फॉर इंडिविजुअल एक्सीलेंस दिया गया। उनके अलावा, डॉक्टर शुभम धूत, सुश्री विमल गाव्हने, अशोक भोईर को भी यह पुरस्कार दिया गया। वहीं महात्मा गांधी सेवा संघ, अकोला जिला परिषद और कमिश्नर डिसेबिलिटी गवर्नमेंट ऑफ महाराष्ट्र को भी इस अवसर पर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। पुरस्कार विजेताओं ने इस अवसर पर हर्ष भी जताया। राष्ट्रपति के हाथों पुरस्कृत होने पर उनके चेहरे पर एक अलग मुस्कान थी। वर्ष 2021 और 2022 के राष्ट्रीय पुरस्कार 14 श्रेणियों के तहत दिए गए। महाराष्ट्र *सुगम्य भारत अभियान* को लागू करने वाला सर्वश्रेष्ठ राज्य रहा है और यह पुरस्कार आयुक्त नि:शक्तता कल्याण, पुणे को प्रदान किया गया। अकोला की जिला परिषद ने (विकलांगता अधिकार अधिनियम के प्रभावी कार्यान्वयन/सार्वभौमिक पहचान पत्र प्रणाली और विकलांग व्यक्तियों के लिए योजनाएं) श्रेणी में प्रतिष्ठित पुरस्कार जीता और श्री जयसिंह चव्हाण, नागपुर को (विकलांगता वाले सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति) श्रेणी में 2022 वर्ष के लिए सम्मानित किया गया। महात्मा गांधी सेवा संघ, औरंगाबाद को (विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण के लिए) श्रेणियों में राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

गुजरात में दूसरे ...

निर्वाचन अधिकारी पी भारती ने कहा कि इसमें कुल मतदाता 2,51,58,730 हैं जिसमें से पुरुष मतदाता 1,29,26,501 हैं, महिला मतदाता 1,22,31,335 हैं और अन्य मतदाता 894 हैं। मतदान के लिए 26,409 मतदान केंद्र हैं। पी भारती ने आगे बताया कि हम इसमें 37,432 बैलट यूनिट, कंट्रोल यूनिट 36,157 और वीवीपेट 40,066 इस्तेमाल कर रहे हैं। मतदान कर्मचारियों की संख्या 1,13,325 हैं। आपको बता दें कि गुजरात में पहले चरण का चुनाव 1 दिसंबर को ही खत्म हो गया है। 1 दिसंबर को 89 सीटों पर वोटिंग हुई थी। गुजरात चुनाव के नतीजे 8 दिसंबर को आएंगे। गुजरात में भाजपा आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच मुख्य रूप से मुकाबला है। सभी राजनीतिक दलों ने अपनी अपनी ताकत झोंकी है। पिछले 27 सालों से सत्ता में काबिज भाजपा की ओर से जबरदस्त तरीके से प्रचार किया गया है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात में 31 से ज्यादा जनसभाओं को संबोधित किया जबकि तीन मेगा रोड शो भी किया है। चुनाव प्रचार के आखिरी दिन भी भाजपा ने अपनी पूरी ताकत दिखाई है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की आज चुनाव प्रचार करने पहुंचे थे। गुजरात में इस बार त्रिकोणीय मुकाबले की संभावनाएं जताई जा रही है। पिछले चुनाव में पाटीदार आंदोलन की वजह से भाजपा के लिए राह थोड़ी कठिन हो गई थी। हालांकि, इस बार भी पाटीदार समुदाय निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। पाटीदारों को साधने की कोशिश में भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी तीनों लगे है। भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कई केंद्रीय मंत्री, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्वा शर्मा, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने प्रचार किया। वहीं, आम आदमी पार्टी के लिए अरविंद केजरीवाल मनीष सिसोदिया और भगवंत मान जैसे नेता लगातार चुनावी प्रचार करते रहे। कांग्रेस की ओर से भी गुजरात में ताकत दिखाई गई है। हालांकि, उसके बड़े नेता प्रचार से दूर रहें। लेकिन जमीन पर उसके नेताओं ने जबरदस्त तरीके से मेहनत की है।

कानून में करियर बनाने ...

विश्वविद्यालयों के सामने आने वाली समस्याओं में से एक शायद यह है कि हम छात्रों का चयन करने के लिए जिस मॉडल का उपयोग करते हैं वह सही छात्र को परखने में नाकाफी है और हमारे मूल्य-आधारित शिक्षा को बढ़ावा नहीं देता। सामान्य कानून प्रवेश परीक्षा से हम छात्रों की क्षमता का परीक्षण नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि मैं कुलपति और फैकल्टी से अपील करता हूं कि वे विविध पृष्ठभूमि के छात्रों के लिए मूल्य आधारित कानूनी शिक्षा को महत्व दें। आगे कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए संसाधनों की आवश्यकता होती है, लेकिन इसे इस तरह नहीं बनाया जाना चाहिए कि जो छात्र इसके लिए भुगतान नहीं कर सकते, उन्हें बाहर कर दिया जाए।

ठंड : पूर्वोत्तर भारत ...

है। इसके बाद, इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ते रहने और 8 दिसंबर की सुबह तक उत्तर तमिलनाडु-पुडुचेरी और आसपास के दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटों पास बंगाल की दक्षिण-पश्चिम खाड़ी तक पहुंचने की संभावना है। तमिलनाडु, दक्षिण आंध्र प्रदेश और पुडुचेरी में हल्की, मध्यम और भारी बारिश की संभावना जताई गई है। तमिलनाडु पुडुचेरी में 50 से 60 और 70 किमी रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। मछुआरों के लिए चेतावनी जारी की गई है। 4-5 दिसंबर को अंडमान सागर, दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में 5 से 7 दिसंबर, साउथ वेस्ट बंगाल की खाड़ी 6 से 8 दिसंबर और श्रीलंका के तटीय इलाकों में भी 6 से 8 दिसंबर तक नहीं जाने के लिए कहा गया है। वहीं, तमिलनाडु, पुडुचेरी और दक्षिण आंध्र प्रदेश, 7 तारीख से 9 दिसंबर की सुबह तक नहीं जाने के लिए बोला गया है।

लोकतंत्र की आवाज...

भी राहुल गांधी महंगाई और डीजल,पेट्रोल के दाम को लेकर आवाज उठाते रहे हैं। बीते दिनों राहुल ने कहा था कि पिछले छह महीनों में, कच्चा तेल 25 फीसदी से अधिक सस्ता हो गया है। ऐसे हालात में पेट्रोल-डीजल के दाम 10 रुपए से अधिक घटाए जा सकते हैं, लेकिन सरकार ने एक रुपए भी कम नहीं किया।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **पंचम अध्याय**

(आनन्द)

प्रजा जाहि रुदन करे, रानिन महन चिकार।
सो भूपति जेहि सुख लिये, त्यागि जगत धिकार। 21 ॥

शब्दार्थ : (रोदन) रोना (चिकार) चिल्लाना (भूपति) राजा (धिकार) तिरस्कार।

भाष्य : जिसकी प्रजा से रही है और महन में रानियां अपने पति केलिए चिल्ला रही है, परंतु वे नृपति ब्रह्मसुख के लिए जगत के सुख को धिक्कार कर, त्याग कर रहे हैं।

कौने सुख शान्ती मिले, कौने सुख दुख जाय।
कौने सुख सुख चाह नहिं, कौन विशद सुख पाय ॥ 22 ॥

शब्दार्थ : (चाह) इच्छा (विशद) शुद्ध।

भाष्य : किस सुख से शांति प्राप्त होती है, कौन सुख से दु:ख जाता है, कौन सुख प्राप्त होने पर फिर सुख प्राप्ति की इच्छा नहीं होती और कौन इस महान शुद्ध सुख को प्राप्त करता है? ब्रह्मसुख प्राप्त हो जाने पर सब सुख प्राप्त हो जाते हैं।

असम पुलिस मुख्यालय में समीक्षा बैठक

कोई भी अपराधी भाग न सके : डीजीपी महंत

गुवाहाटी (हि.स.)। कामरूप (मेट्रो) के साथ-साथ इसके आसपास के जिलों में आपराधिक गतिविधियों को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए गए हैं। शनिवार को इनकी व्यापक समीक्षा की गई। असम पुलिस मुख्यालय में पुलिस महानिदेशक भास्करज्योति महंत और विशेष पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) जीपी सिंह की मौजूदगी में हुई समीक्षा बैठक में आपराधिक गतिविधियों को रोकने के लिए जिलों के बीच समन्वय पर ध्यान केंद्रित किया गया। बैठक में सभी ठोस कदम उठाने पर सहमति बनी ताकि आपराधिक गतिविधियों में शामिल कोई भी अपराधी भाग न सके और पुलिस अधीक्षकों को इस पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए गए। बैठक में शहर के पुलिस आयुक्त हरमीत सिंह, अपराध जांच विभाग, विशेष शाखा और कानून एवं व्यवस्था विंग के महानिरीक्षक के साथ कामरूप, नागांव, मोरीगांव, तामुलपुर, उदालगुड़ी, बाक्सा, नलबाड़ी, ग्वालपाड़ा और दरंग जिलों के पुलिस अधीक्षक और गुवाहाटी शहर के पुलिस उपायुक्त भी मौजूद थे।

राज्य के सत्रों से अतिक्रमण को जल्द हटाने की मांग

303 सत्रों के कुल 7,504 बीघा भूमि पर अतिक्रमण

बरपेटा (हि.स.)। असमिया संस्कृति के प्राण स्वरूप सत्र (मठ) की भूमि पर अतिक्रमण से संबंधित गठित तीन सदस्यीय आयोग की रिपोर्ट के बाद असम में सत्रों की जमीन को तत्काल हटाने की मांग उठने लगी है। मुख्यमंत्री को सौंपी गई आयोग की अंतरिम रिपोर्ट के अनुसार, राज्य के विभिन्न हिस्सों में स्थित 303 सत्रों (वैष्णव मठों) में कुल 7,504 बीघा (1,898 हेक्टेयर) भूमि पर अतिक्रमण है। रिपोर्ट के अनुसार, बरपेटा जिला में सर्वाधिक अतिक्रमण के बाद लखीमपुर और नगांव जिला, बंगाईगांव और धुबड़ी जिलों में सत्रों की भूमि पर अत्यधिक अतिक्रमण के मामले हैं। सरकार का कहना है कि अंतरिम रिपोर्ट की अब प्रशासनिक रूप से समीक्षा की जाएगी और कानून के अनुसार अनुवर्ती कार्रवाई की जाएगी। आयोग की अंतिम रिपोर्ट के आने के बाद स्थिति पूरी तरह से साफ हो जाएगी। असम में सत्रों की भूमि पर अतिक्रमण के मामलों को देखते हुए बंगाईगांव में आयोजित राज्य सरकार की कैबिनेट की बैठक में तीन सदस्यीय सत्र आयोग का गठन किया गया था। आयोग में प्रदीप हजारिका को अध्यक्ष तथा विधायक मृणाल सैकिया और रूपक शर्मा को सदस्य के रूप में शामिल किया गया था। आयोग को असम के सत्रों की भूमि पर हुए अतिक्रमण के बारे में जानकारी एकत्र करने और एक वर्ष के अंदर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश कैबिनेट ने दिया था। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्वशर्मा के निर्देशानुसार बीते शुक्रवार को आयोग के सदस्यों ने मुख्यमंत्री को अपनी रिपोर्ट सौंप दी। पिछले वर्ष 26 दिसंबर को सत्र आयोग के अध्यक्ष प्रदीप हजारिका और सदस्य मृणाल सैकिया और रूपक शर्मा ने बरपेटा सत्र में पूजा करने के साथ ही सत्र की भूमि के अतिक्रमण का सर्वेक्षण शुरू किया था। सत्र नगरी बापेटा जिला में आयोग की टीम ने डेरा डालकर सत्रों की भूमि पर किए गए कब्जे की नापजोख कर रिपोर्ट के प्रकाशन के बाद बरपेटा जिला के लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। बताया गया है कि बरपेटा सत्र की भूमि पर राज्य में अवैध रूप से घुसपैठ करने वाले संदिग्ध नागरिकों ने सबसे अधिक अतिक्रमण किया है। इस बीच, बरपेटा सत्र के डेका सत्राधिकार गौतम पाठक ने सत्र आयोग की रिपोर्ट पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। डेका सत्राधिकार बापजाना बरपेटा सत्र का उल्लेख करते हुए कहा है कि सैकड़ों बीघा भूमि अतिक्रमण के अधीन है। डेका सत्राधिकार ने बापजाना सत्र की भूमि को जल्द से जल्द खाली कराने का आह्वान किया है। जानकारी के मुताबिक, सत्र आयोग की रिपोर्ट में बरपेटा जिला के कई सत्रों में बड़े पैमाने पर हो रहे अतिक्रमण की जानकारी सामने आने के बाद अब हर कोई चाहता है कि सत्र की जमीन जल्द से जल्द अतिक्रमण मुक्त हो। रिपोर्ट में बताया गया है कि बरपेटा जिला के अधिकांश सत्र भूमि अतिक्रमण की चपेट में है। बरपेटा जिला में सत्र की कुल 5 हजार 5 सौ से अधिक बीघा जमीन पर अतिक्रमण हुआ है। जिसमें, सर्थेबारी राजस्व चक्त्त के अंतर्गत व्यासकुची के भट्टदेव सत्र की 4000 बीघा भूमि, बरपेटा सत्र की 859 बीघा, सुंदरीदिया सत्र की 283 बीघा, मोइनबाड़ी सत्र की 140 बीघा भूमि, पिरला सत्र की 101 बीघा, गोमूरा सत्र की 65 बीघा भूमि और बासुदेव सत्र की 73 बीघा भूमि पर अवैध कब्जे की बात सामने आई है। आयोग की रिपोर्ट पर राज्य सरकार क्या कदम उठाती है, यह आने वाले दिनों में पता चलेगा।

ढेकियाजुली के 1096 छात्रों को मंत्री सिंघल ने मिशन भूमिपुत्र के तहत जाति प्रमाणपत्र सौंपे

शोणितपुर (हि.स.)। राज्य के आवास एवं शहरी मामलों और सिंचाई विभाग के मंत्री अशोक सिंघल ने शनिवार को मिशन भूमिपुत्र के तहत अपने निर्वाचन क्षेत्र ढेकियाजुली के 1096 छात्रों को औपचारिक रूप से जाति प्रमाणपत्र वितरित किए। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी पहल मिशन भूमिपुत्र के तहत मंत्री ने आज स्थानीय त्रिमूर्ति सभागार में आयोजित एक समारोह में निर्वाचन क्षेत्र के 33 स्कूलों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग और अति अन्य पिछड़ा श्रेणी के 1096 छात्रों को जाति प्रमाणपत्र सौंपे। इस योजना के तहत विधानसभा क्षेत्र के कुल 204 स्कूलों के 9232 छात्रों ने जाति प्रमाणपत्र के लिए आवेदन किया था। दूसरी ओर, विद्यांजलि 2.0 के तहत शिक्षण संस्थानों में योगदान कार्यक्रम के अनुरूप मंत्री सिंघल ने आज निर्वाचन क्षेत्र में 600 बिजली के पंखे एकत्र किए और उन्हें शैक्षणिक संस्थानों में वितरित किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस कदम से स्कूलों के शैक्षिक बुनियादी ढांचे में सुधार में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। इसके अलावा विश्व दिव्यांग दिवस के क्रम में मंत्री सिंघल ने आज ढेकियाजुली निर्वाचन क्षेत्र के सिराजुली उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्र सुदीप्त भौमिक को विशेष रूप से विकलांग बच्चों के लिए प्रेरणा पुरस्कार : 2022 प्रदान किया और औपचारिक रूप से उसी स्कूल के शिक्षक गीतावली डेका को विशेष रूप से विकलांग बच्चों के लिए प्रेरणा मॉडल शिक्षक पुरस्कार : 2022 प्रदान किया। अपने संबोधन में उन्होंने पुरस्कार विजेता छात्रा के साथ-साथ आदर्श शिक्षक को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर मंत्री ने आज पांच अन्य दिव्यांग बच्चों को जाति प्रमाणपत्र भी सौंपे।

आग में घर जलकर राख, भारी नुकसान

दक्षिण सलमारा (हि.स.)। दक्षिण सलमारा-मानकचार जिला के फकीरगंज थानांतर्गत नमा शेरशो गांव में शनिवार की दोपहर को लगी आग के दौरान एक व्यक्ति का घर पूरी तरह जलकर राख हो गया। पुलिस ने बताया कि शनिवार की दोपहर के समय नमा शेरशो गांव में शहाबुद्दीन नामक व्यक्ति के घर में आग लगने की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची अग्निशमन की टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया। आग बुझाए जाने तक शाहाबुद्दीन का घर पूरी तरह जलकर राख हो गया। हादसे के चलते लाखों रूपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है। हालांकि, आग कैसे लगी इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। पुलिस ने आशंका व्यक्त किया है कि शार्ट सर्किट से आग लगी होगी। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

राज्यपाल ने डॉ. राजेंद्र प्रसाद को पुष्पांजलि अर्पित की

गुवाहाटी (हि.स.)। भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की 138वीं जयंती के अवसर पर असम के राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी सहित असम की प्रथम महिला प्रेम मुखी, राजभवन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पुष्पांजलि अर्पित की। राजभवन में शनिवार को डॉ. राजेंद्र प्रसाद की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर राज्यपाल ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम और संविधान निर्माण में डॉ. राजेंद्र प्रसाद की महत्वपूर्ण भूमिका को याद किया। उन्होंने कहा कि वह इस महान राष्ट्र के प्रत्येक नागरिक के प्रेरणा स्रोत थे और राष्ट्र निर्माण में उनका विशिष्ट योगदान, उनका कानूनी कौशल और लोकतंत्र पर उनके महान आदर्श देशवासियों को प्रेरित करते रहेंगे। पुलिस आयुक्त, गुवाहाटी, हरमीत सिंह, आयुक्त और राज्यपाल के सचिव मीनाक्षी सुंदरम और डीसी कामरूप (मेट्रो) पल्लव गोपाल झा ने भी इस कार्यक्रम में अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

एजेपी ने कराई सांसद अजमल के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज

गुवाहाटी (विभास)। असम जातीय परिषद (एजेपी) ने महिलाओं और हिंदू समुदाय के संबंध में बयान को लेकर शनिवार को एआईयूडीएफ सांसद बदरुद्दीन अजमल के खिलाफ असम में पुलिस के समक्ष शिकायत दर्ज कराई। एजेपी उपाध्यक्ष डूलू अहमद ने यहां हाटीगांव थाने में, जबकि हैलाकांदी में वहां पार्टी के मुख्य संयोजक ने शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत मिलने की पुष्टि करते हुए कहा कि जांच शुरू हो गई है। अहमद ने कहा कि ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) सांसद अजमल के बयान को लेकर उनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की गई है, क्योंकि इससे समाज में व्यापक प्रतिक्रिया हुई है और सांप्रदायिक हिंसा भड़क सकती है। अजमल ने शुक्रवार को एक मीडिया संस्थान को दिये साक्षात्कार में महिलाओं, हिंदू पुरुषों पर तथा असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्वशर्मा को लेकर टिप्पणियां की थीं। उन्होंने कथित तौर पर हिंदुओं को कम उम्र में शादी करके मुसलमानों की तरह ज्यादा बच्चे पैदा करने की सलाह दी थी। अजमल के राजनीतिक विरोधियों ने उनके बयान को गुजरात विधानसभा चुनाव से जोड़ा और आरोप लगाया कि एआईयूडीएफ अध्यक्ष अपनी पार्टी को बचाने के लिए भाजपा के इशारे पर काम कर रहे हैं। वहीं, भाजपा प्रवक्ता रंजीब शर्मा ने कहा कि अजमल ने हमारे मुख्यमंत्री के खिलाफ जिन शब्दों का इस्तेमाल किया है, उन्हें पूरे सभ्य समाज द्वारा चुनौती दी जानी चाहिए। भाजपा विधायक दिगंत कालिता ने मुस्लिम समुदाय से अजमल के खिलाफ खड़े होने को कहा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा ने इस मामले में अजमल और मुख्यमंत्री के बीच साजिश होने की आशंका जताई। राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष देबब्रत सैकिया (कांग्रेस) ने भी कहा कि यह पता लगाना होगा कि अजमल के बयानों के पीछे कहीं भाजपा तथा एआईयूडीएफ की मिलीभगत तो नहीं है।

देरगांव शंकरदेव शिशु निकेतन की रजत जयंती समारोह की तैयारियों का विधायक विश्वजीत फुकन ने लिया जायजा

गोलाघाट (निसं)। देरगांव की अग्रणी शिक्षण संस्थान शंकर देव शिशु निकेतन के गौरवशाली 25 साल पूरे होने पर दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत 22 और 23 जनवरी को आयोजित होने वाले रजत जयंती समारोह के आयोजन की तैयारियों का विधायक बिस्वजीत फुकन ने यहां पहुंच कर जायजा लिया। इस संबंध में विधायक बिस्वजीत फुकन ने अपने आवास पर एक बैठक की और संस्थान के रजत जयंती समारोह के आयोजक समिति को इसे यादगार बनाने के लिए विशेष रूप से छात्रों और युवाओं के लिए एक विशेष विचार-मंथन कार्यक्रम शुरू करने की सलाह दी। इसके साथ ही 23 जनवरी को समापन समारोह पर एक भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी जिसमें एक हजार से अधिक लोगों के शामिल होने की उम्मीद जताई जा रही है। इस संदर्भ में शंकरदेव शिशु निकेतन के प्रधान आचार्य दीपक गोस्वामी ने बताया कि इस समारोह के दौरान पूर्व छात्रों के साथ एक विचार विमर्श का कार्यक्रम और शिक्षकों का आयोजन किया जाएगा। रजत जयंती समारोह को चिह्नित करने के लिए गोलाघाट जिले के प्रमुख नागरिकों को भी गर्मजोशी से सम्मानित किए जाने के साथ ही लोकप्रिय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि रजत जयंती समारोह समिति के खाद्य एवं जलपान के कार्यकारी अध्यक्ष तथा एटीएमए गोलाघाट के उप परियोजना निदेशक तपन कुमार महंत, गोलाघाट की स्वयंसेवी संस्था ऑल एंड सनड्री के संस्थापक और समाजसेवी प्रदीप बाकलीवाल से मुलाकात कर आयोजन को सफल बनाने में विचार विमर्श किए जाने की जानकारी दी।

ईंट के भट्ठे में आग से दो बच्चों समेत पांच जिंदा जले, 12 गंभीर

हैलाकांदी (निसं)। असम के कछार जिले में दर्दनाक घटना सामने आई है। जिले में एक ईंट भट्ठे में आग लगने से दो बच्चों समेत पांच लोगों की मौत हो गई जबकि 12 अन्य गंभीर घायल हो गए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस का कहना है कि आग की वजह पता नहीं चल पाई है और जांच चल रही है। उनके मुताबिक भट्ठे के मालिक और वहां पर काम करने वाले फरार हैं और उनका कुछ पता नहीं चल पाया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार रात को काटिगोराह क्षेत्र में जब एक स्थानीय मस्जिद का इमाम ईंट भट्ठा परिसर में कोई धार्मिक कार्यक्रम करा रहा था तब यह यह घटना घटी। उन्होंने बताया कि इस हादसे में दो नाबालिग और इमाम की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो अन्य झुलसे व्यक्तियों ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ लिया। उन्होंने बताया कि घायलों को शुरू एक नजदीकी अस्पताल में ले जाया गया और बाद में उन्हें गंभीर स्थिति में सिलचर चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल में पहुंचाया गया। अधिकारी के अनुसार आग की वजह पता नहीं चल पाई है और जांच चल रही है। उनके मुताबिक भट्ठे के मालिक और वहां पर काम करने वाले फरार हैं और उनका कुछ पता नहीं चल पाया है।

यूपीएससी की ओर से विशेष परीक्षा के माध्यम से आईआरएमएस में होगी भर्ती

गुवाहाटी (हि.स.)। रेल मंत्रालय ने यूपीएससी और डीओपीटी, भारत सरकार के परामर्श से यह निर्णय लिया है कि वर्ष 2023 से भारतीय रेलवे प्रबंधन सेवा (आईआरएमएस) में भर्ती यूपीएससी द्वारा विशेष रूप से आयोजित परीक्षा के माध्यम से होगी। यह आईआरएमएसई दो स्तरीय परीक्षा होगी। एक प्रारंभिक स्क्रीनिंग परीक्षा, उसके बाद एक मुख्य लिखित परीक्षा और साक्षात्कार। परीक्षा के दूसरे चरण अर्थात आईआरएमएस (मुख्य) लिखित परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों की उपयुक्त संख्या की स्क्रीनिंग के लिए सभी पात्र अभ्यर्थियों को सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा में शामिल होना होगा और आईआरएमएस (मुख्य) परीक्षा के लिए उपयुक्त संख्या में अभ्यर्थियों की स्क्रीनिंग की जाएगी। पूर्वोत्तर सीमा रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने शनिवार को एक बयान में बताया है कि आईआरएमएस (मुख्य) परीक्षा में पारंपरिक निबंध प्रकार के 4 पेपर्स होंगे। पहला क्वालीफाइंग पेपर्स, मेरिट के लिए गिने जाने वाले पेपर, पर्सनैलिटी टेस्ट और वैकल्पिक विषयों की सूची में सिविल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, वाणिज्य और एकाउंटेंसी से केवल एक वैकल्पिक विषय का चयन अभ्यर्थी को करना है। क्वालिफाइंग पेपर्स और वैकल्पिक विषयों का पाठ्यक्रम सिविल सेवा परीक्षा (सीएसई) के समान ही होगा। क्वालिफाइंग और वैकल्पिक विषयों (प्रश्न पत्रों और उत्तर लिखने के लिए) के लिए भाषा माध्यम और स्क्रिप्ट सीएसई (मुख्य) परीक्षा के समान होंगे। विभिन्न श्रेणियों के लिए आयु सीमा और प्रयासों की संख्या सीएसई के समान होगी। न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता भारत में केंद्रीय या राज्य विधानमंडल के एक अधिनियम द्वारा निगमित विश्वविद्यालय या संसद के एक अधिनियम द्वारा स्थापित अन्य शैक्षणिक संस्थानों या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के तहत डीम्ड घोषित विश्वविद्यालय से प्राप्त इंजीनियरिंग डिग्री/ वाणिज्य डिग्री/ चार्टर्ड एकाउंटेंसी आवश्यक है। आईआरएमएसई (150 नंबर) के लिए यूपीएससी से समझौता किया जा रहा है, जिसमें चार वैकल्पिक विषयों में से निम्नलिखित नंबर शामिल होंगे, सिविल (30) मैकेनिकल (30) इलेक्ट्रिकल (60) और वाणिज्य एवं एकाउंटेंसी (30)। यूपीएससी मेरिट के क्रम में चार विषयों से अंतिम रूप से अनुशंसित अभ्यर्थियों की एक सूची तैयार और घोषित करेगा। चूंकि प्रस्तावित परीक्षा योजना में आईआरएमएस (मुख्य) परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों की स्क्रीनिंग के लिए सिविल सेवा (पी) परीक्षा का उपयोग करने की परिकल्पना की गई है, तदनुसार आईआरएमएसई को सीएसई के साथ अधिसूचित की जायेगी। वर्ष 2023 के लिए यूपीएससी की परीक्षा के वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार, सिविल सेवा (पी) परीक्षा - 2023 को क्रमशः 01 फरवरी और 28 मई को अधिसूचित और आयोजित किया जाना निर्धारित है। चूंकि सीएसपी परीक्षा-2023 का उपयोग आईआरएमएस (मुख्य) परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों की स्क्रीनिंग के लिए भी किया जाएगा, इसलिए आईआरएमएस परीक्षा-2023 को उसी कार्यक्रम के अनुसार अधिसूचित किया जाएगा।

अअभोप ने सांसद मल्लाह का किया स्वागत

नगांव (निसं)। करीमगंज के सांसद कृपानाथ मल्लह के कल नगांव पहुंचने पर अखिल असम भोजपुरी परिषद नगांव ने उनका स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि बीते कल सांसद कृपानाथ मल्लह अपने निजी कार्यक्रम में भाग लेने नगांव पहुंचे। उनके नगांव आगमन पर अपने हिंदीभाषी नेता को स्वागत करने के लिए नगांव रेलवे स्टेशन मंदिर में एक स्वागत सभा का आयोजन किया गया, जिसमें भारी संख्या में हिंदीभाषी समुदाय के लोग उपस्थित हुए। भोजपुरी परिषद नगांव जिला कमिटी के अध्यक्ष छोटे लाल गुप्ता और सचिव राम अवतार पासी ने फुलाम गामोछा से सांसद कृपानाथ मल्लह का भव्य स्वागत किया। उपस्थित लोगों ने अपने विचार के माध्यम से हिंदी भाषियों की मूल समस्याओं को सांसद में उठाने के लिए सांसद मल्लह से अपील की। सांसद कृपानाथ मल्लह ने अपने संबोधन में कहा कि हम हिंदी भाषियों को एक मंच पर संगठित होना आवश्यक है। संगठित रहेंगे तो हमारी मांगों पर विचार करने के लिए सरकार भी मजबूर होगी। उन्होंने हिंदी भाषियों के समस्याओं को सांसद में उठाने का आश्वासन दिया। इसके बाद सांसद मल्लह शहर के विभिन्न हिंदीभाषी इलाकों में जाकर हिंदीभाषी समुदाय से मुलाकात कर उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी हासिल की। अपने निजी कार्यक्रम में भाग लेने के बाद सांसद कृपानाथ मल्लह नगांव से गुवाहाटी के लिए रवाना हो गए।

भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने जा रहे कांग्रेस नेता का दिल का दौरा पड़ने से निधन

आगर-मालवा, (हि.स.)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा इन दिनों मध्य प्रदेश में है और यहां यात्रा का ग्या-रहवां दिन है। शनिवार सुबह यात्रा आगरमालवा जिले के ग्राम महुड़िया से शुरू हुई। यात्रा में शामिल होने आ रहे पार्टी के एक नेता मांगीलाल शाह का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। राजगढ़ जिले के समीपस्थ नगर जीरापुर के वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं जीरापुर नगर परिषद के पार्षद प्रतिनिधि मांगीलाल शाह शनिवार सुबह भारत जोड़ो यात्रा यात्रा में शामिल होने के लिए रवाना हुए थे। इसी दौरान उन्हें दिल का दौरा पड़ गया। साथ में मौजूद पार्टी कार्यकताओं द्वारा उन्हें तत्काल सिविल हास्पिटल में उपचार के लिए लाया गया लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। जानकारी मिलने पर पूर्व मंत्री एवं खिलचीपुर विधायक प्रियवत सिंह सिविल हास्पिटल पहुंचे। उन्होंने नेता मांगीलाल शाह के पि-रवार को ढांढस बंधाया। कांग्रेस नेता के निधन की खबर मिलने पर सिविल हास्पिटल में पार्टी कार्यकताओं एवं परिजनों की भीड़ लग गई और बिना पोस्टमार्टम के शव अपने गृह ग्राम ले जाने की मांग करने लगे। बीएमओ डा. मनीष कुरील एवं डा. वैभव भावसार द्वारा मांगीलाल शाह को मृत घोषित करने के बाद उनके पार्थिव शरीर को बिना पोस्टमार्टम किए जीरापुर ले जाने की अनुमति दी। इसके बाद परिजन उनके शव को लेकर गृह ग्राम के लिए रवाना हो गए। इधर, राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को मध्य प्रदेश में जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। शनिवार सुबह यात्रा ने ग्राम सुसनेर विधानसभा क्षेत्र में प्रवेश किया। आमला चौराहे पर मंत्रोच्चार के साथ राहुल गांधी सहित सभी का स्वागत किया गया। यात्रा में आज में कम्प्यूटर बाबा भी शामिल हुए। राहुल गांधी को देखने के लिए सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ लगी रही। यात्रा आगे बढ़ते हुए बजरंग रेस्टोरेंट पहुंची, जहां राजगढ़ टीम के द्वारा यात्रा का स्वागत कर सभी को चाय-नाश्ता कराया गया। इसके बाद यात्रा कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह चौहान के फार्म हाउस पर पहुंची, जहां 6 घंटे का विश्राम होगा। इस-के बाद यात्रा शाम 4 बजे सुसनेर त्रिमूर्ति से प्रारंभ होकर अगले पड़ाव लालाखेड़ी जोड़ पहुंचेगी, जहां पर यात्रा का रात्रि विश्राम होगा। यात्रा में करीब 3 से 4 हजार की संख्या में लोग शामिल हैं।

दिल्ली शराब घोटाला में तेलंगाना के मुख्यमंत्री की बेटी कविता से सीबीआई करेगी पूछताछ

हैदराबाद, (हि.स.)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) दिल्ली शराब घोटाला मामले में तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी के. कविता से पूछताछ करेगी। सीबीआई ने उन्हें 06 दिसंबर को पूछताछ के लिए तलब किया है। कविता तेलंगाना राष्ट्र समिति की विधान परिषद सदस्य भी हैं। ब्यूरो ने कविता को दंड प्रक्रिया संहिता की धारा-160 के तहत नोटिस जारी कर 06 दिसंबर की सुबह 11 बजे पूछताछ के लिए सुविधा के अनुसार उपयुक्त स्थान के बारे में बताने को कहा है। कविता ने नोटिस का जवाब भेज दिया है। उन्होंने कहा कि अधिकारी उनसे उनके हैदराबाद आवास पर मिल सकते हैं। कविता को भेजे नोटिस में सीबीआई ने कहा है- 'जांच के दौरान कुछ तथ्य सामने आए हैं, जिनसे आप वाकिफ हो सकती हैं। इसलिए जांच के हित में ऐसे तथ्यों को लेकर आपसे पूछताछ जरूरी है। उल्लेखनीय है कि घोटाले में कथित रूप से रिश्वत लेने के मामले में दिल्ली की एक अदालत में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दायर रिमांड रिपोर्ट में कविता का नाम आ चुका है। इसके बाद उन्होंने कहा था कि वह किसी भी जांच का सामना करने के लिए तैयार हैं।

राहुल गांधी का ज्ञान 'बाबा-बाबा ब्लैक शिप' तक ही सीमितः नरोत्तम मिश्रा

- संघ और भाजपा को लेकर राहुल के बयान पर मप्र के गृहमंत्री ने किया पलटवार

भोपाल, (हि.स.)। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा को लेकर दिए गए बयान पर मध्य प्रदेश के गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि राहुल बाबा का ज्ञान 'बाबा-बाबा ब्लैक शिप' तक ही सीमित है। राहुल ने गीता के पन्ने कभी पलटे नहीं होंगे और रामायण कभी पढ़ी नहीं होगी, तो वो कैसे जानेंगे कि राम के नाम की शुरूआत 'श्री' से ही होती है। दर-असल, राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान शुक्रवार शाम को आगरमालवा में एक सभा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा पर देश में नफरत फैलाने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि संघ और भाजपा के लोग भगवान राम के जीने के तर-ीके को नहीं अपनाते। वे सियाराम और सीताराम कर ही नहीं सकते, क्योंकि उनके संगठन में एक महिला नहीं है। ये लोग एक तरफ तो खुद को देशभक्त और राष्ट्रवादी बताते हैं और दूसरी तरफ नफरत फैलाते हैं। वह भाई को भाई से लड़वाते हैं। धर्म को धर्म से लड़वाते हैं।

उन्होंने अपने संबोधन में 'जय श्रीराम', 'जय सियाराम' और 'हे राम' के नारों की अपने अंदाज में व्याख्या की थी। उन्होंने यात्रा में मिले एक पंडित जी से संवाद के हवाले से तीनों नारों को समझाते हुए भाजपा और संघ पर निशाना साधा था। राहुल के इस बयान पर डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने शनिवार को प्रेस वार्ता में कहा, मुझे लगता है राहुल बाबा का ज्ञान 'बाबा-बाबा ब्लैक शिप' तक ही सीमित है। राम की शुरूआत श्री से ही होती है और श्री जो है विष्णु भगवान की पत्नी लक्ष्मी और सीता जी के लिए प्रयोग होता है। जरा इतिहास खोलकर तो देखें, हालांकि वो (राहुल) रामायण पढ़ेंगे नहीं। गीता के पन्ने शायद पलटे नहीं होंगे। तो इंटरनेट पर देख लें, उसमें श्री का उल्लेख है। श्रीराम और कृष्ण विष्णु जी के अवतार हैं। "श्री" लक्ष्मी जी के नाम के आगे लगता है और इन नामों के आगे श्री इसीलिए लगाया जाता है। मुझे लगता है कि आपने कल जो बात बोली थी, वह उन्हीं पंडित जी ने आपको बताई होगी, जिन्होंने मंदिर का केक बनाकर कमलनाथ जी से कटवाया था।

संसद भवन के केन्द्रीय कक्ष में डॉ. राजेंद्र प्रसाद को श्रद्धांजलि दी गई श्रद्धांजलि

अजय कुमार

नई दिल्ली। राज्य सभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, संसद सदस्यों, पूर्व सांसदों तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने शनिवार को पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती के अवसर पर संसद भवन के केन्द्रीय कक्ष में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। लोक सभा एवं राज्य सभा के महासचिव क्रमशः उत्पल कुमार सिंह तथा पी.सी. मोदी ने भी डॉ. राजेंद्र प्रसाद को पुष्पांजलि अर्पित की। देश भर से चुने गए युवा प्रतिभागियों ने शिक्षा मंत्रालय तथा युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार के समन्वय से डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को श्रद्धांजलि दी और चयनित प्रतिभागियों ने डॉ. प्रसाद के प्रति सम्मान भाव से अपने विचार व्यक्त किए। इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले विशिष्ट जनों को लोक सभा सचिवालय द्वारा हिंदी एवं अंग्रेजी में प्रकाशित डॉ राजेन्द्र प्रसाद की जीवनवृत्त वाली पुस्तिका भेंट की गई। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के चित्र का अनावरण भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. एस. राधाकृष्णन ने 5 मई 1964 को संसद भवन के केन्द्रीय कक्ष में किया था।

राष्ट्रपति मुर्मू आज विशापत्तनम में नौसेना की युद्धक क्षमता का प्रदर्शन देखेंगी

विशाखापत्तनम, (हि.स.)। नौसेना रविवार को रामकृष्ण बीच पर नौसेना दिवस समारोह में भारत की युद्धक क्षमता का प्रदर्शन करेगी। पहली बार नौसेना दिवस का मुख्य कार्यक्रम राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के बाहर आयोजित किया जा रहा है। इसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगी। वर्ष 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान ऑपरेशन ट्राइडेंट में नौसेना की उपलब्धियों की स्मृति में देश में हर साल 04 दिसंबर को नौसेना दिवस मनाया जाता है। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार इस कार्यक्रम की मेजबानी करेंगे। मुख्य कार्यक्रम में सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति के अलावा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी और अन्य गणमान्य व्यक्ति हिस्सा लेंगे।

कोच्चि हवाईअड्डे पर आपात स्थिति में उतरा स्पाइस जेट का विमान

कोच्चि, (हि.स.) जेद्दाह (सऊदी अरब) से कोझिकोड (केरल) आ रहे स्पाइसजेट के विमान को हाइड्रोलिक प्रणाली में खराबी की सूचना मिलने के बाद कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर आपात स्थिति में उतारा गया। हवाई अड्डे के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया कि विमान में चालक दल के छह सदस्यों और 197 यात्रियों सहित कुल 203 लोग सवार थे। कोझिकोड हवा-ईअड्डे पर उतरने वाली स्पाइसजेट-एसजी 036 उड़ान को कोच्चि की ओर मोड़ने के बाद शुक्रवार शाम 6.29 बजे यहां हवाईअड्डे पर आपात स्थिति की घोषणा की गई। स्पाइस जेट के बी737-8 मैक्स विमान को आपात स्थिति में रात 9:19 बजे रन-वे पर सुरक्षित रूप से उतारा गया।

आज तड़के तीन बजे से चलेंगी डीटीसी बसें, चार बजे से ही मेट्रो

अजय त्यागी

नई दिल्ली। राजधानी में नगर निगम चुनाव में कुछ घंटे बचे हैं। वोटिंग का समय सुबह आठ बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक है, लेकिन पोलिंग बूथों पर ड्यूटी के लिए तैनात सरकारी कर्मचारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दिल्ली परिवहन निगम यानी डीट-ीसी की बस सेवा रविवार तड़के 3 बजे से शुरू हो जाएगी। वहीं मेट्रो का संचालन भी सुबह 4 बजे से सभी रूटों पर शुरू हो जाएगा। चुनाव ड्यूटी में लगाए गए करीब 70 हजार से अधिक कर्मचारी निर्धारित मतदान केंद्र पर पहुंचेंगे, उन्हें असुविधा न हो, इसके लिए डीटीसी की बस एवं मेट्रो सेवा निर्धारित समय से पहले शुरू की जा रही है। हालांकि, चुनाव आयोग ने डीटीसी की कुछ बसें भी हायर की हैं, जो दिन भर इलेक्शन ड्यूटी में रहेंगी। चुनाव ड्यूटी के लिए कर्मचारियों को घरों से निकलकर अपने-अपने ड्यूटी स्थलों तक पहुंचना पड़ेगा। इसे देखते हुए दिल्ली मेट्रो रेल निगम में रविवार को मेट्रो की सभी लाइनों पर सुबह 4 बजे से ही यात्री सेवा शुरू करने का निर्णय लिया गया है। डीएमआरसी के प्रवक्ता अनुज दयाल ने बताया कि रविवार को एयरपोर्ट लाइन समेत सभी मेट्रो लाइनों पर टर्मिनल स्टेशनों से सुबह 4 बजे मेट्रो सेवा शुरू कर दी जाएगी। इस दौरान 4 बजे से लेकर सुबह 6 बजे तक तो 30-30 मिनट की फ्रीक्वेंसी पर मेट्रो चलाई जाएगी लेकिन उसके बाद सामान्य दिनों की तरह मेट्रो सेवाएं जारी रहेंगी। इस बीच डीटीसी ने भी एमसीडी चुनाव की वोटिंग को देखते हुए रविवार को तड़के 3 बजे से ही बस सेवा शुरू करने की घोषणा की है। सामान्य दिनों में डीटीसी की बसें सुबह 5 बजे से चलती हैं। वहीं आमतौर पर र-विवार को डीटीसी की बसें पर्याप्त संख्या में सड़कों पर नहीं उतरती लेकिन चुनाव के मद्देनजर सामान्य दिनों की तरह ही सभी बसें निर्धारित रूटों पर चलेंगी। उल्लेखनीय है कि दिल्ली नगर निगम के 250 सीटों के लिए पूरी दिल्ली में 13 हजार से अधिक मतदान केंद्र बनाए गए हैं। यहां पर सुरक्षा इंतजाम के साथ-साथ ट्रैफिक संबंधी कोई परेशानी ना हो, इसलिए मतदान केंद्र से 100 मीटर दूर ही सभी तरह के वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी। मतदान केंद्र तमाम सरकारी, प्रा-इवेट स्कूलों में बनाए गए हैं जो दिल्ली की रिहायशी व व्यवसायिक इलाकों में स्थित हैं।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने राहुल व दो अन्य कांग्रेस नेताओं को भेजा कोर्ट की अवमानना का नोटिस

बेंगलुरु (ईएमएस)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और दो अन्य कांग्रेस नेताओं को अदालत की अवमानना का नोटिस जारी किया है। हाईकोर्ट ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को कांग्रेस और भारत जोड़ो यात्रा के सोशल मीडिया हैंडल पर अपलोड किए गए वीडियो को हटाने का निर्देश दिया था जो फिल्म केजीएफ चैप्टर - 2 के संगीत में इसके कॉपीराइट का उल्लंघन करता है। कंपनी ने आरोप लगाया है कि प्रतिवादी हा-ईकोर्ट की ओर से उसके 8 नवंबर के आदेश में लगाई गई शर्तों का जानबूझकर उल्लंघन कर रहे हैं। दो अन्य उत्तरदाता कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश और सुप्रिया श्रीनेत हैं। हाईकोर्ट ने 8 नवंबर को कांग्रेस नेताओं को उनके ट्विटर हैंडल से विवादित सामग्री को हटाने के मामले में राहत दी थी जो एमआरटी म्यूजिक के कॉपीराइट का उल्लंघन करती है। निचली अदालत द्वारा ट्विटर को उनकी पार्टी और भारत जोड़ो के ट्विटर खातों को अगली सुनवाई तक ब्लॉक करने के निर्देश के बाद कांग्रेस नेताओं ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। अदालत ने ट्विटर को कांग्रेस पार्टी के मुख्य हैंडल एटआईएनसीइंडिया से पोस्ट किए गए तीन ट्वीट्स को हटाने का भी निर्देश दिया था। अदालत ने बेंगलुरु के कमर्शियल कोर्ट के कंप्यूटर सेक्शन के जिला सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर एसएन वेंकटेश मूर्ति को प्रतिवादियों की वेबसाइट पर जाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक ऑडिट करने और उपरोक्त सोशल मीडिया में उपलब्ध उल्लंघनकारी सामग्रियों को संरक्षित करने तथा सूची तैयार करने के लिए स्थानीय आयुक्त के रूप में नियुक्त किया था। वहीं उन्हें इस अदालत के सिस्टम और अलग सीडी में स्टोर करने की भी जिम्मेदारी दी गयी थी।

चुनाव बाद की स्थिति पर विचार के लिए भाजपा ने हिमाचल प्रदेश के सभी 68 प्रत्याशियों की कल बुलाई बैठक

शिमला (ईएमएस)। हिमाचल प्रदेश में हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनाव के नतीजे 8 दिसंबर को घोषित किए जाएंगे। इससे पहले भाजपा ने रविवार को अपने सभी 68 उम्मीदवारों की एक बैठक बुलाई है। चुनावी जानकारों ने हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए अस्पष्ट बहुमत की भविष्यवाणी की है। धर्मशाला में होने वाली इस बैठक में उम्मीदवारों की संभावनाओं के साथ-साथ चुनाव परिणाम आने के बाद के परिदृश्यों का विश्लेषण करने के अलावा मतदान और डाक मतपत्र के रुझानों की समीक्षा की जाएगी। विधानसभा चुनाव लड़ने वाले पार्टी के 68 उम्मी-दवारों के अलावा मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर भाजपा के राज्य प्रभारी अविनाश राय खन्ना सह-प्रभारी संजय टंडन भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह और राज्य भाजपा अध्यक्ष सुरेश कश्यप भी बैठक में शामिल होंगे। हालांकि चुनावी विश्लेषक राज्य में भाजपा और कांग्रेस के बीच कड़े मुकाबले की भविष्यवाणी कर रहे हैं लेकिन भाजपा नेतृत्व कुछ सीटों के अलावा बागी उम्मीदवारों के इतना प्रभावशाली होने की उम्मीद नहीं कर रहा था। भाजपा के एक नेता ने कहा इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि निर्दलीय कितना अच्छा प्रभाव डालते हैं। आखिरकार मतदाता ऐसी पार्टी के साथ गए जो स्थिरता प्रदान करेगी। भाजपा नेतृत्व ने हिमाचल चुनाव में कांग्रेस से कड़ा मुकाबला मिलने के विश्लेषकों की भविष्यवाणी को खारिज कर दिया है। भाजपा नेता ने कहा हम आगे की तैयारी के लिए और परिणाम के बाद की रणनीतियों के लिए बैठक की योजना बना रहे हैं। हमें त्रिशंकु विधानसभा की उम्मीद नहीं है। इसके बावजूद भाजपा ने दावा किया कि निर्दलीय उम्मी-दवारों के प्रभावशाली रूप में उभरने की संभावना है जो कि एक करीबी मुकाबला दे सकते हैं। लेकिन भगवा पार्टी डाक मतपत्रों के वोट अपने उम्मीदवारों के पक्ष में होने की उम्मीद कर रही है। बैठक में वरिष्ठ नेता भाजपा उम्मी-दवारों से चुनाव में उनके सामने आई चुनौतियों हार और जीत के अंतराल मतदान के रुझान और प्रत्येक सीट के उनके आकलन से संबंधित रिपोर्ट मांग सकते हैं। विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा को भीतरघात का सामना पड़ा था। कुछ नेताओं ने टिकट से वंचित होने के बाद निर्दलीय चुनाव लड़ा। मुख्यमंत्री के गृह जिले मंडी में पार्टी को बागी उम्मीदवारों का सामना करना पड़ा। राज्य में 12 नवंबर को 1 चरण में मतदान संपन्न हुआ था।

पश्चिम बंगाल सरकार ने कोलकाता में हुक्का बार पर लगाई पाबंदी

कोलकाता (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल सरकार ने राजधानी कोलकाता में हुक्का बार पर प्रतिबंध लगा दिया है। स्थानीय प्रश-ासन के मुताबिक यह कदम जनता खासकर युवाओं के स्वास्थ्य हितों को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। प्रशासन के मुताबिक शिकायतें मिल रही थीं कि हुक्के के धुएं में जो केमिकल मिलाया जा रहा है वह सेहत के लिए हानिकारक है। हुक्का के साथ कुछ मादक द्रव्य के इस्तेमाल की भी शिकायतें प्राप्त हो रही थीं जिसके चलते युवाओं में नशे की लत लग रही थी। कोलकाता नगर निगम की ओर से साफ कह दिया गया है कि कोई भी रेस्टोरेंट हुक्का बार नहीं चलाएगा। निर्देश का उल्लंघन करने वाले रेस्टोरेंट और बार का लाइसेंस रद्द हो जाएगा। पुलिस को आदेश का सख्ती से पालन कराने के लिए कहा गया है। कोलकाता के मेयर और टीएमसी नेता फिरहाद हकीम ने कहा कि हमने शहर में हुक्का बार बंद करने का फैसला किया है। बंद जगहों पर हुक्का बार चलाने वाले रेस्त्रां से मैं अनुरोध करता हूं कि वे इसे बंद कर दें। यह सभी रेस्त्रां में बंद रहेगा। कोलकाता नगर निगम ने चेतावनी जारी की है कि वह शहर में ऐसे हुक्का बार चलाने वाले रेस्त्रां के लाइसेंस रद्द कर देगा। हम नए लाइसेंस नहीं देंगे। केएमसी प्रतिबंध लागू करने में पुलिस से मदद मांगेगा।

दिल्ली में बेकाबू हुई स्थिति अगले 6 दिनों तक बेहद खराब श्रेणी में बना रहेगा प्रदूषण का स्तर

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में एयर क्वालिटी लगातार बेहद खराब श्रेणी में बनी हुई है। इन दिनों स्मॉग से सांस के बीमार मरीजों के लिए खतरा बढ़ रहा है। दिल्ली के आसमान में सुबह के वक्त स्मॉग और कोहरे की धुंध देखने को मिली है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक आने वाले दिनों में अब इसमें और इजाफा हो सकता है। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार शनिवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे राष्ट्रीय राजधानी का वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एयर क्वालिटी इंडेक्स 332 दर्ज की गई है। दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके का एक्यूआई 406 आनंद विहार का 404 सोनिया विहार का 399 अलीपुर का एक्यूआई 375 दर्ज किया गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार शहर में शुक्रवार को 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 352 दर्ज किया गया था।

बता दें कि शून्य से 50 के बीच एक्यूआई अच्छा 51 से 100 के बीच संतोषजनक 101 से 200 के बीच मध्यम 201 से 300 के बीच खराब 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच एक्यूआई गंभीर माना जाता है। आईएमडी के पूर्वानुमान के मुताबिक मौसम और हवाएं इस समय देश की राजधानी का साथ नहीं दे रही हैं। अगले 6 दिनों तक प्रदूषण का स्तर बेहद खराब श्रेणी में बना रहेगा। दिल्ली में इन दिनों उत्तर पश्चिमी हवाएं चल रही हैं। ऐसे में अगले कुछ दिन तक दिल्ली की हवा में प्रदूषण बेहद खराब स्तर पर रहेगा। वहीं न्यूनतम तापमान इस समय कम हो रहा है। कोहरा भी बढ़ रहा है इसकी वजह से प्रदूषण को बढ़ने में मदद मिल रही है। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि ठंड बढ़ने के साथ कोहरे और स्मॉग से हालात बिगड़ सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने 'अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस' पर दिव्यांगजनों को किया याद

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस' पर दिव्यांगजनों को याद किया है। गीता जयंती', डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, खुदीराम बोस के जन्मदिन व ध्यान चंद्र के पुण्यतिथि पर याद किया। मुख्यमंत्री ने'अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस' ट्वीट कर कहा कि दिव्यांग बहनों-भाइयों द्वारा सतत अर्जित की जा रही सफलताएं सभी के लिए प्रेरणा हैं। उनकी जीवटता, दृढ़ इच्छाशक्ति और सकारात्मकता अनुकरणीय हैं। आइए, आज इस अवसर पर सभी दिव्यांग जनों का आत्मीयता और सम्मान के साथ सहयोग करने हेतु संकल्पित हों। योगी ने असंख्य युवाओं व खिला-ड़ियों के प्रेरणास्रोत, महान खिलाड़ी, हॉकी के जादूगर, 'पद्म भूषण' मेजर ध्यान चंद की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि उनका जीवन सीख देता है कि अटूट लगन और कठोर परिश्रम के द्वारा सीमित संसाधनों में भी उच्चतम सफलताएं अर्जित की जा सकती हैं। मुख्यमंत्री ने महान स्वाधीनता संग्राम सेनानी, उत्कृष्ट विचारक, सार्वजनिक व व्यक्तिगत जीवन में सदाचार, शुचिता व सादगी की प्रतिमूर्ति, देश के प्रथम राष्ट्रपति, 'भारत रत्न' डॉ. राजेन्द्र प्रसाद व माँ भारती के अमर सपूत, महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, अमर क्रांतिकारी खुदीराम बोस की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी। गीता जयंती' पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश वासियों को बधाई दी उन्होंने कहा कि'श्रीमद्भगवद्गीता' संपूर्ण सृष्टि के लिए अनुपम उपहार है। यह निःस्वार्थ एवं निष्काम भाव से सन्मार्ग का पथिक बनने हेतु प्रेरित

करती है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस आइये, आज हम सब मिलकर दिव्यांग जनों के आत्मसम्मान, सहयोग, सुरक्षा एवं अधिकारों के प्रति सजग होकर उनकी हर संभव सहयोग करने का संकल्प करें। मौर्य ने गीता जयन्ती पर कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के अनमोल वचन आज भी हमारे जीवन में समता, त्याग एवं कर्म का दर्शन देती है। अधिवक्ता दिवस पर मौर्य ने कहा कि अपने ज्ञान, कौशल तथा भाषा शक्ति के आधार पर न्यायालय में अन्याय के विरुद्ध, न्याय और समाज हित के लिए सदैव तत्पर रहकर मां भारती की सेवा करने वाले देश एवं प्रदेश के सभी अधिवक्ताओं एवं न्यायिक कर्मियों को हार्दिक बधाई। "जो बात सिद्धांत में गलत है, वह व्यवहार में भी उचित नहीं है।" संविधान के निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाले महान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं देश के प्रथम राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद की जयंती पर उन्हें नमन। केशव मौर्य ने माँ भारती की स्वतंत्रता के लिए 19 वर्ष की अल्पायु में अपने प्राणों की आहुति देने वाले महान क्रांतिकारी, अमर शहीद खुदीराम बोस की जयंती पर नमन किया। उन्होंने भारत-पाकिस्तान युद्ध (1971) में वीरगति को प्राप्त करने वाले तथा अदम्य साहस व पराक्रम के लिए परमवीर चक्र से सम्मानित लांस नायक अल्बर्ट एक्का के बलिदान दिवस पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी। उपमुख्यमंत्री ने पूरी दुनिया में भारतीय हॉकी का परचम लहराने वाले, करोड़ों हॉकी खिलाड़ियों के प्रेरणा स्रोत तथा अपने अद्भुत प्रदर्शन से भारत को तीन बार ओलंपिक स्वर्ण पदक दिलाने वाले हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद सिंह जी की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि।

योगी सरकार पावन पथ परियोजना में 100 भव्य स्तंभों के निर्माण की तैयारी में

-मंदिरों के पहले भव्य प्रवेश द्वार बनेगा, स्तंभ की ऊंचाई करीब 12 से 15 फीट के बीच, दिसंबर 2023 तक मूर्त रूप देने का लक्ष्य तय

वाराणसी, (हि.स.)। काशीपुराधिपति की नगरी में धार्मिक यात्राओं के विशेष महत्व को देखते हुए प्रदेश की योगी स-रकार पावन पथ परियोजना पर लगभग 24.35 करोड़ रुपये खर्च करने की तैयारी में है। पावन पथ सर्किट में 100 भव्य स्तंभों का निर्माण के साथ मंदिरों के पहले भव्य प्रवेश द्वार बनाया जाएगा। इस खास धार्मिक योजना को दिसंबर 2023 तक मूर्त रूप देने का लक्ष्य तय किया गया है। यूपी प्रोजेक्ट्स कारपोरेशन लिमिटेड, वाराणसी के परियोजना प्रबंधक विनय जैन के अनुसार पावन पथ पर यात्राओं में

शामिल श्रद्धालुओं के सुविधा के लिए यह स्तंभ हर पावन पथ पर मंदिरों की पहचान के रूप में स्थापित होंगे। इसे देखते ही श्रद्धालु मंदिरों की पहचान आसानी से कर सकेंगे। रेड एंड व्हाइट स्टोन से निर्मित स्तंभ की ऊंचाई करीब 12 से 15 फीट के बीच होगी। सभी स्तंभों की स्थापत्य कला वाराणसी के ही मंदिरों से मिलती जुलती है। काशी की द्वादश ज्योतिर्लिंग यात्रा में स्तंभ पर नंदी और शिवलिंग, नवदुर्गा यात्रा में दुर्गा, द्वादश आदित्य ज्योतिर्लिंग में स्तंभों पर सूर्य, विनायक की अलग-अलग यात्रा में स्तंभों पर भगवान गणेश की मूर्ति मिलेगी। यात्रा पथ में लाइट, कूड़ेदान, बैठने के लिए बेंच, पीने का साफ पानी, फ्लोरिंग आदि का काम हो रहा है। परियोजना प्रबंधक विनय जैन ने बताया कि 10 पावन यात्रा परिपथों के बीच पौराणिक महत्व के 120 मंदिर स्थित हैं। बताते चलें कि काशी में अष्ट भैरव यात्रा, नौ गौरी यात्रा, नौ दुर्गा यात्रा, अष्टविनायक यात्रा, अष्ट प्रधान विनायक यात्रा, एकादश विनायक यात्रा, द्वादश ज्योतिर्लिंग यात्रा, काशी विष्णु यात्रा, द्वादश आदित्य यात्रा और काशी चार धाम यात्रा होती है।

मथुरा में सामूहिक दुष्कर्म के बाद लड़की की हत्या, दो आरोपित हिरासत में

- शौच के लिए खेत में गई थी लड़की, उसी वक्त दरिंदों ने घटना को दिया अंजाम

मथुरा, (हि.स.)। जिले के महावन थाना क्षेत्र अंतर्गत एक खेत में श-ुक्रवार रात को शौच के लिए गई एक लड़की से सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई। लड़की ने काफी संघर्ष किया लेकिन वह दरिंदों के चुंगल से बच नहीं सकी। सामूहिक दुष्कर्म एवं हत्या की सूचना पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहित कई थानों की पुलिस फोर्स और विधायक पूरन प्रकाश गांव में पहुंच गए। पुलिस ने दो नामजद हत्यारोपितों को पकड़ लिया है, जबकि उनका एक साथी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस टीम जुटी हुई है। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश पांडे ने वारदात स्थल का मुआयना किया। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। दो आरोपित हिरासत में लिये गए हैं। उन्होंने कहा कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। दोनों युवक भी अनुसूचित जाति के हैं। पुलिस अधीक्षक (देहात) त्रिगुण विसेन ने बताया कि हर पहलू की जांच की जा रही है। युवकों से पूछताछ की जा रही है। किशोरी ने आठवीं कक्षा तक पढ़ाई की थी। इस वर्ष उसने स्कूल

में दाखिला नहीं लिया था। महावन थाना क्षेत्र में अपने भाईयों के साथ रहने वाली 14 वर्षीय किशोरी अपनी 10 वर्षीय बहिन के साथ शुक्रवार रात को खेत में शौच को गई थी, घटनास्थल पर आरोपित योगेंद्र सिंह और देशराज एवं सचिन पहले से मौजूद थे। जैसे ही किशोरी छोटी बहन के साथ पहुंची, दोनों ने उसे पकड़ लिया। करीब दस साल की बहन डर के मारे मौके से भागी और बिलखती हुई घर पहुंची।

स्वजन घटनास्थल पर पहुंचे तो किशोरी का शव पड़ा था और कपड़े अस्त-व्यस्त थे। जिस स्थान पर किशोरी का शव मिला, वहां गेहूं की पौध पूरी तरह टूट चुकी थी। घटनास्थल देखकर ये आशंका जताई जा रही है कि हत्या से पहले उसने आरोपितों से बचने के लिए संघर्ष भी किया था, लेकिन सफल नहीं हो पाई। परिजनों ने योगेंद्र, सचिन और देशराज के खिलाफ नामजद तहर-ीर दी है। गांव में रहने वाले आरोपितों में से योगेंद्र और देशराज को ग्रामीणों ने पकड़ लिया, जबकि सचिन फरार हो गया। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपितों को पकड़ कर थाने ले आई।

बहन के यहां रहता था हत्यारोपित - हाथरस के सासनी इलाके का रहने वाला आरोपित योगेंद्र (22) करीब 5 साल से अपनी बहन के यहां रह रहा था और मजदूरी करता था। योगेंद्र के साथ मौजूद सचिन उसका भांजा है, जबकि देशराज पड़ोस में रहता है। पीड़िता के ताऊ ने बताया कि सभी आरोपित दलित वर्ग के हैं और उनके पड़ोस में ही रहते हैं। पीड़िता के ताऊ ने बताया कि लड़की 8वीं तक पढ़ी थी। दो भाई और चार बहनों में वह सबसे बड़ी थी। वारदात के समय किशोरी की मां घर पर नहीं थी। मां अपने किसी रिश्तेदार की मौत पर शोक जताने के लिए गई थी।

उन्नाव में तीन वाहन दुर्घटनाग्रस्त, तीन की मौत

- हादसे में दो लोग जिंदा जले

उन्नाव, (हि.स.)। जिले के अजगैन थाना क्षेत्र स्थित कानपुर-लखनऊ राजमार्ग पर कोहरे की वजह से तीन वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गए। इस हादसे में एक चालक की मौत हो गई जबकि डंपर सवार वाहन चालक और खलासी जिंदा जल गए। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस दुर्घटना में गहरा शोक व्यक्त किया है। क्षेत्राधिकारी हसनगंज ने जानकारी देते हुए बताया कि अजगैन के चमरौली के पास शनिवार को एक बड़ी दुर्घटना हुई है, जिसमें तीन गाड़ियां क्षतिग्रस्त हुई है। सबसे आगे डीसीएम थी, जिसमें लकड़ी लदी थी। उस वाहन के चालक की हादसे में मौत हो गई है। पीछे की ओर दूसरे वाहन ट्रेलर में मोरंग लदी थी हुई थी, जिसका चालक और सहयोगी खलासी जीवित है। वहीं, सबसे पीछे ओवर स्पीड से आ रही गिट्टी लदे डंपर के चालक और क्लीनर की मृत्यु हो गई और हादसे में दोनों जिंदा जल गए। हादसे के बाद सड़क पर वाहनों का जाम लग गया। सूचना पाकर अजगैन कोतवाली के साथ सर्किल थाने की फोर्स,दमकल कर्मी पहुंचकर आग पर काबू पाया। सीओ ने बताया कि मृतकों की शिनाख्त नहीं हो सकी है। हाईवे से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात सामान्य किया गया। आगे की कार्रवाई स्थानीय पुलिस के द्वारा किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्नाव में हुए सड़क हादसे में जनहानि पर गहरा दुख प्रकट किया है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। साथ ही जिलाधिकारी और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को मौके पर जाकर राहत कार्य को युद्धस्तर पर कराने के निर्देश दिए हैं।

केन्द्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण ने केदार घाट, हनुमान घाट पर पूजा अर्चना की

-गंगा में नौकायन किया,काशी तमिल संगमम में होंगी शामिल

वाराणसी, (हि.स.)। केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण 'काशी तमिल संगमम' में शामिल होने के लिए वाराणसी पहुंच चुकी हैं। केन्द्रीय मंत्री ने शनिवार को केदार घाट, हनुमान घाट पर पूजा अर्चना की और गंगा नदी में नौकायन किया। इसके बाद शहर के तमिल बहुल स्थानों में भ्रमण के साथ श्री विशालाक्षी मंदिर, श्री कुमारस्वामी मठ, काशी नट्टुकोट्टई नागरथर सथिराम, श्री चक्रलिंगेश्वर मठ में भी दर्शन पूजन किया। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण हनुमान घाट स्थित तमिल महाकवि भारतियार (सुब्रह्मण्य भारती) के हनुमानघाट स्थित आवास पर भी पहुंचीं। यहां आवास का अवलोकन करने के बाद उन्होंने उनके वयोवृद्ध भांजे और परिवार के सदस्यों से मुलाकात की। केन्द्रीय मंत्री शाम

को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन करेंगी। केन्द्रीय मंत्री रविवार को काशी हिंदू विश्वविद्यालय में 'आर्किटेक्चर एंड अदर हेरिटेज फॉर्म्स इन आ-ईकेएस' (इंडियन नॉलेज सिस्टम) पर एक सेमिनार में शामिल होंगी। फिर, विश्वविद्यालय में एक अन्य कार्यक्रम में छात्रों के साथ बातचीत करेंगी। इसके बाद वित्त मंत्री बीएचयू में 'काशी तमिल संगमम' के तहत एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी शामिल होंगी। तमिलनाडु के चार लोग जिन्होंने तेनकासी 'जिले के काशी विश्वनाथर मंदिर' की 30 से अधिक वर्षों तक सेवा की, वे भी तीन और चार दिसंबर को वाराणसी में 'काशी-तमिल संगमम' में वित्त मंत्री के साथ जुड़ेंगे। इसके पहले केन्द्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण शुक्रवार देर शाम बरेका गेस्ट हाउस में पहुंचीं। यहां बरेका महाप्रबंधक अंजली गोयल ने फूलों का गुलदस्ता देकर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। बरेका में रात्रि विश्राम के बाद केन्द्रीय मंत्री शहर में शनिवार सुबह दर्शन पूजन के लिए निकलीं।

राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने डॉ. राजेंद्र प्रसाद और वीर अल्बर्ट एक्का को दी श्रद्धांजलि

-महान विभूतियों की वजह से ही देश में हम सभी लोग मान-सम्मान के साथ जी रहे: हेमंत सोरेन

रांची, (हि.स.)। राज्यपाल रमेश बैस एवं मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने शनिवार को देश के प्रथम राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद को उनकी जयंती दिवस के अवसर पर राजेंद्र चौक (डोरंडा) स्थित उनकी प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित की। साथ ही परमवीर चक्र विजेता अमर शहीद वीर अल्बर्ट एक्का की पुण्यतिथि पर महात्मा गांधी मार्ग (अल्बर्ट एक्का चौक) स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आज देश के दो महान व्यक्ति को स्मरण करने का दिन है। आज देश के प्रथम राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती एवं झारखंड के आदिवासी वीर सपूत शहीद अल्बर्ट एक्का का शहादत दिवस है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे महान विभूतियों के वजह से ही इतने बड़े गणतंत्र एवं लोकतांत्रिक देश में हम सभी लोग मान-सम्मान के साथ जी रहे हैं। हमें ऐसे महान विभूतियों पर गर्व है। देश के प्रथम राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती एवं झारखंड की माटी के वीर सपूत, महान योद्धा परमवीर चक्र विजेता शहीद अल्बर्ट एक्का के शहादत दिवस पर मैं उन्हें शत-शत नमन करता हूं।

देश तोड़ने की साजिश रोकने के लिए निकल रही भारत जोड़ो यात्रा : राजेश ठाकुर

रामगढ़, (हि.स.)। देश को तोड़ने की साजिश रची जा रही है। समाज में जिस तरह जहर घोला जा रहा है उससे देश बंटता जा रहा है। स-रकार की गलत नीतियों की वजह से महंगाई भी चरम पर है। उन सभी साजिशों को खत्म करने के लिए भारत जोड़ो यात्रा निकाली जा रही है। यह बात शनिवार को रामगढ़ में कांग्रेस के झारखंड प्रदेश प्रभारी राजेश ठाकुर ने कही। उन्होंने विधायक ममता देवी और सैकड़ों समर्थकों के साथ मिलकर यह यात्रा निकाली। पटेल चौक से शुरू हुई यह यात्रा रामगढ़ शहर से होते हुए सिद्धो कान्हो मैदान में खत्म हुई। राजेश ठाकुर ने कहा कि पूरे देश में राहुल गांधी इस यात्रा को चला रहे हैं। झारखंड में अब तक 13 जिलों में यह यात्रा निकाली जा चुकी है। इस यात्रा का उद्देश्य यह है कि लोग आपसी मनमुटाव खत्म करें और पार्टी की इस यात्रा को सफल बनाएं। इसका दूसरा उद्देश्य यह है कि इस समाज को एकजुट कर देश को मजबूत

बनाना है। जब तक जनता जागृत नहीं होगी तब तक यह संभव नहीं होगा। आज हर विषय पर लोगों को विचार करना होगा। किस तरह से देश में बढ़ती महंगाई और समस्याओं का बढ़ता पहाड़ को रोका जा सकता है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी इन सभी मुद्दों पर सीधे लोगों से जुड़ रहे हैं। लोगों का जनसमर्थन भी उन्हें मिल रहा है। पटेल चौक से शुरू हुई भारत जोड़ो यात्रा जब रामगढ़ शहर के सुभाष चौक पर पहुंची तो पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, विधायक ममता देवी अन्य नेता सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने पहुंचे। जैसे ही नेता वहां पहुंचे तो देखा कि सुभाष चंद्र की प्रतिमा पर धूल का अंबार लगा हुआ है। तत्काल राजेश ठ-ाकुर ने अपनी सफेद पगड़ी उतारी और उस कपड़े से पहले सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर पड़े धूल को झाड़ा। इसके बाद उन्होंने पार्टी कार्यकताओं को फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि इतनी गंदगी में माल्यार्पण करना उचित नहीं है। इस दौरान उन्होंने अपने पार्टी कार्यकताओं को यह भी निर्देश दिया कि तत्काल इस प्रतिमा को साफ किया जाए।

सीआईपी ने दिव्यांग दिवस पर निकाली रैली

रांची, (हि.स.)। रांची के केंद्रीय मनश्चिकित्सा संस्थान (सीआईपी) ने शनिवार को दिव्यांग दिवस के उपलक्ष्य में रैली का आयोजन किया। यह रैली सीआईपी से शुरू हुई और कांके के न्यू मार्केट पर समाप्त हुई। रैली का नेतृत्व सीआईपी के निदेशक वासुदेव दास ने किया। बताया गया कि दिव्यांग व्यक्तियों के अंतरराष्ट्रीय दिवस का वार्षिक पालन संयुक्त राष्ट्र महासभा की ओर से वर्ष 1992 में घोषित किया गया था और हर साल तीन दिसंबर को श्रद्धा और उत्साह के साथ दिव्यांग दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य किसी भी प्रकार के दिव्यांग व्यक्तियों के कारणों जरूरतों और हितों से जुड़े सका-रात्मक और साथ ही तथ्यात्मक समझ को बढ़ाना है। मौके पर सीआईपी के निदेशक ने दिव्यांगता से जुड़ी भ्रांतियों और पूर्वाग्रहों के बारे में बात की और उपस्थित लोगों को दिव्यांगता के बारे में तथ्यों और वास्तविकताओं से अवगत कराया। उन्होंने एक दृढ़ विचार रखा कि आजकल विकलांगता या अक्षमता

के पुराने शब्द जाल नहीं रह गए हैं। उन लोगों के पास भी पर्याप्त कौशल है जो सामान्य लोगों में भी मौजूद नहीं हो सकते हैं। अब उनके नित्य कौशल और क्षमताओं को पहचानने के लिए विशेष रूप से सक्षम नामकरण प्रख्यापित किया गया है। कार्यक्रम में केंद्रीय मनश्चिकित्सा संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी डॉ. अविनाश शर्मा, डॉ दीपाजन भट्टाचार्जी, डॉ. नेहा सईद, डॉ. सुरेंद्र पालीवाल सहित अन्य स्थानीय लोग मौजूद थे।

सवाल से डरकर जेएनयू के खिलाफ रची जाती है साजिश : सीताराम येचुरी

बेगूसराय, (हि.स.)। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के राष्ट्रीय महासचिव सीताराम येचुरी ने कहा है कि जेएनयू को बंद कराने की साजिश के तहत लगातार विभिन्न तरह के दुष्प्रचार किए जा रहे हैं। शनिवार को बेगूसराय में पार्टी के कार्यक्रम में शामिल होने आए सीताराम येचुरी ने कहा कि आजादी देश के संविधान में है। लेकिन आज आजादी का मतलब आतंकी बताया जा रहा है। जेएनयू में आजादी मांगने वाले कन्हैया कुमार सहित उसके कई अन्य साथियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। आज फिर नारा लिखने का विवाद खड़ा किया जा रहा है।

इस तरह के अफवाहों के आधार पर कंट्रोवर्सी खरा किया जा रहा है। वास्तविकता है कि जेएनयू में सभी छात्र और अध्यापक शांतिपूर्वक, संवेदना के साथ मिलजुल कर रहे हैं। जेएनयू जैसी संस्था अपने हिसाब से चलेगा तो वैज्ञानिक ज्ञान नौजवानों को प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक ज्ञान का मतलब है सवाल उठाना और सवाल उठाएंगे तो सत्ता के लिए अड़चन होता है। क्योंकि उठाए गए सवाल का जवाब सत्ता को ही देना होगा। इसलिए ज्ञान के आधार पर जेएनयू के अंदर से उठ रहे आवाज पर साजिश के तहत वाद-विवाद खड़ा कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण शिक्षण संस्थान को बंद करने के लिए दुष्प्रचार किया जाता है। सिर्फ जेएनयू ही नहीं, देश की सभी महत्वपूर्ण शिक्षण संस्थानों के अंदर ऐसा किया जा रहा है। ताकि नौजवान ऐसा हो जो सोचे नहीं, सिर्फ नेता को जो मन में आए वह बोले।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की गलती का खामियाजा भुगत रहा बिहार: रवि किशन

पटना, (हि.स.)। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में कुढ़नी विधानसभा क्षेत्र उपचुनाव के प्रचार के आखिर दिन आज भाजपा स-ांसद रवि किशन पटना पहुंचे। पत्र-ाकारों से बातचीत में उन्होंने कुढ़नी उपचुनाव में भाजपा की जीत पक्की बताई। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जोरदार हमला किया। रवि किशन ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जो गलती की है उसका खामियाजा पूरा बिहार भुगत रहा है। अब जनता समझ चुकी है कि बिहार में किसकी सरकार बननी चाहिए। सांसद ने कहा कि जब नीतीश कुमार एनडीए में थे तब लोग बिना डर के देर रात तक सड़कों पर निकल जाते लेकिन अब नीतीश

कुमार के महागठबंधन में शामिल होते ही बिहार की स्थिति ऐसी हो गई है कि महिलाएं घर से बाहर नहीं निकल पाती हैं। इसके लिए जिम्मेदार केवल मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हैं।

उल्लेखनीय है कि कुढ़नी उपचुनाव के प्रचार का आज आ-खिरी दिन है और आखिरी दिन यहां सांसद रवि किशन के साथ एलजेपी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान भी भाजपा के पक्ष में चुनाव प्रचार करेंगे।

138वीं जयंती पर श्रद्धापूर्वक याद किए गए डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

बेगूसराय, (हि.स.)। भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को उनकी 138वीं जयंती पर शनिवार को श्रद्धापूर्वक याद किया गया। इस मौके पर जिला प्रशासन द्वारा हर-हर महादेव चौक के समीप स्थित प्रतिमा स्थल पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां डीएम रोशन कुशवाहा, एसपी योगेन्द्र कुमार, विधान पार्षद सर्वेश कुमार सहित विभिन्न प्रशासनिक पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, समाजिक कार्यकताओं और बु-द्धिजीवियों ने आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके योगदान को याद किया। इस अवसर पर डीएम रोशन कुशवाहा एवं एसपी योगेन्द्र कुमार ने कहा कि भारत को

आजादी दिलाने तथा देश के निर्माण में उनका योगदान अतुलनीय है। आजादी के बाद के दस वर्षों में देश के नवनिर्माण में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने जो योगदान दिया, वह अत्यंत ही महत्वपूर्ण है। उनके बताए हुए मार्ग पर चलते हुए देश और राज्य को आगे बढ़ाना चाहिए। संविधान निर्माण में उनके योगदान को कभी भुला नहीं जा सकता है। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के सिद्धांत और उसके मूल से सीख लेते हुए सभी लोगों को उनके बताए मार्ग पर चलना चाहिए। हर-हर महादेव चौक के बाद सदर अस्पताल में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां कि डीएम एवं एसपी के अलावा सिविल सर्जन डॉ. प्रमोद कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इसके अलावा भी विभिन्न संगठनों द्वारा जयंती समा-रोह आयोजित किए गए।

संपादकीय

विश्व को भारत से अपेक्षा

विश्व के प्रमुख देशों के संगठन जी-20 की अध्यक्षता कर रहे भारत से से बहुत अपेक्षाएं हैं। यह अपेक्षाएं ऐसे ही नहीं हैं, बल्कि पिछले कुछ वर्षों में भारत ने वैश्विक पटल पर अपने सामर्थ्य एवं अपनी सार्थक भूमिका का परिचय दिया है। कोरोना महामारी से लेकर रूस-यूक्रेन युद्ध तक दुनिया के प्रमुख देशों ने भारत की ओर आशा भरी नजरों से देखा है। कुल मिलाकर कहना यही है कि वैश्विक मंच पर भारत का सामर्थ्य लगातार बढ़ रहा है। जी-20 की अध्यक्षता के वैश्विक स्तर पर भारत की भूमिका और अधिक प्रभावी हो गई है। भारत न केवल विकासशील और गरीब देशों की आवाज वैश्विक पटल पर उठाता है बल्कि सभी देशों के बीच आपसी संबंधों में मुधरता बढ़ाने और सह-अस्तित्व एवं सुख-शांति से रहने का वातावरण बनाने का आग्रह करता है। जी-20 की अपनी अध्यक्षता शुरू करने से पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह साफ कर दिया कि भारत इस दौरान दुनिया में एकता की सार्वभौमिक भावना को बढ़ावा देगा। उन्होंने फिर से कहा कि यह युद्ध का युग नहीं है। भारत गुरुवार से अगले साल नवंबर तक के लिए जी-20 का अध्यक्ष बना है। इससे पूर्व प्रधानमंत्री मोदी कह चुके हैं कि भारत अपनी जी-20 प्राथमिकताओं को दुनिया के दक्षिणी हिस्से के उन साथी देशों के भी परामर्श से निर्धारित करेगा, जिनकी बातें अक्सर अनसुनी कर दी जाती हैं। भारत की हैसियत इसलिए भी बढ़ी है कि उसने महाशक्तियों की राजनीति से खुद को बचाते हुए हमेशा आर्थिक और मानवीय विकास पर ध्यान केंद्रित करके रखा है। आज जब दुनिया के कई देश मंदी से घिरे हैं, तब भारत इस वित्त वर्ष में लगभग सात प्रतिशत वृद्धि दर हासिल करने जा रहा है। जलवायु परिवर्तन से लड़ाई में भारत वैश्विक नेता के तौर पर दिखाई दे रहा है। लेकिन उसने जी-20 की अध्यक्षता ऐसे वक्त में संभाली है, जब दुनिया जबरदस्त संकट से गुजर रही है। जी-20 के 19 सदस्य देशों में से तीन में मुद्रास्फीति की दर 10 प्रतिशत से अधिक है तो 7 में यह 7.5 से 10 प्रतिशत के बीच है। रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते ऊर्जा और भोज्य शृंखला की हालत भी इस समय बेहद खराब हो चुकी है। इसीलिए प्रधानमंत्री मोदी यूक्रेन युद्ध को रोकने के लिए बातचीत की अपील कर चुके हैं। बाली में हुई जी-20 की पिछली बैठक में चीन को भी आखिरकार यही बात कहनी पड़ी, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने शंघाई को-ऑपरेशन समिट से ही कहना शुरू कर दिया था और जिसे वल्दाई फोरम में रूस ने समझा था। बाली समिट में भारत की कोशिशों से ही साझा बयान जारी हो पाया। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत के पास वैश्विक अजेंडा तय करने का मौका है और सरकार की योजना भी ऐसी ही लग रही है। भारत पहले ही दुनिया की पांचवीं बड़ी आर्थिक ताकत बन चुका है और इस दशक के खत्म होने से पहले चीन, अमेरिका के बाद तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था होगा। इसलिए इसमें जरा भी संदेह नहीं है कि भारत की बात दुनिया ध्यान से सुनेगी। अपनी स्वतंत्र विदेश नीति की वजह से उसकी साख दशकों से बनी हुई है और इधर वह और मजबूत हुई है। भारत ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि जी-20 की अध्यक्षता के दौरान उसकी प्राथमिकता क्या होगी। प्रधानमंत्री मोदी समग्र मानवता के कल्याण के लिए कोशिश करने की इच्छा जता चुके हैं। सबका कल्याण हो और सबओर सद्भावना हो, यही भारत की संस्कृति का विचार है। विश्व के प्रमुख देशों के संगठन जी-20 की अध्यक्षता कर रहे भारत से से बहुत अपेक्षाएं हैं।

> जी-20 की अध्यक्षता के वैश्विक स्तर पर भारत की भूमिका और अधिक प्रभावी हो गई है। भारत न केवल विकासशील और गरीब देशों की आवाज वैश्विक पटल पर उठाता है बल्कि सभी देशों के बीच आपसी संबंधों में मुधरता बढ़ाने और सह-अस्तित्व एवं सुख-शांति से रहने का वातावरण बनाने का आग्रह करता है। जी-20 की अपनी अध्यक्षता शुरू करने से पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह साफ कर दिया कि भारत इस दौरान दुनिया में एकता की सार्वभौमिक भावना को बढ़ावा देगा।

अमृत कलश

मन में है अपार शक्ति

रोग, गरीबी, दुख, बुरी आदतों और गलत इच्छाओं के शत्रुओं से घिरे इस जीवन का पालन करने के लिए इतने अधिक नियम हैं कि जब आप इन सबको एक साथ मन में रखने का प्रयास करते हैं तो जीवन असहनीय बन जाता है। जब आप स्वास्थ्य के नियमों का पालन करने का प्रयास करते हैं, तो आप लगभग परेशान हो जाते हैं और कुछ सोचने का समय ही नहीं रहता। प्रत्येक व्यक्ति के पास आपके स्वास्थ्य के लिए भिन्न भिन्न निर्देश होते हैं। हम एक बड़े सम्मोहन में हैं। जब मैंने विविध विधियों का प्रयोग किया तो मुझमें इस सत्य का उदय हुआ कि सिर्फ एक मन है, जो उन सब की प्रभाविता को नियंत्रित करता है। ईश्वर ने हमें सुरक्षा का एक अद्भुत उपकरण दिया है, जो तोप, विद्युत अथवा किसी भी औषधि से अधिक शक्तिशाली है। वह है मन। इस मन को ही शक्तिशाली बनाए रखना चाहिए। जहां तक शरीर का प्रश्न है, इस संदर्भ में मैं केवल ईश्वर की इच्छा मानूंगा। यदि वे मुझे चिकित्सक के पास जाने के लिए कहें तो यह भी ठीक है और यदि वे मुझे कष्ट भोगने के लिए कहें तो वह भी ठीक है। जो भी उनकी इच्छा है, वही मेरी इच्छा है। जीवन के बड़े कार्य का एक महत्वपूर्ण भाग है मन को नियंत्रित रखना और नियंत्रित मन को निरंतर ईश्वर के संपर्क में रखना। एक सुखी, सफल जीवन का यही रहस्य है। चाहे आप आरोग्य की भौतिक विधियों को अपनाते हों, परंतु अपना पूर्णविश्वास उन विधियों पर ही न रखें, बल्कि उनके पीछे ईश्वर की शक्ति पर भी रखें। यदि आपकी अंगुली कट गई है तो उस पर मलहम लगाइए, परंतु अंतर में प्रार्थना कीजिए - प्रभु, औषधि पर निर्भर न रहने में बल्कि केवल मन की शक्ति पर भरोसा करने में मेरी सहायता करें। आपको मन की उस अवस्था को प्राप्त करना नहीं सिखाया गया है। यह मन की शक्ति का उपयोग करने और ध्यान के द्वारा मन का ईश्वर के साथ संपर्क करने से आता है। इस प्रकार, पदार्थों और भौतिक उपचारों को नकारने का प्रयास करने से पहले आपको मन पर पूर्ण नियंत्रण कर लेना चाहिए। तब तक शरीर की सहायता के लिए सामान्य बुद्धि का उपयोग करना ही उचित है। जब आप विष पीकर उससे अप्रभावित रह सकते हैं, तब आप भौतिक पदार्थों को उचित रूप से नकार सकते हैं और कह सकते हैं कि मन ही सब कुछ है। पहले आपको चेतना के उस स्तर तक पहुंचना चाहिए।

-श्री श्री परमहंस योगानंद

बोध कथा

व्यर्थ वस्तु

एक ऋषि के पास एक युवक ज्ञान के लिये पहुंचा। ज्ञान प्राप्ति के बाद शिष्य ने गुरु दक्षिणा देनी चाही। गुरु ने दक्षिणा के रुप में वह चीज मांगी, जो बिलकुल व्यर्थ हो। शिष्य व्यर्थ चीज की खोज में निकल पड़ा। उसने मिट्टी की ओर हाथ बढ़ाया तो मिट्टी बोल पड़ी, "तुम मुझे व्यर्थ समझ रहे हो ? क्या तुम्हें पता नहीं है कि इस दुनिया का सारा वैभव मेरे ही गर्भ से प्रकट होता है ? ये विविध वनस्पतियां ये रूप, रस और गंध सब कहां से आते हैं ?" शिष्य आगे बढ़ गया। युवक आगे बढ़ा तो उसे सड़ी गली पत्तियों का ढेर दिखाई दिया। उसने उसकी ओर हाथ बढ़ाया तो उसमें से आवाज आई, "क्या मुझसे बेहतर खाद धरती पर मिलेगी ? सारी फसलें मुझसे ही पोषण पाती हैं, फिर मैं व्यर्थ कैसे हो सकती हूँ ?" शिष्य फिर आगे बढ़ गया। थोड़ी दूर पर उसे एक पत्थर मिला I शिष्य ने सोचा, इसे ही ले चलूं। लेकिन जैसे ही उसे लेने के लिये हाथ बढ़ाया, तो पत्थर से आवाज आई, तुम इतने ज्ञानी होकर भी मुझे बेकार मान रहे हो। तुम अपने भवन और अट्टलिकाएं किससे बनाते हो ? तुम्हारे मंदिरों में किसे गढ़ कर देव प्रतिमाएं स्थापित की जाती हैं ? मेरे इतने उपयोग के बाद भी तुम मुझे व्यर्थ मान रहे हो। यह सुनकर शिष्य ने फिर अपना हाथ खींच लिया। वह सोचने लगा, जब मिट्टी, सड़ी गली पत्तियाँ और पत्थर इतने उपयोगी है तो आखिर व्यर्थ क्या हो सकता है ? उसके मन से आवाज आई कि सृष्टि का हर पदार्थ अपने आप में उपयोगी है । वस्तुतः व्यर्थ और तुच्छ वह है, जो दूसरों को व्यर्थ और तुच्छ समझता है। व्यक्ति के भीतर का अहंकार ही एक ऐसा तत्व है, जिसके उपयोग से वह मनुष्य स्वयं ही व्यर्थ और तुच्छ हो जाता है। वह गुरु के पास लौट गया और उनके पैरों में गिर पड़ा और बोला कि वह गुरु दक्षिणा में अपना अहंकार देने आया है। यह सुनकर ऋषि बोले ''ठीक समझे वत्स ! अहंकार के विसर्जन से ही विद्या सार्थक और फलवती होती है।"

न्याय की तुला में सबकी समानता की बात को उजागर किया

एक समुदाय को धार्मिक कानून से कई ऐसे अधिकार मिले हैं जो मानवता के विपरीत हैं

ललित गर्ग

> संविधान के संस्थापकों ने राज्य के नीति निदेशक तत्त्व के माध्यम से इसको लागू करने की ज़म्मिेदारी बाद की सरकारों को हस्तांतरित कर दी थी। लेकिन पूर्व की सरकारों ने वोट बैंक के चलते समान नागरिक संहिता को लागू नहीं होने दिया, अब भारतीय जनता पार्टी एवं नरेन्द्र मोदी सरकार इस बड़ी विसंगति को दूर करने के लिये तत्पर हुई है, जिसके लागू होने से देश सशक्त होगा। विडम्बना है कि मुस्लिम समुदाय को उनके शरीयत कानून से अनेक ऐसे अधिकार मिले हुए हैं, जो मानवता के विपरीत हैं और मानव मूल्यों एवं भारत के संविधान का हनन है।

आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे भारत देश के सभी धर्मों के नागरिकों के लिये एक समान धर्मनिरपेक्ष कानून होना चाहिये। संविधान के संस्थापकों ने राज्य के नीति निदेशक तत्त्व के माध्यम से इसको लागू करने की ज़म्मिेदारी बाद की सरकारों को हस्तांतरित कर दी थी। लेकिन पूर्व की सरकारों ने वोट बैंक के चलते समान नागरिक संहिता को लागू नहीं होने दिया, अब भारतीय जनता पार्टी एवं नरेन्द्र मोदी सरकार इस बड़ी विसंगति को दूर करने के लिये तत्पर हुई है, जिसके लागू होने से देश सशक्त होगा। विडम्बना है कि मुस्लिम समुदाय को उनके शरीयत कानून से अनेक ऐसे अधिकार मिले हुए हैं, जो मानवता के विपरीत हैं और मानव मूल्यों एवं भारत के संविधान का हनन है। यह कानून एक मुस्लिम पुरुष को अपनी मौजूदा पत्नियों की सहमति के बिना चार विवाह करने की अनुमति देता है, वहीं बाल-विवाह एवं यौन शोषण को जायज मानता है। जबकि देश में बाल विवाह कानूनन अपराध है। केरल हाईकोर्ट ने एक उदाहरण प्रस्तुत करते हुए समान कानून संहिता को लागू किया है। लड़की की शादी 18 साल की उम्र और लड़के की शादी 21 साल के बाद ही की जा सकती है। यदि इस उम्र सीमा से नीचे के लड़के या लड़की की शादी की जाती है, तो शादी अवैध घोषित मानी जाती है। इतना ही नहीं बाल विवाह कराने वालों को जेल भी हो सकती है। इसी तरह यौन शोषण का मामला है। बाल विवाह एवं यौन शोषण दोनों ही अपराध है। जाहिर है कि बच्चे चाहे जिस भी धर्म के हों, उनके खिलाफ होने वाले अपराधों को समान नजर से देखना और बरतना एक स्वाभाविक कानूनी प्रक्रिया है। नाबालिग बच्चों को उनके खिलाफ यौन अपराधों और शोषण से सुरक्षा देने के लिए पाक्सो कानून बनाया गया। लेकिन भारत में मुस्लिमों के लिए शरीयत कानून को भी मान्यता मिली हुई है जिसके कारण बच्चों पर हो रहे अपराधों पर दोयम दर्जा अपनाया जाता है, इसको लेकर कई बार सामुदायिक परंपराओं के लिहाज से भी इस प्रावधान की प्रासंगिकता को कसौटी पर रखने की कोशिश की जाती है। केरल उच्च न्यायालय ने एक मामले की सुनवाई के बाद इसी द्वंद्व एवं दोहरे नजरिये पर स्पष्ट राय दी है, जिसमें किसी धर्म के तहत बनाए गए अलग नियम के मुकाबले पाक्सो कानून को न्याय का आधार बनाया गया है। यह एक अनूठी पहल है जिसमें पाक्सो कानून को धर्म नहीं, इंसान को एक ही नजर से देखने का उपक्रम है। यही इंसाफ का तकाजा है और उसकी बुनियाद है। केरल हाईकोर्ट ने स्पष्ट कहा कि मुस्लिम कानून के तहत नाबालिगों की शादी पॉक्सो एक्ट से बाहर नहीं हो सकती है। यदि दूल्हा या दुल्हन नाबालिग है और मुस्लिम कानून के तहत उनकी शादी भले ही वैध हो, लेकिन पॉक्सो एक्ट उन पर भी लागू होगा। निश्चित ही मुस्लिम धर्म की मान्यता का हवाला देते हुए अब तक हो रहे बाल विवाह एवं बच्चों के यौन शोषण पर नियंत्रण स्थापित करने की दृष्टि से एक समानता एवं अपराध मुक्ति का परिवेश निर्मित होगा। यानी आज आवश्यकता इस बात की है कि मुस्लिम समुदाय में बाल-विवाह एवं वैवाहिक संबंध को पुनः परिभाषित किया जाए और अधिकारों और कर्तव्यों का पारदर्शी तरीके से परिमार्जन, परिवर्तन एवं संशोधित किया जाए। मुस्लिम समाज में तलाक, बहु-विवाह, बाल विवाह की पूर्ण उन्मुक्ति अन्य समुदायों के पतियों को इस्लाम में परिवर्तित करके अपनी पत्नियों को छोड़ने, अनेक पत्नियां रखने, बाल-यौन-शोषण और उनकी जुड़ी कानूनी कार्यवाही से बचने में सक्षम बनाती है। मूल्यहीनता के जिस भंवर में मुस्लिम समाज धंसता जा रहा है उसे समय रहते उससे निकाला जाए, क्योंकि इससे प्रभुत्व, प्रभाव, धार्मिक आग्रहों और वर्चस्व की लड़ाई में कुंठित मानसिकता ही हावी होती है। भले ही अब बच्चों के खिलाफ होने वाले यौन अपराधों और शोषण के संदर्भ में पाक्सो कानून और किसी धर्म के विशेष नियमों के बीच की स्थिति को लेकर नई बहस खड़ी हो, कानून की समानता को लागू किया ही जाना चाहिए। केरल उच्च न्यायालय ने एक साहसिक कदम उठाते हुए न्याय की तुला में सबकी समानता की बात को उजागर किया है। कोर्ट ने बाल विवाह को मानवाधिकारों का भी उल्लंघन बताया। क्योंकि बाल विवाह के कारण बच्चा सही से विकसित नहीं हो पाता है। यह सभ्य समाज के लिए एक बुराई है। मुस्लिम कानून के जरिये बाल-अपराध को खुली छूट का फायदा यह समुदाय उठाता रहा है। लेकिन पॉक्सो एक्ट को परिभाषित करते हुए कोर्ट ने कहा कि ये कानून शादी की आड़ में बच्चों के साथ शारीरिक संबंध बनाने से रोकता है। जैसा कि अक्सर कहा जाता है, एक कानून लोगों की इच्छा की अभिव्यक्ति या प्रतिबिंब है। आजकल केरल न्यायालय के फैसले के साथ-साथ श्रद्धा हत्याकांड के विविध पक्षों पर बहस हो रही है और कहीं 'लव जिहाद' और 'घर वापसी' जैसे मुद्दों पर दंगल चल रहा है। नया भारत निर्मित करने की बात हो रही है, ऐसे में एक धर्म-विशेष के अलग कानून होने की स्थितियों पर पुनर्विचार अपेक्षित है। क्यों मुस्लिम कानून के हिसाब से नाबालिग की शादी वैध मानी जाये ? भले ही इस सवाल को केरल हाईकोर्ट ने पूरी तरह से स्पष्ट करते हुए कहा कि पॉक्सो एक्ट एक विशेष कानून है, यह विशेष रूप से बच्चों को यौन अपराधों से सुरक्षा देने के लिए बनाया गया है। एक बच्चे के खिलाफ हर प्रकार के यौन शोषण को अपराध माना जाता है। नाबालिग विवाह को भी इससे बाहर नहीं रखा गया है। पॉक्सो एक्ट को बाल शोषण से संबंधित न्यायशास्त्र से उत्पन्न सिद्धांतों के आधार पर बनाया गया है। ये कानून कमजोर, भोले-भाले और मासूम बच्चों की रक्षा करने के लिए बनाया गया है। इस कानून के तहत बच्चों की यौन अपराधों से रक्षा की जाती है। इसमें नाबालिग विवाह को यौन शोषण के रूप में ही स्पष्ट किया गया है। यह उजला सच है कि पाक्सो कानून के प्रभावी होने के बावजूद हिन्दू हो या मुसलमान एवं अन्य धर्मों को मानने वाले समुदायों में बाल विवाह के मामले अक्सर सामने आते रहते हैं। हिन्दुओं में अक्षय तृतीया के मौके पर होने वाले बाल विवाह आज भी प्रशासन के लिए चुनौती बने रहते हैं। इसलिए सभी पक्षों को इस मसले पर सोच-समझ कर एक ठोस निष्कर्ष तक पहुंचने की जरूरत है, जिसमें नाबालिगों को हर स्तर के अपराध से सुरक्षित किया जा सके। बाल-विवाह एवं उनका यौन शोषण पर लगाम और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना आज हर तरह से आवश्यक है। भारत समाज में बच्चों के खिलाफ हो रहे अत्याचार एवं हिंसा के लिये न जाने कितने लोग जिम्मेदार हैं। समय रहते जागना, जगे रहना और दूसरों को जगाने का सिलसिला बन जाना चाहिए। किसी भी धर्म के हों, यदि हम बच्चों के साथ खड़े नहीं होंगे, तो दरअसल अपने हिस्से की संवेदनाओं, जिम्मेदारियों एवं कर्तव्यों को घटा देंगे, अपने मासूम बच्चों को कमजोर कर देंगे। घरों में कैद बच्चियां जो परिवार, समाज रचेंगी, वह भी कमजोर ही होगा।

देश को कमजोर कर रहे सीमा विवाद

> अमस और मजिोमर के बीच सीमा विवाद ब्रिटिश राज के मसय से करीब 100 साल से चल रहा है।अमस और मजिोमर के बीच 164 .6 किलोमीटर की अंतर-राज्य सीमा है जिमसें अमस के तीन जिले कछार, हैलाकांडी और करीमगंज, मजिोमर के कोलासिब, ममति और आइजोल जिलों के साथ सीमा साझा करते हैं। ब्रिटिश राज के मसय से मजिोमर को अमस के लुशाई हिल्स के रूप में जाना जाता था।मजिोमर विद्रोह के वर्षों के बाद 1987 में ही एक राज्य बन गया था, लेकिन अभी भी राज्य ब्रिटिश काल में 1875 में तय की गई सीमा को अपना म ानता है। इन दोनों राज्यों के अलावा अमस-मजिोमर, हरियाणा-मिहाचल प्रदेश, लद्दाख-मिहाचल प्रदेश, म हाराष्ट्र-कर्नाटक, अमस-अरुणाचल प्रदेश और अमस-नागालैंड के बीच सीमा विवाद है। यहां सीमाओं के सीमांकन और क्षेत्रों के दावों के बीच विवाद है। इमनें महाराष्ट्र और कर्नाटक में सीमा के दावों को लेकर मजकर राजनीति हो रही है।

असम मेघालय सीमा पर बीते दिनों हिंसा भडक़ने से कई लोगों की मौत हुई और कई घायल हो गए। घटना में मेघालय के पांच और असम के एक वन रक्षक सहित कुल छह लोगों की मौत हो गई। हालांकि यह हिंसा लकड़ी की तस्करी को लेकर हुई लेकिन इन राज्यों में सीमा विवाद को लेकर भी हिंसा होना आम बात है। पूर्वोत्तर सहित देश के कई राज्यों में सीमा विवाद चल रहा है, किन्तु भौगोलिक सीमा और क्षेत्रों की दावेदारी को लेकर जितना खूनी संघर्ष पूर्वोत्तर के राज्यों में हुआ है, उतना कहीं नहीं हुआ। राज्य विवादित क्षेत्र के निपटारे के लिए कानूनी या लोकतांत्रिक तरीका अपनाने के बजाय दुश्मनों की तरह जंग छेड़े हुए हैं। इससे यही प्रतीत होता है कि ये अखंड भारत का नहीं बल्कि किसी पड़ौसी मुल्क का हिस्सा हैं। ऐसी स्थिति में जब देश चीन और पाकिस्तान जैसे दुश्मन देशों की चुनौतियों से जूझ रहा है, राज्यों द्वारा राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य के बजाय निहित स्वार्थों के वशीभूत होकर की गई कार्रवाई से एकता और अखंडता को लेकर गलत संदेश जा रहा है। विशेषकर चीन पहले ही अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा जता कर विवाद खड़ा कर चुका है। देश में करीब दस राज्य ऐसे हैं, जिनमें सीमा को लेकर विवाद जारी है। इनमें पूर्वोत्तर राज्यों में सर्वाधिक फसाद है। राज्यों के विवादों को उकसाने से स्थानीय लोग हिंसा पर उतारू हो जाते हैं। आश्चर्य की बात यह है कि जिन क्षेत्रों की दावेदारी को लेकर विवाद या हिंसक कार्रवाई हो रही है, उनका कोई विशेष वाणिज्यिक या दूसरा महत्वपूर्ण उपयोग नहीं है, जिससे राज्यों को किसी तरह का भारी नुकसान हो रहा हो। इसके बावजूद राज्यों की सरकारें क्षेत्रवाद के नाम पर उकसावे भरी कार्रवाई से लोगों को हिंसा की तरफ धकेल रही हैं। मेघालय से पहले अक्टूबर के पहले सप्ताह में असम का मिजोरम से विवाद हो गया था। इस विवाद की जड़ झोंपड़ी रही। असम पुलिस ने दो अक्टूबर को झोफई इलाके में दो झोंपडियां बनाई। जिस स्थान पर झोंपडियां बनाई गईं वह मिजोरम के पहले मुख्यमंत्री सी छुंगा के धान के खेत के बिल्कुल सामने मौजूद थी। हालांकि असम पुलिस ने झोंपडियां हटा लीं। दरअसल जिस इलाके में असम पुलिस ने झोंपडियां बनाई वह विवादित क्षेत्र है। इस विवादित क्षेत्र पर दोनों राज्य सरकारों ने अच्छी स्थिति बनाए रखने पर सहमति जताई थी। गौरतलब है कि मार्च 2018 में इसी इलाके में झड़प हुई थी जब मिजोरम पुलिस के पदाधिकारियों ने वहां लकड़ी का एक मकान बनाने की कोशिश की थी। जिसमें हुई झड़प में 60 से अधिक लोग घायल हो गए थे। इस साल सितंबर में दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने सीमा मुद्दे को लेकर मुलाकात भी की थी और मंत्री स्तरीय बात जारी रखने पर सहमति जताई थी। सीमा विवाद को लेकर असम और मेघालय के मुख्यमंत्रियों की कई दौर की बैठकों के बावजूद कोई हल नहीं निकल पाया। सीमा विवाद को लेकर पूर्वोत्तर राज्यों का इतिहास रक्तरंजित रहा है। साल 2021 में एक दंपत्ति कछार (असम) जिले के रास्ते मिजोरम आ रहे थे। जिस समय वह लौट रहे थे तो उनकी गाड़ी में तोडफोड़ हुई। बवाल इतना बढ़ गया कि नौबत फायरिंग तक जा पहुंची। इससे पहले साल 2020 में अक्टूबर में भी दो बार असम और मिजोरम की सीमा पर आगजनी और हिंसा हुई थी। 9 अक्टूबर 2020 को मिजोरम के दो लोगों को आग लगा दी गई थी। इसी के साथ कई झोंपडियों और सुपारी के पौधों को भी आग के हवाले कर दिया गया था। वहीं कुछ दिन बाद ही कछार (असम) के लोगों ने मिजोरम पुलिस पर हमला कर दिया। पुलिस और आम लोगों पर पत्थरबाजी हुई। असम और मिजोरम के बीच सीमा विवाद ब्रिटिश राज के समय से करीब 100 साल से चल रहा है। असम और मिजोरम के बीच 164.6 किलोमीटर की अंतर-राज्य सीमा है जिसमें असम के तीन जिले कछार, हैलाकांडी और करीमगंज, मिजोरम के कोलासिब, ममित और आइजोल जिलों के साथ सीमा साझा करते हैं। ब्रिटिश राज के समय से मिजोरम को असम के लुशाई हिल्स के रूप में जाना जाता था। मिजोरम विद्रोह के वर्षों के बाद 1987 में ही एक राज्य बन गया था, लेकिन अभी भी राज्य ब्रिटिश काल में 1875 में तय की गई सीमा को अपना मानता है। इन दोनों राज्यों के अलावा असम-मिजोरम, हरियाणा-हिमाचल प्रदेश, लद्दाख-हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र-कर्नाटक, असम-अरुणाचल प्रदेश और असम-नागालैंड के बीच सीमा विवाद है। यहां सीमाओं के सीमांकन और क्षेत्रों के दावों के बीच विवाद है। इनमें महाराष्ट्र और कर्नाटक में सीमा के दावों को लेकर जमकर राजनीति हो रही है। दोनों राज्यों की सरकारें सिर्फ क्षेत्रीय लोगों की भावनाओं को उकसाने में जुटी हैं। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने महाराष्ट्र के 40 गांवों पर अपना दावा किया है। इसका जवाब देते हुए महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि महाराष्ट्र का कोई भी गांव कहीं नहीं जाएगा। वैसे भी सीमा विवादों का निपटारा राज्यों के स्तर पर करना आसान नहीं हैं। किन्तु ऐसे संवेदनशील मुद्दों को उछाल कर राजनीतिक निहित स्वार्थों को पूरा करना राजनीतिक दलों का एजेंडा रहा है। राज्यों में विवाद चाहे सीमा संबंधी हो, नदियों के पानी के बटवारे को लेकर या किसी दूसरी तरह का हो, इनका निराकरण सर्वमान्य कानूनी तरीके से ही किया जाना चाहिए। ऐसे विवादों पर सहमति तभी बनेगी जब राजनीतिक चश्मे के बजाय इन्हें देशहित के नजरिए से देखा जाएगा। ऐसे मामलों में केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट पहल करके महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। विवादों को सिर्फ राज्यों के भरोसे छोड़ जाने से हिंसक घटनाओं की पुनरावृत्ति होती रहेगी। इससे भारत की कमजोरी जाहिर होने के साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छवि प्रभावित होगी। इस समय चीन और पाकिस्तान हमारे ऐसे पड़ोसी देश हैं जो भारत से शत्रुता रखते हैं और चाहते हैं कि किसी न किसी तरह भारत कमजोर हो जाए। भारत के राज्यों में छिड़ी आपसी लड़ाई से गलत संदेश जाएगा और शत्रु देश तालियां बजाने लगेंगे। भारत के सभी राज्यों को इस समय एकता प्रदर्शित करनी है, तभी शत्रुओं का मुकाबला किया जा सकता है।

नागरिक बोध

करनी और कथनी समान नही, वजूद बचाने की जद्दोजहद

गुजरात चुनाव के पहले चरण के चुनाव के बाद अब राजनीतिक पार्टियां पांच दिसम्बर के 93 सीटों पर होने वाले चुनाव पर नजर है। आज चुनाव प्रचार थम जाएगा। टीवी सर्वेक्षण में आप की नैया डूबती नजर आ रही है। जबकि केजरीवाल ट्वीट कर मतदाताओं को धन्यवाद देकर उनका आभार व्यक्त करते दिख रहे है। लेकिन सत्ताधारी भाजपा खेमे में खुशी की लहर है। 2017 में केजरीवाल गुजरात विधानसभा चुनाव में एक भी सीट नही जीता पाये और इस बार गुजरात मे जुठ परोस कर आप सत्ता में आने वाली है का स्लोगन दे रहे है। ट्विटर पर मतदाताओं को धन्यवाद प्रेषित करने और जनता को विश्वास में लेने का गजब तरीका केजरीवाल में है। गुजरात चुनाव का बिगुल बजते ही केजरीवाल की हसरत जमींदोज हो गई। आप के दोनों चरण में होने वाले चुनाव में केजरीवाल की राजनैतिक कौशल की परीक्षा है। विधानसभा में खोई जमीन हासिल करने के लिए केजरीवाल मुफ्त और स्वाभिमान का सहारा लिया है।लेकिन पिछले कई सालों में चुनाव के नतीजे भाजपा के समर्थन में आए है। जिस दौर में पाटीदार आंदोलन, पशुपालकों की समस्या,

किसानों की समस्या, टेक्षटाइल्स कपड़ा उधोग की समस्या जैसे मुद्दे उठने के बाद भी मतदाता ने भाजपा का दामन नही छोड़ा था। ये समस्या मुह फाडे खड़ी थी।मोदी ने पाटीदार समाज से आने वाले भूपेंद्र पटेल को मुख्यमंत्री भी बनाए गए है। उनका समर्थन बटोरने और भूपेंद्र पटेल की कार्यकुशलता की प्रशंसा मोदी ने जनमेदनी के समक्ष की है। गुजरात मे दलित और आदिवासियों को साथ लेकर चली भाजपा की राह आसान है।निश्चित रूप से विपक्षी पार्टियों का खेल बिगड़ने वाला है। भाजपा ने बाहरी नेताओ पर चुनावी सौसर सजाई और केंद्रीय मंत्रियों सहित नेताओ ने भाजपा का प्रचार किया है।भगवा खेमे को किनारे करने वाले नेताओं और पार्टियो को हार माननी पड़ेगी। कांग्रेस ने गुजरात मे परिवारवाद से तो तौबा किया ही है, लेकिन भाई बहन और सोनिया गांधी इन दिग्गज नेताओं की राजनीतिक दखलगिरी सुचारू रूप से चालू ही है। केजरीवाल को जबरदस्त भितरघात का डर सता रहा है। कांग्रेसीकरण और आप की जुगलबंदी परिवारवाद और बागी नेताओ के इर्द गिर्द सिमट कर रह गई है। तभी बनासकांठा में मोदी ने साफ तौर पर कहा कि इन लोगो का भ्रष्टाचार उजागर हो गया है तब भी ये अपना दामन पाक साफ बताकर मतदाताओं को गुमराह करने पर तुले हुए है। मोदी ने भ्रष्टाचार को नाबूद करने और इस लड़ाई में हरएक को विरोध करने का आह्वान किया है। भ्रष्टाचार किसी भी कीमत पर बर्दास्त नही है। मोदी के भ्रष्टाचार नाबूद मुहिम को केजरीवाल उनपर लगे धब्बे को धोने के लिए और मतदाताओं को गुमराह कर चुनाव प्रक्रिया से ध्यान हटाने और भाजपा के गुजरात मे भ्रष्टाचार का पर्दाफाश करने पर जोर दिया गया। बहरहाल, भाजपा के किसी मंत्री पर आज दिन तक कोई आरोप नही लगा है। तब किसी पर अंगुली निर्देश करना केजरीवाल के लिए ठीक नही है।

देश दुनीया से

पड़ोस में खींचतान का कोई अंत नहीं

पाकिस्तान में पिछले एक हफ्ते में जो कुछ घटा, वह प्रत्याशित था। अप्रत्याशित था तो सिर्फ इतना कि सारे रहस्य और तनाव के बीच अंत किसी फुस्स फुलझड़ी-सा हुआ। पाकिस्तान में पिछले एक हफ्ते में जो कुछ घटा, वह प्रत्याशित था। अप्रत्याशित था तो सिर्फ इतना कि सारे रहस्य और तनाव के बीच अंत किसी फुस्स फुलझड़ी-सा हुआ। भारतीय पाठकों को यह अजीब लगेगा कि तीन महीने तक पाकिस्तानी प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया सिर्फ एक सेनाध्यक्ष की तैनाती के ईद-गिर्द घूमता रहा और वह तैनाती थी सेनाध्यक्ष के रूप में किसी लेफ्टिनेंट जनरल की तरक्की। उन्हें यह भी दिलचस्प लगेगा कि इस बीच बहसों के दौरान भारत का जिक्र इस टिप्पणी के साथ आता रहा कि ज्यादातर भारतीय तो अपने वर्तमान सेनाध्यक्ष का नाम तक नहीं जानते और पाकिस्तानी इस नियुक्ति को राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र बनाए हुए हैं। हर वह व्यक्ति, जो पाकिस्तानी समाज व राजनीति में दिलचस्पी रखता है, जानता है कि क्यों सेनाध्यक्ष का पद वहां सबसे ताकतवर और गृह, विदेश या रक्षा संबंधी अनेक मामलों में अंतिम फैसला लेने वाला ओहदा होता है। देश में खास तरह का तनाव तो पिछले आठ महीनों से चल रहा था, जब इमरान खान की सरकार राष्ट्रीय असेंबली में अविश्वास प्रस्ताव के चलते गिर गई थी। एक अपरिपक्व खिलाड़ी की तरह हर बार गलत चाल चलने वाले इमरान ने इस बार जीवन की सबसे बड़ी गलती की और खुलेआम फौज पर हमले करना शुरू कर दिया। यह किसी से छिपा नहीं कि एक राजनेता के रूप में इमरान की छवि को सेना ने ही पिछले दो दशकों में बाकायदा एक प्रोजेक्ट के तहत गढ़ा था। 2018 के आम चुनावों में उनकी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के लिए दूसरे दलों से जीत सकने वाले उम्मीदवारों को तोड़ने या निर्वाचन बूथों के अधिकारियों को प्रभावित करने से लेकर धन व बाहुबल की व्यवस्था तक की जिम्मेदारी सेना ने उठाई थी। इसके बावजूद उन्हें स्पष्ट बहुमत न मिला, तो सेना ने अपने प्रभाव वाले कई क्षेत्रीय दलों से पीटीआई का गठबंधन करा इमरान की सरकार बनवा दी। पर जल्द ही सेना को महसूस होने लगा कि इमरान किसी गरम आलू की तरह हैं, जिन्हें देर तक मुंह में नहीं रखा जा सकता और उगलने में भी कम रुसवाई नहीं है। तीन साल में जब देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो गई और कूटनीतिक महाज पर पाकिस्तान एकदम अलग-थलग पड़ गया, तब सेना को होश आया कि सारी असफलताओं का ठीकरा तो उसी पर फूट रहा था। यह एहसास होने पर कि उन्होंने सदन के बहुमत का विश्वास खो दिया है, इमरान ने बेशर्मी से फौज से जरूरी संख्या बल जुटाने की मांग शुरू कर दी और जब सेना ने खुद को अराजनीतिक और न्यूट्रल कहा, तो इमरान और उनकी सोशल मीडिया सेल ने फौज को जानवर, मीर जाफर, मीर बाकी और न जाने क्या-क्या कहा। पहले तो फौज हक्का-बक्का रह गई, पर फिर जमीन में एड़ियां गड़ाकर उसने खुद पर लगे आरोपों का जवाब देना शुरू कर दिया। इतिहास में पहली बार खुफिया एजेंसी आईएसआई के प्रमुख को प्रेस कॉन्फ्रेंस करनी पड़ी, जिसमें उन्होंने सार्वजनिक रूप से इमरान खान को झूठा घोषित कर दिया। उनके मुताबिक, दिन में सेना को गरियाने के बाद रात के अंधेरे में इमरान या उनके दूत सेनाध्यक्ष जनरल बाजवा से मुलाकात करते हैं और अनुरोध करते हैं कि फौज सरकार पर दबाव बनाए और जल्द चुनावों की तारीखें तय कराए। इसी बीच जनरल बाजवा के रिटायरमेंट की तारीख 29 नवंबर करीब आई, तो उन्होंने यह भी मांग की कि नए सेनाध्यक्ष की नियुक्ति उनकी सहमति से की जाए, अन्यथा जनरल बाजवा को ही चुनावों तक सेवा विस्तार देकर रखा जाए और नया प्रधानमंत्री अगला सेनाध्यक्ष नियुक्त करे। अपनी कोई भी इच्छा पूरी न होते देख इमरान ने आखिरी हथियार के रूप में 'लॉन्ग मार्च' की घोषणा कर दी, जिसके तहत लाखों समर्थकों के साथ उन्हें इस्लामाबाद घेरकर तब तक बैठना था, जब तक कि सरकार अगले चुनाव की तारीख न दे दे।

> देश में खास तरह का तनाव तो पिछले आठ महीनों से चल रहा था, जब इमरान खान की सरकार राष्ट्रीय असेंबली में अविश्वास प्रस्ताव के चलते गिर गई थी। एक अपरिपक्व खिलाड़ी की तरह हर बार गलत चाल चलने वाले इमरान ने इस बार जीवन की सबसे बड़ी गलती की और खुलेआम फौज पर हमले करना शुरू कर दिया। यह किसी से छिपा नहीं कि एक राजनेता के रूप में इमरान की छवि को सेना ने ही पिछले दो दशकों में बाकायदा एक प्रोजेक्ट के तहत गढ़ा था। देश में खास तरह का तनाव तो पिछले आठ महीनों से चल रहा था, जब इमरान खान की सरकार राष्ट्रीय असेंबली में अविश्वास प्रस्ताव के चलते गिर गई थी।

प्रदर्शनों को रोकने के लिए चीन के सुरक्षा बल पूरी तरह तैयार, खंगाले जा रहे हैं मोबाइल फोन

बीजिंग।
चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ने देशभर में कोविड-19 के खिलाफ हो रहे प्रदर्शनों के दबाव में भले ही कुछ नियमों को ढील दे दी हो लेकिन वह शासन की सुरक्षा सुनिश्चित करने में कोई कोताही करना नहीं चाहती। वह बड़े पैमाने पर उथल-पुथल को शांत करने के लिए आवश्यक मशीनरी स्थापित करते हुए सरकार दशकों से ऐसी चुनौतियों के लिए तैयारी कर रही है। शुरुआत में काली मिर्च के स्प्रे और आंसू गैस का इस्तेमाल कर हल्की प्रतिक्रिया देने के बाद पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने शुक्रवार को शहर की सड़कों पर जीपों, वैनों और बख्तरबंद गाड़ियों के साथ भारी मात्रा में बल प्रदर्शन किया। नागरिकों के पहचान पत्रों की जांच के साथ असंतुष्टों की पहचान के लिए अधिकारियों ने फोटो, संदेश या प्रतिबंधित ऐप्स के लिए लोगों के मोबाइल फोन भी खंगाले। वह विरोध प्रदर्शनों में उनकी भागीदारी और प्रदर्शनकारियों से सिर्फ सहानुभूति रखने वाले लोगों तक की पहचान में जुटी दिखी। अज्ञात संख्या में लोगों को हिरासत में लिया गया है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि उनमें से किसी पर आरोप लगेंगे या नहीं। अधिकांश प्रदर्शनकारियों ने अपना गुस्सा शून्य कोविड नीति पर केंद्रित रखा लेकिन कुछ ने पार्टी और राष्ट्रपति शी जिनपिंगसे सत्ता छोड़ने की मांग भी की जिसे सत्ताधारी दल विध्वंसक और वर्षों तक जेल की सजा के दंड के लिए उपयुक्त मानता है।

चीन में कोविड-19 को लेकर लागू प्रतिबंधों के खिलाफ हो रहे प्रदर्शनों से हांगकांग में लोकतंत्र समर्थक आंदोलन के पक्षधरों को उम्मीद जगी है, जिसे अधिकारियों ने वर्ष 2020 में कड़े राष्ट्रीय सुरक्षा कानून को लागू कर एक तरह से कुचल दिया था। चीन में प्रदर्शनों को उम्मीद की नजर से देखने वालों में थॉमस सो भी हैं जो चीन की मुख्य भूमि के उन करीब एक दर्जन विद्यार्थियों के साथ हैं। वहीं, चीन के दक्षिणी तट पर स्थित हांगकांग में कुछ ऐसे भी लोग भी हैं जिनकी सहानुभूति मुख्य भूमि पर हो रहे प्रदर्शनों के प्रति नहीं है। कुछ का कहना है कि मुख्य भूमि पर रहने वाले चीनियों ने हांगकांग में हुए लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनों की निंदा की थी, जिसकी उन्हें कड़वी दवा मिल रही है।

न्यूज ब्रीफ

ब्रिटिश पीएम सुनक ने रंगभेद सहा: बोले- जो भेदभाव झेला, वैसा किसी के साथ नहीं होने दूंगा

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने बकिंघम पैलेस में रंगभेद के आरोपों पर चुप्पी तोड़ी है। हालांकि उन्होंने सीधे तौर पर इसका जिक्र नहीं किया।

सुनक ने कहा कि हमें रंगभेद के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। ऐसे आरोप जहां कहीं भी लगेंगे, उनकी जांच की जानी चाहिए। भारतीय मूल के सुनक ने कहा- मैंने बचपन में रंगभेद का सामना किया है। उन्होंने कहा- तब और बुरा लगता था, जब छोटे भाई-बहनों के सामने इस तरह का बर्ताव होता था। लेकिन मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि बचपन मैंने जो कुछ भी एक्सपीरिएंस किया है, वो एक्सपीरिएंस किसी को आज नहीं होगा। क्योंकि हमारे देश ने रंगभेद से निपटने में काफी प्रगति की है। हालांकि, रंगभेद से निपटने की दिशा में अभी भी बहुत काम बाकी है। रंगभेद मामलों पर उन्होंने कहा- सिर्फ कुछ शब्द ही कहे जाते थे। लेकिन, वो जितने चुभते थे, उतनी कोई चीज नहीं चुभ सकती। ये लफ्ज आपके कलेजे को छलनी कर देते हैं। एक अल्पसंख्यक समूह होता है। वो हमेशा यह मानकर चलता है कि उनके साथ नस्लभेदी रवैया अपनाया जा रहा है। लेकिन, मैं अपने देश की ऐसी छवि पेश नहीं करना चाहूंगा। 1 नवंबर को खबर मिली थी कि ब्रिटेन के बकिंघम पैलस की एक अहम सदस्य को नस्लीय कमेंट करने के कारण इस्तीफा देना पड़ा। रिपोर्ट्स में कहा गया कि कमेंट करने वाली प्रिंस विलियम की गॉड मदर 83 साल की सुजैन हुस्से हैं। उन्होंने एक अश्वेत महिला से बार-बार पूछा की वो अफ्रीका के किस हिस्से से आई है, जबकि महिला पहले ही कई बार बता चुकी थी की वो ब्रिटेन की ही नागरिक है। बकिंघम पैलेस में हुई घटना पर पैलेस के स्पोक्सपर्सन ने बयान जारी करते हुए अफसोस जताया था। साथ ही मामले की जांच होने की बात कही गई थी। प्रवक्ता ने कहा- इस तरह के मामलों को बिल्कुल स्वीकार नहीं किया जा सकता है। इस तरह के कमेंट पर हमें खेद है।

पहली बार तंबाकू से बनाया कोकीन: चीन के वैज्ञानिकों का कमाल, बायो-इंजीनियरिंग की मदद से किया प्रयोग

बीजिंग। कोकीन को सदियों से दवा के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। हालांकि कुछ लोग इसे ज्यादा मात्रा में लेकर नशा करने लगते हैं। ऐसे में यह पदार्थ किसी भी ड्रग जितना खतरनाक बन जाता है। वैसे तो कोकीन को कोका प्लांट से निकाला जाता है, लेकिन हाल ही में वैज्ञानिक इसे तंबाकू की पत्तियों से बनाने में कामयाब हुए हैं। यह कारनामा चीन की कुनमिंग इंस्टीट्यूट ऑफ बॉटनी के रिसर्चर्स ने कर दिखाया है। तंबाकू की पत्तियों को कोकीन में बदलने की प्रोसेस काफी जटिल है। कोकीन के अलावा इन पत्तियों को और भी अच्छे कामों के इस्तेमाल के लिए तैयार किया गया है। कोकीन एक प्रकार का कार्बनिक अणु है, जो ट्रोपेन एल्कलॉयड्स की श्रेणी में आता है। इसे ऐसे पौधों से निकाला जाता है, जो पूरी तरह से शाकाहारी हैं। इंसान ने इनकी पैदावार अपनी जरूरतों के हिसाब से बढ़ाई। पुराने जमाने में कोका की पत्तियों को चबाकर एनर्जी बूस्टर के जैसे यूज किया जाता था। आज इसे मरीजों को एनेस्थीसिया के रूप में दिया जाता है।

पाकिस्तान ने अफगान राजदूत को किया तलब, काबुल दूतावास हमले को लेकर जताया कड़ा विरोध

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने काबुल में अपने दूतावास पर हुए हमले को लेकर इस्लामाबाद में अफगानिस्तान के राजनयिक को तलब कर कड़ा विरोध जताया. पाक सरकार ने काबुल में अपने मिशन प्रमुख पर हुए हमले को लेकर भी अपनी चिंताओं से अवगत कराया। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने एक बयान में कहा कि अफगान राजनयिक को शुक्रवार शाम को तलब किया गया और इस घटना पर पाकिस्तान की गंभीर चिंता से अवगत कराया गया, जिसमें मिशन प्रमुख पर हमला किया गया. हालांकि, वह सुरक्षित हैं, लेकिन गार्ड गंभीर रूप से घायल हो गया। बयान में कहा गया कि अफगान राजनयिक को अवगत कराया गया कि पाकिस्तान के राजनयिक मिशन और कर्मियों की सुरक्षा अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार की जिम्मेदारी थी और यह घटना सुरक्षा में गंभीर चूक है।

स्पेन के यूक्रेनी दूतावास में धमाके के बाद दो लैटर बमों से हड़कंप, आतंकी घटना के तौर पर जांच जारी

मैड्रिड।
स्पेन की पुलिस ने राजधानी मैड्रिड के बाहरी क्षेत्र में स्थित वायुसेना के ठिकाने पर भेजे गए एक लैटर बम का बृहस्पतिवार तड़के पता लगाया। यह लैटर बम, यूक्रेन के दूतावास में लैटर बम में हुए धमाके के ठीक बाद मिला है, जिसमें पहले ही एक कर्मचारी घायल हो चुका है। स्पेन के गृह एवं रक्षा मंत्रालयों ने यह जानकारी दी। इस लैटर बम को लेकर यूरोपीय देशों में हड़कंप की स्थिति है।

सरकारी अधिकारियों ने बताया कि विस्फोटकों से युक्त एक और पैकेट उत्तरी स्पेन के जारगोजा शहर की सशस्त्र फैक्टरी में मिला है। इस कारखाने में ग्रेनेड लांचर का निर्माण किया जाता है जिनका निर्यात यूक्रेन को भी किया गया है। पुलिस ने इस लैटर बम में नियंत्रित धमाका कर उन्हें नष्ट कर दिया है। सरकारी अधिकारी ने बताया कि जारागोजा और दूतावास में मिले दोनों लैटर बम पर भेजने वाले का एक ही ई-मेल पता दर्ज है। उन्होंने बताया कि मामले में आगे की जांच की जा रही है। स्पेन के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि वायुसेना ठिकाने पर मिले पैकेट में संदिग्ध वस्तु थी। उन्होंने बताया कि मैड्रिड के पूर्वी हिस्से में स्थित टॉर्रेजन डी एरोज बेस पर अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है। मंत्रालय ने बताया कि इस पैकेट को वायुसेना ठिकाने के उपग्रह केंद्र को भेजा गया था। बता दें इस लैटर बम से दूतावास में बुधवार को उस वक्त धमाका हुआ जब एक कर्मचारी ने राजदूत के नाम से आए पत्र को खोला। हालांकि, इस घटना में घायल कर्मचारी की स्थिति बहुत गंभीर नहीं है, लेकिन इस घटना के बाद दूसरा बम मिलने से हड़कंप है।

पार्सल में मिले जानवरों के अंग

अधिकारियों के मुताबिक, मैड्रिड दूतावास में भेजे गए पैकेट में लैटर बम के अलावा जानवरों की आंख भी मिली है, जिन्हें किसी प्रकार के लिक्विड में भिगोया गया था। इसी तरह के मामले यूक्रेन के अन्य दूतावासों से भी सामने आए हैं। हंगरी, नीदरलैंड, पोलैंड, क्रोएशिया और इटली समेत 17 दूतावासों में भी इसी तरह के पार्सल भेजे गए हैं।

आतंकी घटना के तौर पर जांच जारी

घटना के तुरंत बाद यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने यूक्रेन के सभी दूतावासों की सुरक्षा बढ़ाने का निर्देश दिया। उन्होंने अपने स्पेनी समकक्ष से भी तत्काल जांच के लिए कदम उठाने का अनुरोध किया। स्पेन की नेशनल कोर्ट मामले की आतंकवादी घटना के तौर पर जांच कर रही है और दूतावास की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

शी का आग्रह, यूक्रेन युद्ध के समाधान पर वार्ता करें

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बीजिंग में यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल के साथ चर्चा में यूक्रेन युद्ध के राजनीतिक समाधान पर वार्ता का आग्रह किया। शी ने कहा, राजनीतिक माध्यम से यूक्रेन के संकट को हल करना यूरोप के सर्वोत्तम हित में है और यूरेशिया में सभी देशों का समान हित भी इसी में है। उन्होंने कहा, मौजूदा हालात में हमें संकट बढ़ाने से बचना चाहिए तथा शांति के लिए काम करना चाहिए। मिशेल की एक दिनी यात्रा का मकसद चीन को अधिक निर्यात की यूरोपीय संघ की इच्छा और मौलिक स्वतंत्रता की रक्षा में बीजिंग के साथ दृढ़ रहने की जरूरत के बीच संतुलन की तलाश करना था।

रूसी सैनिकों की पत्नियों पर भड़कीं यूक्रेनी प्रथम महिला

यूक्रेन में खेरसान समेत पूर्वी क्षेत्र में लड़ाई अब भी जारी है। इस बीच, यूक्रेन की प्रथम महिला ओलेना जेलेंस्की ने रूसी सैनिकों की पत्नियों से कहा है कि उनके पति दुष्कर्म को हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने यहां तक कहा कि रूसी सैनिकों की पत्नियां ही उन्हें यूक्रेनी महिलाओं से दुष्कर्म के लिए उकसा रही हैं। ओलेना ने यह बात युद्ध के दौरान हिंसा से निपटने को लेकर आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में कही। साथ ही कहा कि यौन हिंसा किसी के ऊपर प्रभुत्व जताने का सबसे क्रूर और वहशियाना तरीका है।

परमाणु युद्ध की कगार पर पहुंची रूस-यूक्रेन लड़ाई, चंद घंटों में लाखों मौतों का खतरा

कीव।
पिछले 10 माह से जारी रूस-यूक्रेन जंग में अब परमाणु हथियारों के इस्तेमाल का खतरा बढ़ गया है। यूक्रेन की सेना का दावा है कि रूस अब परमाणु मिसाइलों के इस्तेमाल की तैयारी में है। जानकारों का कहना है कि यदि परमाणु हमला हुआ तो चंद घंटों में लाखों लोग मारे जाएंगे।

यूक्रेन के रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि जंग के मैदान में ऐसी पूर्व सोवियत मिसाइलें मिली हैं, जिनका इस्तेमाल परमाणु हमलों के लिए किया जाता है। इन विशेषज्ञों ने इन मिसाइलों के टुकड़े भी मीडिया को दिखाए।

यूक्रेन के दावे से यूरोप की नींद उड़ी

यूक्रेन के दावे की अभी रूस ने पुष्टि नहीं की है, लेकिन यूरोपीय देशों की नींद उड़ गई है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार यूक्रेन ने गुरुवार को दावा किया कि रूस ने यूक्रेन पर परमाणु हथियारों में सक्षम मिसाइलों से हमला शुरू कर दिया है। ये हमले यूक्रेन के पश्चिमी हिस्से में किए गए। यूक्रेन के सैन्य अधिकारी माइकोला डेनिल्युक ने पत्रकारों को बताया कि रूस ने लविवि और खमेलनित्स्की इलाकों में परमाणु मिसाइलों का इस्तेमाल किया। उन्होंने मीडिया को एक्स-55 क्रूज मिसाइलों के हिस्से भी दिखाए। उन्होंने कहा कि ये हमले देश की वायु रक्षा प्रणाली को खत्म करने के इरादे से किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन मिसाइलों के टुकड़ों की जांच में रेडियोधर्मिता के परीक्षण में असामान्य स्तर नहीं दिखा। बता दें, रूस और यूक्रेन के युद्ध में दोनों ही पक्ष पिछले कई महीने से ड्रोन विमानों से हमले कर रहे हैं। यूक्रेन को अमेरिका और तुर्की से बेहद घातक कहे जाने वाले ड्रोन विमान मिले हैं। इन ड्रोन विमानों ने रूस को भी भारी नुकसान पहुंचाया है। इसके बाद रूस ने भी जोरदार पलटवार करने के लिए ईरान की मदद ली है। ईरानी ड्रोन विमानों की मदद से अब रूस ने यूक्रेन के खिलाफ कारगर बढ़त बना ली है। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि यदि रूस ने परमाणु हमला किया तो अनुमान है कि मात्र पांच घंटे में यूक्रेन के 3.4 करोड़ लोग मारे जाएंगे।

जाफना यूनिवर्सिटी ने चीनी गुप्त एजेंडे के चलते एमओयू से किया इनकार, कुलपति ने कही यह बात

कोलंबो।
जाफना विश्वविद्यालय द्वारा हाल ही में चीन के सरकारी कृषि विवि के साथ एक समझौता ज्ञापन पर दस्तखत करने से इनकार करने के चलते चीन-श्रीलंका संबंध और अधिक तनावपूर्ण हो गए हैं। जाफना विवि का कहना है कि इस सौदे के भीतर उत्तरी व पूर्वी क्षेत्र में विकास परियोजनाओं के बहाने उपजाऊ भूमि हड़पने का चीन का गुप्त एजेंडा छिपा हुआ है। सीलोन टुडे की एक रिपोर्ट के मुताबिक, जाफना विवि के कुलपति शिवकोलुंडु श्रीसतकुनाराजा ने 25 नवंबर को एमओयू पर हस्ताक्षर करने से इनकार किया था। इसके अलावा छात्रसंघ ने भी सरकार से लोगों की इच्छा के विरुद्ध चीन के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर नहीं करने की अपील की थी। सीलोन टुडे के अनुसार, छात्रसंघ ने एमओयू पर हस्ताक्षर से इनकार करने के लिए कुलपति का आभार जताया। बयान में आगे कहा गया है कि चीन ने समुद्री खीरे (एक प्रकार की मछली) को बढ़ावा देने के बहाने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से समुद्री क्षेत्रों के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया और अपने मछुआरों के बीच विभाजन पैदा कर दिया।

अमेरिका ने धार्मिक स्वतंत्रता के उल्लंघन करने वाले देशों के रूप में 12 को किया नामित, पाक और चीन भी शामिल

वाशिंगटन।
अमेरिका ने शुक्रवार को धार्मिक स्वतंत्रता की वर्तमान स्थिति के लिए चीन, पाकिस्तान और म्यांमार सहित 12 देशों को विशेष चिंता वाले देशों के रूप में नामित किया। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने यह घोषणा की है। यह अमेरिकी विदेश मंत्रालय द्वारा की जाने वाली एक वार्षिक घोषणा है। इस घोषणा से पहले भारत को चिंताओं वाले देश के रूप में नामित करने के लिए भारतीय अमेरिकी मुस्लिम काउंसिल जैसे समूहों द्वारा बड़े पैमाने पर लॉबिंग के प्रयास किए गए और अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता के लिए अमेरिकी आयोग जैसे संगठनों की ओर से दबाव बनाया गया।

इन 12 देशों को किया गया है नामित

ब्लिंकेन ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि मैं बर्मा (म्यांमार), पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना, क्यूबा, इरिट्रिया, ईरान, निकारागुआ, उत्तर कोरिया (डीपीआरके), पाकिस्तान, रूस, सऊदी अरब, ताजिकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान को 1998 के अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत विशेष चिंता वाले देशों के रूप में नामित करने की घोषणा करता हूं। इन देशों पर धार्मिक स्वतंत्रता के विशेष रूप से गंभीर उल्लंघनों में शामिल होने या इसके खिलाफ कार्रवाई नहीं करने के आरोप हैं।

इन देशों को विशेष निगरानी सूची में रखा गया

इसके साथ ही ब्लिंकेन ने कहा कि अल्जीरिया, मध्य अफ्रीकी गणराज्य, कोमोरोस और वियतनाम को धार्मिक स्वतंत्रता के गंभीर उल्लंघनों में शामिल होने या इसके खिलाफ कार्रवाई नहीं करने के लिए विशेष निगरानी सूची में रखा गया है।

इन संगठनों को भी किया गया नामित

अमेरिका ने अल-शबाब, बोको हराम, हयात तहरीर अल-शाम, हौथिस, आईएसआईएस-ग्रेटर सहारा, आईएसआईएस-वेस्ट अफ्रीका, जमात नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमिन, तालिबान और वैगनर समूह को भी मध्य अफ्रीकी गणराज्य में इनके द्वारा की गई कार्रवाई के आधार पर विशेष चिंता वाले संगठनों के रूप में नामित किया है।

ब्लिंकेन ने कहा कि इन्हें नामित करने की हमारी घोषणा राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करने और दुनिया भर में मानवाधिकारों को आगे बढ़ाने के लिए हमारे मूल्यों और हितों को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

बाइडेन-ट्रम्प की लड़ाई में कूदे मस्क

ट्विटर पर बताई बाइडेन के बेटे की लैपटॉप कॉन्ट्रोवर्सी दबाने की कहानी; 2 साल पहले फंसे थे हंटर

वॉशिंगटन।
एलन मस्क ट्विटर पर हंटर बिडेन स्टोरी कवर-अप किए जाने के फैसले की असलियत सामने ले आए हैं। दरअसल, मस्क ने अपनी माइक्रोब्लॉगिंग साइट पर ट्विटर फाइल्स नाम की सीरीज शुरू की है। इसके तहत वो सेंसरशिप और ट्विटर पर सूचनाओं को दबाए जाने से जुड़ी जानकारी शेयर कर रहे हैं। न्यूयॉर्क पोस्ट ने 2 साल पहले, यानी साल 2020 में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बेटे हंटर बाइडेन की अय्याशियों और जो बाइडेन ने जो करप्शन किया था उसका पर्दाफाश किया था। ये खुलासा हंटर के लैपटॉप से मिले डेटा से हुआ था। इसके मुताबिक, हंटर ने पिता जो बाइडेन की पहुंच का फायदा उठाते हुए लाखों डॉलर स्ट्रिपर्स और कॉलगर्ल्स पर खर्च किए थे। बाइडेन की टीम ने इस खबर को दबाने की और ट्विटर से इसे हटाने की कोशिश की थी। अब मस्क ने ट्विटर

सेंसरशिप पॉलिसी से जुड़ी डिटेल्स पब्लिक की है।

ट्विटर ने असाधारण कदम उठाए थे - जर्नलिस्ट के मुताबिक, 14 अक्टूबर 2020 को न्यूयॉर्क पोस्ट ने हंटर बाइडेन के लैपटॉप से मिले सीक्रेट ई-मेल पब्लिश किए थे। इसके आधार पर लाखों डॉलर अय्याशी पर खर्च किए जाने का दावा किया गया था। इसके बाद ये खबर ट्विटर पर शेयर हुई थी।

जैक डॉर्सी को मामले की जानकारी नहीं थी - पत्रकार मैट के ट्वीट के मुताबिक, ट्विटर कंपनी ने ये खबर दबाने के लिए असाधारण कदम उठाए थे। कंपनी ने ट्वीट को डायरेक्ट मेसेज से जरिए भेजे जाने वाले ऑप्शन को ब्लॉक कर दिया था। ऐसे कदम चाइल्ड पॉर्नोग्राफी से जुड़े गंभीर मुद्दे पर उठाया जाता है। कंपनी ने खबर से जुड़े सारे लिंक हटाते हुए अनसेफ वाली वॉर्निंग पोस्ट कर दी थी। ये सभी फैसले कंपनी के टॉप अफसरों ने लिए थे। हालांकि, तत्कालीन जैक डॉर्सी को इसकी जानकारी नहीं थी। इसमें कपंनी लीगल, पॉलिसी एंड ट्रस्ट की हेड विजया गड्डे की अहम भूमिका थी। एक अधिकारी ने विजया गड्डे से कहा था कि उसे समझ नहीं आ रहा की आखिर हंटर बाइडेन से जुड़ी खबरें अनसेफ कैसे हैं। लैपटॉप से मिली जानकारी सामने आने के बाद कुछ सूत्रों का कहना था कि हंटर बाइडेन का लैपटॉप हैक हुआ है। इस पर एक ट्विटर कर्मचारी का कहना था कि ये सब अफवाह है।

ट्रम्प ने बनाया था बाइडेन पर दबाव - अमेरिका में 2020 में हुए राष्ट्रपति चुनाव से कुछ वक्त पहले ही हंटर बाइडेन लैपटॉप कॉन्ट्रोवर्सी सामने आई थी। तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दोबारा चुनाव जीतने के लिए इस मुद्दे को उठाते हुए बाइडेन पर दबाव बनाया था। उन्होंने कहा था कि बाइडेन को चुनाव नहीं लड़ना चाहिए। ट्रम्प इस मामले में एफबीआई जांच करवाना चाहते थे। इलेक्शन कैंपेन के दौरान ट्रम्प को काफी गुस्से में देखा जा रहा था, क्योंकि मीडिया हंटर बाइडेन को एक्सपोज नहीं कर रही थी।

ट्रम्प का सपोर्ट करते हैं मस्क - ट्विटर को खरीदने के बाद मस्क ने ट्रंप का ट्विटर हैंडल भी बहाल कर दिया था। हालांकि, ट्रंप ने कहा था कि वो अब ट्विटर पर कुछ भी लिखने के पक्ष में नहीं हैं।

गीतों में गन कल्चर प्रमोट करने वाले कलाकारों पर एफआईआर

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस ने गीतों के माध्यम से गन कल्चर को प्रमोट करने वाले कलाकारों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस महानिदेशक द्वारा दी गई समयावधि पूरी होने के बाद फतेहगढ़ साहिब पुलिस ने सिंगर जैसमीन अख्तर व सुखमन हीर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। शुक्रवार को दोनों कलाकारों का नया गाना- काफिला रिलीज हुआ है। जिसमें हथियारों की नुमाइश की गई है। पंजाब पुलिस के अनुसार सिंगर जैसमीन अख्तर और सुखमन हीर के अलावा 7 अज्ञात लोगों के खिलाफ खेड़ी नुध सिंह में मामला दर्ज किया गया है। पंजाब सरकार की तरफ से हथियारों की नुमाइश व उसे प्रोत्साहित करने वाले गीतों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

महिलाओं पर बढ़ रहे अपराध, महिला पुलिस थाने रामभरोसे : ममता शर्मा

जोधपुर (हिंस)। पूर्व राष्ट्रीय महिला आयोग अध्यक्ष और दो बार बूंदी से विधायक रही ममता शर्मा आज जोधपुर पहुंची। यहां उनका स्वागत किया गया। पत्रकारों से बात करते हुए ममता शर्मा ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं के प्रति अपराध बढ़ रहे है। मूक बधिर बच्चियों तक से दुष्कर्म हो रहे है। महिला थाने राम भरोसे चल रहे है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच चल रही तनातनी पर ममता शर्मा ने कहा कि इस पूरे विवाद में गहलोत की छवि खराब हुई है। गहलोत की छवि अलग थी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के मुंह से यह शोभा नहीं देता कि वह किसी को गद्दार कहे। ममता शर्मा ने कहा कि यही हाल रहे तो कांग्रेस मिनी बस में बैठने लाइक विधायक भी नहीं रहेंगे,

वहीं भाजपा की तारीफ करते हुए ममता शर्मा ने कहा कि भाजपा ने जो वादे किए थे, उन्हें निभाया है। धारा 370 हटाई राम मंदिर बनवाया, साथ ही धार्मिक स्थलों का कायाकल्प कर दिया। ममता शर्मा ने कहा कि लोग मुसलमानों को भाजपा के नाम पर भड़काते है, लेकिन भाजपा के राज में पोलराइजेशन नहीं होता। सभी धर्मों के लोगों को समान माना जाता है और सब के काम होते है। सभी सरकारी योजनाएं सबके लिए समान होती है। भारत जोड़ो यात्रा पर बोलते हुए ममता शर्मा ने कहा कि वो गांधी के बारे में जानते ही नहीं है। गांधीजी ने जब गोली लगी थी तब हे राम कहा था। ममता शर्मा का जोधपुर में स्वागत अर्पित शर्मा शीतल शर्मा और मनीषा प्रजापत ने किया।

वसुंधरा के गढ़ से शुरू होगी भारत जोड़ो यात्रा

जयपुर (हिंस)। भारत जोड़ो यात्रा चार दिसंबर को राजस्थान में प्रवेश करेगी। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के गढ़ झालावाड़ को इसके लिए चुना गया है। प्रदेश में कुल 521 किलोमीटर की लंबी यात्रा भाजपा के कुल छह दिग्गजों के प्रभुत्व वाले इलाके को कवर करेगी। इनमें वसुंधरा के अलावा लोकसभा स्पीकर ओम बिरला भी शामिल हैं। राहुल गांधी के नेतृत्व में निकाली जा रही भारत जोड़ो यात्रा चार दिसंबर की शाम को पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के गढ़ झालावाड़ और राजे की अभेद्य विधानसभा सीट झालरापाटन से प्रवेश करेगी। यात्रा की शुरुआत भी राजे की विधानसभा झालरापाटन के काली तलाई से होगी। इसी दिन झालरापाटन के चंद्रभागा चौराहे पर राहुल गांधी की कॉर्नर मीटिंग भी होगी। यात्रा में झालावाड़ को 2 दिन तक कवर किया जाएगा। चार दिन कोटा, 3 दिन बूंदी, 3 दिन सवाई माधोपुर होते हुए सर्वाधिक साढ़े 5 दिन सचिन पायलट के गढ़ माने जाने वाले दौसा में भारत जोड़ो यात्रा रहेगी। अंतिम 2 दिन यह यात्रा अलवर में रहेगी और अलवर से ही हरियाणा में प्रवेश कर जाएगी। राहुल गांधी की यात्रा 6 जिलों से निकलेगी, जिसमें झालावाड़, कोटा, बूंदी, सवाई माधोपुर, दौसा और अलवर शामिल हैं। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा इन 6 जिलों की 18 विधानसभा सीटों से होती हुई निकलेगी। इन 18 विधानसभा में 6 विधानसभा में भाजपा के विधायक हैं, तो 12 विधानसभा में कांग्रेस विधायक है। कांग्रेस विधायकों की संख्या ज्यादा है लेकिन इस यात्रा में आने वाली लोकसभा सीटें झालावाड़, कोटा, टोंक- सवाई माधोपुर, दौसा और अलवर लोकसभा है, जिनमें से झालावाड़ लोकसभा सीट वसुंधरा राजे और उनके बेटे दुष्यंत सिंह बीते 9 चुनाव से जीत रहे हैं। इसी तरह कोटा से लोकसभा स्पीकर ओम बिरला दो बार, टोंक सवाई माधोपुर से सुखबीर जौनपुरिया दो बार, दौसा लोकसभा तीन बार और अलवर लोकसभा दो बार यानी बीते 10 साल से लगातार भाजपा जीत रही है। जिस हिसाब से रूट चार्ट तैयार किया गया है उससे यही समझ में आ रहा है कि फोकस विधानसभा चुनावों पर नहीं बल्कि लोकसभा चुनाव पर है। राहुल की यात्रा कांग्रेस के 12 विधायकों सांगोद कांग्रेस विधायक भरत सिंह, कोटा उत्तर मंत्री शांति धारीवाल, खंडार कांग्रेस विधायक अशोक बैरवा, सवाई माधोपुर कांग्रेस विधायक दानिश अबरार, बामनवास कांग्रेस विधायक इंदिरा मीणा, लालसोट मंत्री परसादी लाल मीणा, दौसा मंत्री मुरारी लाल मीणा, सिकराय मंत्री ममता भूपेश, बांदीकुई कांग्रेस विधायक गजराज खटाना, राजगढ़ कांग्रेस विधायक जौहरी लाल, अलवर ग्रामीण मंत्री टीकाराम जूली, रामगढ़ से कांग्रेस विधायक साफिया जुबेर के इलाके से गुजरेगी।

दिव्यांगजनों को समाज में मिले बराबरी का मौका : ओमप्रकाश यादव

गुरुग्राम (हिंस)। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री ओमप्रकाश यादव ने कहा कि समाज की सामान्य विचारधारा है, जिसमें हम सभी दिव्यांगता को शारीरिक अक्षमता से जोड़ कर देखते हैं। यह जरूरी नहीं है कि सभी दिव्यांगजनों को अपनी जरूरतों को पूरा करने और जीवन जीने के लिए दूसरों पर आश्रित रहना पड़े। वे शनिवार को सेक्टर-14 स्थित राजकीय कन्या महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन को सार्थक पहल के लिए शुरुआत में दूसरों की मदद की आवश्यकता होती है। यदि उन्हें मार्गदर्शन मिले और समाज में बराबरी का मौका मिले तो वे एक आत्मनिर्भर जीवन जी सकते हैं। राज्यमंत्री ने कहा कि दिव्यांगजनों के पुनर्वास एवं उनको शिक्षित कर समाज की मुख्यधारा में शामिल करने के लिए हरियाणा सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उनके कल्याण के लिए गम्भीरता से कार्य कर रही है। इसके साथ ही केंद्र सरकार के निर्देश पर प्रदेश में ऐसी अनेकों योजनाएं चला रही हैं, जिनके माध्यम से हम अपने दिव्यांग जनों को शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा रहे हैं। राज्यमंत्री ने अपने संबोधन से पूर्व महाविद्यालय परिसर में विभिन्न विभागों व निजी संस्थानों द्वारा लगाई प्रदर्शनी का अवलोकन करने के साथ ही दिव्यांगजन को जिला रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा उपलब्ध कराई गई ट्राई साइकिल भी भेंट की। राज्यमंत्री ने राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह में पांच विभिन्न श्रेणियों के तहत दिव्यांगजन को नकद पुरुस्कार सहित शील्ड देकर सम्मानित किया।

जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाएगी बीजेपी : रविंदर रैना

जम्मू । ब्लॉक डेवलपमेंट काउंसिल (बीडीसी) के सदस्य बझामा बॉक डॉ. खुर्शीद मीर, सामाजिक कार्यकर्ता अब्दुल खालिक अब्बासी और सामाजिक कार्यकर्ता सोहेल अहमद अवान उरी, बारामूला से अपने समर्थकों के साथ पार्टी मुख्यालय, त्रिकुटा नगर, जम्मू में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए। जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष रविंद्र रैना और महासचिव एड. विबोध गुप्ता ने औपचारिक रूप से नए प्रवेशकों का स्वागत किया। इस अवसर पर तिलक राज गुप्ता, डॉ. प्रदीप महोत्रा, अजय गुप्ता परगल, प्रो. कुलभूषण मोहत्रा मोहम्मद रफीक मांगराल जिला उपाध्यक्ष बारामूला, आशिक रफीक विधानसभा अध्यक्ष उरी, स. अवतार सिंह बीडीसी अध्यक्ष त्राल और पार्टी के अन्य नेता उपस्थित थे. रैना ने पार्टी में नए लोगों का स्वागत किया और कहा कि डॉ. मीर एक प्रमुख नेता हैं, जिनकी उत्तरी कश्मीर के जिलों में सभी समुदायों में मजबूत

पकड़ है। उन्होंने कहा कि डॉ खुर्शीद मीर, अब्दुल खालिक अब्बासी और सोहेल अहमद अवान के साथ उनके समर्थकों के शामिल होने से पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूती मिलेगी। रैना ने कहा कि पीएम मोदी का *सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास* का नारा दिल जीत रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश भर में जनता के दिलों में एक स्थायी जगह बना ली है, जिसके कारण हर गुजरते दिन के साथ बड़ी संख्या में लोग पार्टी में शामिल हो रहे हैं। रैना ने जोर देकर कहा कि भाजपा जम्मू के साथ-साथ कश्मीर में भी अपना आधार बहुत तेजी से मजबूत कर रही है। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में आज भाजपा नंबर एक पार्टी और लोगों की पहली पसंद है। उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए लोगों का इतना भारी और लगातार बढ़ता समर्थन स्पष्ट संकेत है कि भाजपा विधानसभा चुनाव में सरकार बनाने जा रही है और जम्मू-कश्मीर में भाजपा के मुख्यमंत्री को दे रही है। विबोध गुप्ता ने रवींद्र रैना के समर्पित नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर भाजपा के पार्टी कार्यकर्ताओं की इन व्यापक सदस्यता के लिए प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पार्टी नेताओं के शानदार कार्यशैली से क्षेत्र में पार्टी का जनाधार बढ़ा है। उन्होंने उरी के राष्ट्रवादी लोगों की भी प्रशंसा की जिन्होंने आतंकवाद के चरम समय में भी सांप्रदायिक शांति बनाए रखी। उन्होंने कहा कि मुझे यकीन है कि भाजपा की 50 से अधिक सीटों की दौड़ में, उरी के लोग कश्मीर क्षेत्र से पहली सीट उपहार में देंगे। डॉ. खुर्शीद मीर ने कहा कि सभी नए प्रवेशकर्ता भाजपा नेतृत्व के मजबूत और समर्पित कार्य पद्धति से मंत्रमुग्ध हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें यकीन है कि केवल भाजपा ही गंभीरता से समाज और राष्ट्र की सेवा कर रही है और अब वे लोगों की सेवा करने के लिए सही मंच से जुड़ गए हैं।

अखनूर में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस

अखनूर। जम्मू-कश्मीर विकलांग कल्याण ट्रस्ट द्वारा आज अखनूर में अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन सुशील शर्मा (चेयरमैन जम्मू-कश्मीर विकलांग कल्याण ट्रस्ट) की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर सांसद गुलाम अली खटाना मुख्य अतिथि थे, जबकि पूर्व कैबिनेट मंत्री और भाजपा उपाध्यक्ष शाम लाल शर्मा इस अवसर पर सम्मानित अतिथि थे। कार्यक्रम में डीडीसी भलवाल ब्राह्मण भूषण बरल, एसडीएम अखनूर अखिल सदोत्रा, बीएमओ डॉ. मोहम्मद सलीम, एसएचओ हरजीत सिंह, विभिन्न सरपंचों और पंचों के साथ सैकड़ों विकलांग, विधवाएं और बुजुर्ग मौजूद थे। विकलांग व्यक्तियों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर सुशील शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने जनता को संबोधित करते हुए पिछले

कई वर्षों से अपने अधिकारों के लिए लड़ते हुए विकलांग लोगों के लिए ट्रस्ट की उपलब्धियों के बारे में सभा को अवगत कराया। उन्होंने अतिथियों को विकलांग लोगों की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। शाम लाल शर्मा ने सभा को संबोधित करते हुए समाज के इस महत्वपूर्ण वर्ग के सम्मान में *दिव्यांग दिवस* मनाने के लिए उपस्थित सभी लोगों की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से विकलांग व्यक्तियों को समर्पित दिवस पर कार्यक्रम आयोजित करने के अलावा विकलांग लोगों को बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने के लिए ट्रस्ट प्रबंधन की सराहना की। शाम लाल शर्मा ने जोर देकर कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार गरीबों, जरूरतमंदों और विकलांग व्यक्तियों को सुधारने पर विशेष ध्यान देने के साथ समाज के सभी वर्गों को सहायता प्रदान करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने बड़े पैमाने पर लोगों से आगे आने और विशेष रूप से विकलांग व्यक्तियों पर ध्यान केंद्रित करने वाली कई परोपकारी गतिविधियों में शामिल होने की अपील की। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह उनके सभी मुद्दों को हल करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे ताकि विकलांग व्यक्तियों को सुधारने में कोई बाधा न हो। सांसद गुलाम अली खटाना ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा कि पिछली सरकारों द्वारा बार-बार विकलांगों की उपेक्षा की गई थी, लेकिन माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में वर्तमान शासन विकलांग लोगों की सभी शिकायतों को हल करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि वह ऐसे आयोजन का हिस्सा बनकर गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं जहां वह विशेष रूप से सक्षम लोगों को अपना समय दे सकते हैं जिनके लिए हम सभी को बहुत कुछ करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट के अध्यक्ष द्वारा प्रस्तुत मांगों का ज्ञापन बहुत वास्तविक है जिसे जल्द से जल्द संबोधित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगों के पुन: सत्यापन के संबंध में जो उन्हें कुछ लंबी दस्तावेजी प्रक्रियाओं के कारण जो परेशानियों का सामना कर रहे हैं वह उन्हें प्रशासन के समक्ष उठाएंगे और वह इसे जल्द से जल्द इन्हें हल करने का प्रयास करेंगे। इसके अलावा उन्होंने आश्वासन दिया कि विकलांग लोगों को दिए गए विशेष अधिकार जिनमें शिक्षा के लिए उनके विशेष अधिकार, किराए में रियायत के लिए उनके अधिकार और यात्री वाहनों में सीट आदि शामिल हैं।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अध्यापक पात्रता परीक्षा शुरू

भिवानी (हिंस)। अध्यापक पात्रता परीक्षा को लेकर भिवानी जिला प्रशासन ने सीसीटीवी सिक्योरिटी में भिवानी के ट्रेजरी में रखे एचटेट के प्रश्न पत्रों को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच परीक्षा केंद्रों की तरफ रवाना किया। सांय 3 बजे से 5 बजे तक आज भिवानी जिला के 22 सैंटरों पर प्रदेश के 504 सैंटरों पर एचटेट की लेवल-3 पीजीटी की परीक्षा आयोजित हो रही है। इसके लिए हर परीक्षा केंद्र पर एक नोडल अधिकारी की ड्यूटी लगाई गई है, जो सारी प्रक्रिया की जांच करेगा। बायोमैट्रिक तरीके से सुरक्षा जांच के बाद ही परीक्षा केंद्रों पर छात्र-छात्राओं को एचटेट की परीक्षा के लिए प्रवेश दिया जा रहा है। हरियाणा प्रदेश में 3 व 4 दिसंबर को आयोजित होने वाली अध्यापक पात्रता परीक्षा में प्रदेश भर से 3 लाख 5 हजार के लगभग विद्यार्थी अध्यापक बनने के लिए परीक्षा देंगे। भिवानी के एसडीएम संदीप अग्रवाल व परीक्षा ड्यूटी में लगे अधिकारी विष्णु ने बताया कि परीक्षा केंद्रों तक कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच प्रश्न पत्रों को सील बंद ट्रंक में रखकर पहुंचाया जा रहा है। पूरी व्यवस्था की वीडियोग्राफी करवाई जा रही है, ताकि परीक्षा में किसी प्रकार की पेपर लीक जैसी समस्या पैदा ना हो। उन्होंने बताया कि नोडल अधिकारी व बोर्ड के अधिकारियों की टीम की देखरेख के बीच परीक्षाएं करवाई जा रही हैं। वही विद्यार्थियों को समय से दो घंटे पूर्व परीक्षा केंद्रों पर पहुंचना अनिवार्य किया गया है।

अलवर में कांग्रेस नेत्री से छेड़खानी और अश्लील हरकत के आरोपी को पुलिस ने पकड़ा

अलवर (हिंस)। अरावली विहार थाना अंतर्गत तीन दिन पूर्व इंदिरा गांधी स्टेडियम के समीप कांग्रेस नेत्री से अश्लील हरकत करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। महिला थाने के हेड कांस्टेबल हीरालाल ने बताया कि कांग्रेस नेत्री द्वारा तीन दिन पूर्व मामला दर्ज कराया गया कि जब वह मॉर्निंग वॉक पर घूम रही थी तब बुलेट पर एक युवक पीछे से आया और छेड़खानी की। उनके विरोध के बाद युवक भाग गया था। महिला ने इस मामले की लिखित में शिकायत थाने में दी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान की। पुलिस ने बख्तल की चौकी निवासी लक्ष्मण सोमवंशी को गिरफ्तार किया है जो वर्तमान में काला कुआं में किराए के मकान पर रहता है। आरोपी विवाहित है और आदतन महिलाओं से छेड़खानी की हरकत करता रहा है। आरोपी अंबेडकर सर्किल पर एक कपड़े के शोरूम पर सेल्समैन का कार्य करता है। पुलिस फिलहाल आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है। जिसमें उसने अपना जुर्म कबूल किया है। पुलिस ने आरोपी द्वारा वारदात के दौरान काम में ली गई बुलेट बाइक भी जब्त कर लिया है। वहीं आरोपी के परिजनों क कहना है कि उसे झूठा फंसाया जा रहा है।

अश्वनी शर्मा फिर बने पंजाब भाजपा के अध्यक्ष

चंडीगढ़(हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा द्वारा पंजाब में भाजपा की नई टीम की घोषणा कर दी गई है। राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा भाजपा पंजाब के मौजूदा अध्यक्ष अश्वनी शर्मा पर फिर भरोसा जताते हुए पंजाब भाजपा का अध्यक्ष नियुक्त किया है। अश्वनी शर्मा द्वारा राष्ट्रीय नेतृत्व से विचार-विमर्श के बाद अपनी नई टीम की भी घोषणा कर दी गई है। भाजपा पंजाब की नई टीम में ग्यारह प्रदेश उपाध्यक्ष, पांच प्रदेश महासचिव तथा ग्यारह प्रदेश सचिव के अलावा कुछ अन्य पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है। अश्वनी शर्मा ने शनिवार को मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि भाजपा उपाध्यक्ष के पद पर राकेश राठौर, केवल सिंह ढिल्लो, राजेश बागा तथा मोना जैसवाल को नियुक्त किया गया है।

भाजपा ओबीसी मोर्चा ने चलाया सफाई अभियान

जम्मू। ब्रह्म ज्योत सत्ती, अध्यक्ष भाजपा ओबीसी मोर्चा जम्म-कश्मीर के निर्देश पर भाजपा ओबीसी मोर्चा पूरे जम्म-कश्मीर में सामाजिक कार्यक्रम और मानवता की सेवा कर रहा है। आज भाजपा ओबीसी मोर्चा की अनंतनाग इकाई ने जम्म-कश्मीर के अनंतनाग जिले में सफाई अभियान चलाया। कार्यक्रम का आयोजन जिला अध्यक्ष भाजपा ओबीसी मोर्चा अनंतनाग मोहम्मद अमीन शेख ने अपनी टीम सहित किया। कार्यक्रम में उन्होंने झाड़ू और अन्य औजारों से सड़क के किनारे के डंप, कुओं को अंदर और बाहर से अच्छी तरह से साफ किया और वहां से जंगली घास काटी। उन्होंने लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया। उन्होंने सार्वजनिक नलों और आसपास के इलाकों में लगे

हैंडपंपों की भी सफाई की। इस पर बोलते हुए ब्रह्म ज्योत ने अनंतनाग में सराहनीय कार्य करने के लिए भाजपा ओबीसी मोर्चा की पूरी अनंतनाग टीम की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रिय परियोजना है जिसका उद्देश्य भारत में स्वच्छता के स्तर को बढ़ाना और देश को खुले में शौच मुक्त बनाना है। भारत को स्वच्छ, सुंदर और टिकाऊ बनाए रखना हमारी पीढ़ी और भविष्य की खुशहाली और समृद्धि में निवेश है। उन्होंने कहा कि भाजपा के स्वच्छता और वृक्षारोपण अभियान ने सार्वजनिक व्यवहार में एक बड़ा बदलाव लाया है, और पूरे देश में स्वच्छता हरियाली का स्तर बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ओबीसी मोर्चा जम्म-कश्मीर के हर नागरिक के साथ खड़ा है और अगर किसी को किसी भी तरह की मदद की जरूरत है तो वह संबंधित जिले के भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष से संपर्क कर सकता है, हम उन्हें उचित मदद मुहैया कराएंगे।

सभी धर्मों का सार है श्रीमद्भागवत गीता : कृष्णपाल गुर्जर

फरीदाबाद (हिंस)। केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि श्रीमद्भागवत गीता में प्रचीन भारतीय संस्कारों के प्रचार प्रसार से भारत देश विश्व गुरु बना है। गीता मनुष्य को जीवन जीने की राह दिखाती है। यदि हम गीता के संदेशों को अपने दैनिक जीवन में धार लें तो यह मनुष्य के जीवन बेहतरी की ओर लेकर जाती है। गुर्जर शनिवार को सेक्टर-12 कन्वेंशन सेंटर में आयोजित जिला स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव में दूसरे दिन बतौर मुख्य अतिथि कन्वेंशन हाल में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। जिला स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव का दूसरे दिन भी शुभारंभ यज्ञ हवन के साथ किया गया। इसके बाद उन्होंने गीता प्रदर्शनी व विभिन्न विभागों व सामाजिक-धार्मिक संस्थाओं द्वारा लगाए गए स्टालों का निरीक्षण कर बारिकी से अवलोकन किया। अपने संबोधन में केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने

कहा हरियाणा की पवित्र भूमि जहां भगवान श्री कृष्ण अर्जुन को गीता का उपदेश दिया आज पूरी दुनिया के लिए एक सिख के लिए जानी जाती है। हरियाणा के यशस्वी मुख्यमंत्री मनोहर लाल जिन्होंने गीता महोत्सव को शुरू शुरू करने में बहुत बड़ा योगदान दिया और इसको मनाने की पीछे का बड़ा उद्देश्य यही है कि हम अपने इतिहास को ना बोले भूलें। श्रीमद्भागवत गीता व्यक्ति को जीवन जीने की कला सिखाती है और यह धर्मों का सार भी है। मानव जाति के कल्याण के लिए गीता का ज्ञान बहुत जरुरी है। यह हमारे लिए मार्ग दर्शक के रूप में कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि महात्मा गांधी ने कहा है एक मेरी मां है जिसने मुझे जन्म दिया और दूसरी मां श्रीमद्भागवत गीता है। मेरी जन्म देने वाली मां तो अब इस दुनिया में नहीं लेकिन मुए कुछ मांगना होता है तो में श्रीमद्भागवत गीता की शरण में जाता हूं। इस अवसर पर पृथला के विधायक एवं हरियाणा भण्डारण निगम के चैयरमैन नयनपाल रावत ने कहा कि गीता को हम सब केवल एक ग्रंथ ही मानते थे। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल जी की सरकार आने के बाद हमें एहसास हुआ कि श्रीमदभागवत गीता केवल एक ग्रंथ नहीं बल्कि गीता ज्ञान, धर्म-कर्म का सागर है। इस अवसर पर विधायक सीमा त्रिखा, भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल शर्मा, उपायुक्त विक्रम सिंह, एडीसी अपराजिता, हरियाणा रेडक्रॉस चेयरमैन सुषमा गुप्ता, नगर निगम नगर निगम की जॉइंट कमिश्नर डॉ शिखा, सीटीएम अमित मान, मुख्यमंत्री के मीडिया समन्वयक मुकेश वशिष्ठ,जिला शिक्षा अधिकारी मुनेश चौधरी सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद थे।

No.CMS(A)33/2022/53

Notice Inviting Bid (NIB)
For supply of packaged drinking water to CM's Secretariat vide one year rate contract.

1. The Chief Minister's Secretariat (CMS) invites sealed Bids from eligible Bidders for supply of drinking water under one year rate contract as detailed below :

Sl.	Packaging Details	Estimated Annual Requirement	Bid Security (Rs.)	Make /Brand
1	20 litre Jar	324 Jars	Rs. 5,000/-	1. Bisleri 2. Bailley 3. Kinley 4. Aquafina 5. Kingfisher
2	500ml Bottle	19008 Bottles		
3	250 ml Bottle	17568 Bottles		

2. The selection will be done following Competitive Bidding Method (manual) following the procedures as specified in "The Assam Public Procurement Act, 2017" and "The Assam Public Procurement Rules, 2020".
3. The Bidding Documents will be available for download in the website *https://www.assam.gov.in and hitps:/sppp.assam.gov.in* from 04/12/2022.
4. All bids must be accompanied by a Bid Security as mentioned in the table above.
5. Bids must be delivered to the address below on or before 3:00 P.M of 17/12/2022.
   Deputy Secretary to the Govt. of Assam,
   Chief Minister's Secretariat (CMS)
   1st Floor, CM Block, Janata Bhawan, Dispur, Guwahati-781006
   (entry pass shall be obtained by the bidders from Gana Seva Bhawan, Janata Bhawan, Dispur as per official procedure.)
6. Electronic Bidding mode is not available. Late Bids will be rejected.
7. The Bids will be publicly opened in the presence of the Bidders' designated representatives and anyone who chooses to attend the address below on 18/12/2022 (3.00 P.M)

Bid inviting authority
Sd/-
Secretary to the Chief Minister,
Dispur, Guwahati-781006
email : cmoffice-as@assam.gov.in

-- Janasanyog /C/ 15283 /22

अदाणी समूह केंद्रीय बलों की तैनाती की मांग के लिए हाईकोर्ट पहुंचा, अब सात को होगी सुनवाई

नई दिल्ली ।

अदाणी समूह ने निर्माणाधीन विझिंजम बंदरगाह पर केंद्रीय बलों की सुरक्षा की मांग के लिए केरल उच्च न्यायालय का रूख किया। समूह ने याचिका में तिरुवनंतपुरम में विझिंजम बंदरगाह पर निर्माण कार्य के दौरान केंद्रीय बलों को तैनात करने का निर्देश देने की मांग की है। हाल ही में उक्त स्थल पर हिंसक विरोध प्रदर्शनों के कारण काम रुक गया था। न्यायमूर्ति अनु शिवरामन ने विरोध प्रदर्शनों, काम में बाधा और नाकाबंदी के खिलाफ अदाणी समूह की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य और केंद्र सरकारों से केंद्रीय बलों की तैनाती की संभावना पर चर्चा करने को कहा है।

अदालत ने राज्य और केंद्र सरकारों से अदाणी समूह की याचिका के संबंध में अपना जवाब दाखिल करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 7 दिसंबर को होगी। इस बीच, राज्य सरकार ने अदालत को सूचित किया कि हिंसा के संबंध में बिशप सहित कई लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए और पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। हालांकि, अदाणी समूह की ओर से अदालत को बताया कि इस मामले के कई आरोपी, जिनमें एक खास संप्रदाय के कई पुजारी शामिल हैं, अभी भी विरोध स्थल पर मौजूद हैं।

पुलिस थाने पर किया गया था हमला – लैटिन कैथोलिक चर्च के नेतृत्व में आंदोलनकारियों की भीड़ ने अदाणी के बंदरगाह के निर्माण के विरोध में रविवार रात विझिंजम पुलिस थाने पर हमला कर दिया था। जिसमें कम से कम 29 पुलिसकर्मी घायल हो गए थे और पुलिस वाहनों को नुकसान पहुंचाया गया था। भीड़ ने डंडों और ईंटों से पुलिस स्टेशन को निशाना बनाया था। अदाणी समूह के निर्माण स्थल पर 26 नवंबर को हिंसक विरोध प्रदर्शन के सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने और अन्य को हिरासत में लेने के विरोध में पुलिसकर्मियों पर हमला किया गया था।

3000 से ज्यादा पर केस दर्ज – विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा के मामले में तीन हजार से ज्यादा लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। विशेष शाखा के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना में 29 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। उन्हें विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। प्रदर्शनकारियों ने मौके पर मौजूद मीडियाकर्मियों पर भी हमला किया। एक पत्रकार का कैमरा क्षतिग्रस्त कर दिया और उनका मोबाइल छीन लिया।

न्यूज ब्रीफ

एसबीआई ने इन्फ्रास्ट्रक्चर बॉन्ड जारी कर 10,000 करोड़ रुपये जुटाए

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े ऋणदाता स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने शुक्रवार को 7.51प्रतिशत की कूपन दर पर अपना पहला इन्फ्रास्ट्रक्चर बॉन्ड जारी कर 10,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। ऋणदाता ने कहा कि यह देश में किसी भी बैंक की ओर से जारी किया गया सबसे बड़ा एकल बुनियादी ढांचा बांड है। एसबीआई की ओर से एक्सचेंज फाइलिंग में कहा गया है कि बांड के माध्यम से जुटाई गई राशि का उपयोग बुनियादी ढांचे और किफायती आवास खंडों के वित्तपोषण समेत अन्य दीर्घकालिक संसाधनों को बढ़ाने में किया जाएगा। इन बांडों की अवधि 10 वर्ष है। इस बॉन्ड में 16,366 करोड़ रुपये की बोलियों के साथ निवेशकों ने जबरदस्त रुचि दिखाई और इसे बेस इश्यू के खिलाफ लगभग 3.27 गुना ओवरसब्सक्राइब किया गया। इस बॉन्ड के लिए 143 बोलियां लगी यह निवेशक वर्ग के विश्वास को भी प्रदर्शित करता है। बैंक ने 10 साल की अवधि के लिए सालाना देय 7.51प्रतिशत की कूपन दर पर 10,000 करोड़ स्वीकार करने का फैसला किया है। यह भारत सरकार की सुरक्षा के अनुरूप 17 बीपीएस के प्रसार का प्रतिनिधित्व करता है, जो उच्च गुणवत्ता वाले क्रेडिट को दर्शाता है। बैंक के इन उपकरणों को घरेलू क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों से एएए की क्रेडिट रेटिंग मिली है। एसबीआई के अध्यक्ष दिनेश खारा ने कहा, बुनियादी ढांचे का विकास देश के लिए एक प्रमुख प्राथमिकता है और सबसे बड़ा ऋणदाता होने के नाते एसबीआई सामाजिक, हरित और अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की उन्नति के लिए कदम उठाने में सबसे आगे रहा है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.9 अरब डॉलर बढ़ा, यूको बैंक एफडी पर देगा 1.35प्रतिशत तक अधिक ब्याज

नई दिल्ली । देश का विदेशी मुद्रा भंडार 25 नवंबर को समाप्त सप्ताह में 2.9 अरब डॉलर बढ़कर 550.142 अरब डॉलर पहुंच गया।18 नवंबर वाले हफ्ते में भंडार 2.54 अरब डॉलर बढ़कर 547.25 अरब डॉलर पहुंचा था। अक्तूबर, 2021 में विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड 645 अरब डॉलर रहा था। आरबीआई के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, इस दौरान विदेशी मुद्रा संपत्ति 3 अरब डॉलर बढ़ी है। हालांकि, देश के सोने का भंडार 7.3 करोड़ डॉलर घटकर 39.938 अरब डॉलर रह गया। नई दिल्ली। यूको बैंक ने 2 करोड़ रुपये से कम एफडी पर 1.35 फीसदी तक ब्याज बढ़ा दिया है। बैंक ने कहा, 46 से 90 दिन पर 0.50 फीसदी ज्यादा ब्याज मिलेगा। जबकि 181 से 364 दिन के एफडी पर 6 फीसदी ब्याज मिलेगा जो पहले की तुलना में 1.35प्रतिशत अधिक है। भारत रूस सहित सभी देशों से कच्चा तेल खरीदता रहेगा। यूरोपीय संघ ने 27 सदस्य देशों से रूसी तेल की कीमत को 60 डॉलर पर सीमित करने को कहा है।

इंडोनेशियाई सुपारी की तस्करी मामले में ईडी का छापा, 16 लाख रुपये नकद बरामद

नई दिल्ली । ईडी ने पीएमएलए 2002 के तहत मुंबई और नागपुर में 17 परिसरों की तलाशी ली है, जिसमें इंडोनेशियाई मूल के सुपारी की तस्करी में शामिल विभिन्न व्यक्तियों के कार्यालय और आवासीय परिसर शामिल हैं, इस सुपारी की तस्करी ज्यादातर भारत-म्यांमार सीमा के माध्यम से की जाती है। ईडी की जांच में पता चला है कि इंडोनेशियाई सुपारी के आपूर्तिकर्ताओं, कमीशन एजेंटों, रसद प्रदाताओं, ट्रांसपोर्टरों, हवाला ऑपरेटरों और खरीदारों का एक सुव्यवस्थित सिंडिकेट है, जो भारत-म्यांमार सीमा के माध्यम से भारत में इंडोनेशियाई सुपारी की तस्करी में लिप्त थे। ईडी की तलाशी के दौरान, नागपुर में पीएमएलए के तहत लगभग 11.5 करोड़ रुपये मूल्य की 289.57 मीट्रिक टन सुपारी की बड़ी खेप जब्त की गई है। ईडी ने 16.5 लाख रुपये नकद और विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल उपकरण भी जब्त किए हैं।

नीति आयोग के सीईओ बोले- खाद्य प्रसंस्करण अर्थव्यवस्था व रोजगार के लिए अति महत्वपूर्ण

नई दिल्ली।

नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) परमेश्वरन अय्यर ने शुक्रवार को कहा कि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के साथ रोजगार निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है। इसलिए हमें उत्पादन व प्रसंस्कृत उत्पादों का निर्यात बढ़ाने पर भी जोर देना चाहिए। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम) को खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में लाने के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत है क्योंकि यह सबसे ज्यादा नौकरियां देता है।अय्यर ने कहा, खाद्य प्रसंस्करण न सिर्फ अर्थव्यवस्था की सेहत और लोगों के लिए जरूरी क्षेत्र है बल्कि यह किसानों की आय बढ़ाने में मददगार साबित हो सकता है।इसके साथ ही पोषण लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

पीएलआई योजना से निवेश को मिलेगा प्रोत्साहन

अय्यर ने कहा, कृषि क्षेत्र में प्राथमिक प्रसंस्करण बढ़ाने की जरूरत है। सरकार ने इस संबंध में उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना सहित कई पहल की है। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम से निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा, भोजन उत्पादन के तरीकों में काफी बदलाव आया है। भारत से खाद्य प्रसंस्कृत वस्तुओं के पहले से हो रहे निर्यात को और बढ़ाने की जरूरत है।

रोकनी होगी खाने की बर्बादी

अय्यर ने कहा, दुनियाभर से बहुत लंबी और जटिल आपूर्ति श्रृंखलाओं के जरिये भोजन आता है। यह सबको कवर करता है। चाहे वह पशुपालन हो या कृषि, मत्स्य पालन, भंडारण, खुदरा परिवहन या फिर वितरण। इसलिएप्रसंस्करण के जरिये हमें खाने की बर्बादी को रोकने की जरूरत है। इससे हर साल अरबों की बचत होगी।साथ ही, दुनियाभर में लाखों लोगों को कुपोषण से बाहर निकालने में मदद मिलेगी।

कुछ गंभीर चुनौतियां भी

उन्होंने कहा, खासतौर पर पांच साल से कम उम्र के बच्चों के लिए पोषण स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से बिल्कुल महत्वपूर्ण है। सुधार के बावजूद हमें इस दिशा में लंबा रास्ता तय करना है। साथ ही, किसानों को बेहतर फसल पद्धतियों की ओर ले जाना होगा।

खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में भारत अन्य देशों की तरह उन्नत नहीं है। डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग बढ़ाने की जरूरत है।इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ने के लिए खाद्य प्रसंस्करणकंपनियों को भी सुझाव देना चाहिए।

आरएंडडी को बढ़ावा देने की जरूरत: वीके सारस्वत

नीति आयोग के सदस्य वीके सारस्वत ने सीआईआई के कार्यक्रम में कहा, इस समय शोध एवं विकास (आरएंडडी) गतिविधियों को बढ़ावा देने की जरूरत है। यह समय भारत के लिए उन्नत सामग्रियों के स्वदेशी स्तर पर विकास के लिए मुफीद है। इस तरह, आयात पर निर्भरता भी कम की जा सकती है। उन्नत सामग्रियां प्रौद्योगिकी को सक्षम बनाने का काम करती हैं। इस क्षेत्र में क्रांति लाने में मशीन लर्निंग, और नए प्रौद्योगिकी की बड़ी भूमिका होगी।

कर्ज के जाल में बुरा फंसा पाकिस्तान

एक साल में चुकाने होंगे 21 लाख करोड़ रुपये, वित्त मंत्री बोले- आईएमएफ के सामने नहीं गिड़गिड़ाएंगे

इस्लामाबाद।

आर्थिक हालातों से जूझ रहे पाकिस्तान को अपने साथी देश से 24 हजार करोड़ रुपये की मदद मिलने वाली है। यह मदद दो हफ्तों में मिल जाने का अनुमान रखा गया है।

डार ने कहा कि पाकिस्तान का फॉरेन रिजर्व 61 हजार करोड़ रुपये पर पहुंच गया है जिसे एक साथी देश की मदद से 24 हजार करोड़ रुपये तक और बढ़ाया जाएगा। हालांकि डार ने साथी देश के नाम का खुलासा नहीं किया। पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने नाराजगी जताई है। उन्होंने आईएमएफ पर कर्ज देने के लिए होने वाले रिव्यू में देरी करने का आरोप लगाया।

प्रोसेस पूरी होने के बाद देरी करने का मतलब नहीं – डार ने कहा कि जरूरी प्रोसेस पूरी होने के बाद भी रिव्यू में देरी की जा रही है इसका कोई मतलब नहीं बनता है। उन्होंने यह भी कहा कि अब उन्हें फर्क नहीं पड़ता है, वो गिड़गिड़ाना नहीं चाहते।दरअसल दिवालिया घोषित होने के बाद से पाकिस्तान को आईएमएफ की तरफ से 48 हजार करोड़ रुपये का बेलआउट पैकेज दिया गया था। जिसमें इस साल 8 हजार करोड़ रुपये और जोड़ दिए गए हैं।

पाकिस्तान को 12 महीने में चुकाना होगा विदेशी कर्ज – एकतरफ जहां पाकिस्तान को आईएमएफ से बेलआउट फंड मिलने में समय लग रहा है वहीं दूसरी ओर उस पर लगातार विदेशों से लिया कर्ज उतारने का दबाव बनाया जा रहा है। सिक्योरिटीज फर्म ओपटिमस कैपिटल मैनेजमेंट के हवाले से बताया है कि पाकिस्तान को 12 महीने के भीतर विदेशी कर्ज चुकाना होगा। विदेशी और पुराने कर्ज मिलाकर पाकिस्तान को कुल 21 लाख करोड़ रुपये देने हैं।

जनवरी तक ही देने होंगे 72 हजार करोड़ – सिक्योरिटी फर्म के मुताबिक 21 लाख करोड़ में से दिसंबर और जनवरी 2023 में ही पाकिस्तान को 72 हजार करोड़ रुपये देने होंगे। पिछले 11 महीनों में पाकिस्तान का फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व लगातार कम होता जा रहा है। यह स्थिति भी तब है जब पाकिस्तान को लगातार आईएमएफ और एशियन डेवेलेपमेंट बैंक से हाल ही के महीनों में लोन मिला है।

विकसित देशों के मुकाबले भारत में महंगाई सबसे कम, बेहतर रहा प्रबंधन

नई दिल्ली।

आर्थिक मंदी की आशंका के बीच बढ़ती महंगाई पर काबू पाने के लिए दुनियाभर के केंद्रीय बैंक ब्याज दरों में आक्रामक तरीके से इजाफा कर रहे हैं। भारत ने भी नीतिगत दरों में बढ़ोतरी की है। लेकिन, महंगाई के प्रबंधन के मोर्चे पर भारत ने अमेरिका, ब्रिटेन और जर्मनी जैसे विकसित देशों के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन किया है। सितंबर, 2021 से तुलना करने पर पता चलता है कि इन देशों की तुलना में भारत में महंगाई सबसे कम बढ़ी है। एसबीआई ने ईकोरैप रिपोर्ट में कहा कि वैश्विक अनिश्चितता के इस दौर में भारत उम्मीद की एक किरण की तरह दिख रहा है। इसने खाद्य कीमतों, जीवन-यापन और ऊर्जा की लागत के मोर्चे पर अमेरिका, ब्रिटेन और जर्मनी जैसे विकसित देशों से बेहतर प्रदर्शन किया है। विभिन्न देशों में लागत की तुलना उनकी मुद्रा के बजाय रुपये में परिवर्तित कर की गई हैं। एसबीआई के मुख्य अर्थशास्त्री सौम्य कांति घोष ने कहा कि यूक्रेन संघर्ष की शुरुआत के बाद से विकसित और उभरती अर्थव्यवस्थाओं में विभिन्न मोर्चे पर कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। अनिश्चितताओं के भंवर में फंसकर अर्थव्यवस्थाएं तबाह हो रही हैं। लेकिन, भारत ठोस प्रबंधन के दम पर अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। घोष ने अपनी रिपोर्ट में वर्तमान

वैश्विक आर्थिक स्थिति की तुलना प्रसिद्ध संगीत नाटक विकेड से की है। उन्होंने कहा, इस नाटक में एक प्रसिद्ध चरित्र ग्लिंडा गर्व से इस बात की घोषणा करती है कि उसके नाम में अक्षर जी साइलेंट है। इसी तरह, ऐसा लगता है कि अच्छा शब्द इस समय वैश्विक अर्थव्यवस्था से अस्थायी रूप से गायब हो गया है। आईएमएफ प्रमुख क्रिस्टलिना जॉर्जीवा ने कहा, बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सुस्ती से एशियाई देशों में महंगाई का दबाव लगातार बढ़ रहा है। इससे वैश्विक विकास दर में दो फीसदी गिरावट की आशंका है। आखिरी बार इसी तरह का दबाव 2009 के वैश्विक वित्तीय संकट और कोरोना महामारी के दौरान देखा गया था।

लोगों ने एफडी पर लिया सर्वाधिक 43.4प्रतिशत कर्ज, कोरोना के बाद पर्सनल लोन लेने वालों की संख्या बढ़ी

नई दिल्ली ।

कोरोना के बाद पर्सनल लोन की रफ्तार में भारी तेजी आई है। बैंकों के 129 लाख करोड़ रुपये के कर्ज में पर्सनल लोन का हिस्सा 31.4प्रतिशत है। इसमें भी दिलचस्प यह है कि लोगों ने एफडी के एवज में ज्यादा लोन लिया है। क्रेडिट कार्ड से कर्ज लेने में 28.4प्रतिशत की वृद्धि आई है। बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट के अनुसार, अक्तूबर, 2021 में कृषि लोन की वृद्धि दर 10.8प्रतिशत थी जो इस साल अक्तूबर में 13.6प्रतिशत रही है। इंडस्ट्री की वृद्धि 3.3 से बढ़कर 13.6प्रतिशत रही है। सेवाओं को दिए जाने वाले कर्ज में इस साल 22.5प्रतिशत की बढ़त रही जो एक साल पहले केवल 2.8प्रतिशत थी। पर्सनल लोन की वृद्धि दर 12.6प्रतिशत से बढ़कर 20.2प्रतिशत हो गई है। इंडस्ट्री में मध्यम कंपनियों के कर्ज में वृद्धि 31प्रतिशत से बढ़कर 35 फीसदी हो गई है। बड़ी कंपनियों

की वृद्धि दर 0.4प्रतिशत से बढ़कर 10.9प्रतिशत रही। सूक्ष्म एवं छोटी कंपनियों का कर्ज 20.4प्रतिशत बढ़ा है जो एक साल पहले 14.6 फीसदी था। सेवा क्षेत्र में सबसे ज्यादा बढ़त एनबीएफसी की रही है। पिछले साल इसमें केवल 1.4प्रतिशत की बढ़त थी जो अब 38 फीसदी है। रियल एस्टेट के कर्ज में 10.1प्रतिशत की बढ़त आई है जो पिछले साल 2.2 फीसदी की गिरावट में था। अक्तूबर तक बैंकों के कर्ज में 17.9प्रतिशत की तेजी आई थी। एक साल पहले यह 6.8प्रतिशत थी। कुल लोन में विनिर्माण का 27.4प्रतिशत और सेवाओं का हिस्सा 27.6प्रतिशत है। कृषि का हिस्सा 13.2प्रतिशत है। इंडस्ट्री कर्ज में बड़ी कंपनियों का हिस्सा 76.5प्रतिशत है।

महिलाओं को नौकरी देने में टीसीएस अव्वल

500 मूल्यवान कंपनियों के बोर्ड में 16प्रतिशत डायरेक्टर्स महिलाएं, रिलायंस देश की सबसे मूल्यवान कंपनी

नई दिल्ली।

हुरुन इंडिया की देश की सबसे मूल्यवान 500 कंपनियों की लिस्ट में टॉप 10 महिला नियोक्ताओं में भारत की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने पहला स्थान हासिल किया है। कंपनी में करीब 35प्रतिशत यानी 2.1 लाख महिला कर्मचारी हैं। लिस्ट में शामिल 500 में से 410 कंपनियों ने अपने बोर्ड में महिलाओं को प्रतिनिधित्व दिया है।

इन कंपनियों ने पिछले एक साल में 3.9 लाख नई नौकरियां दी हैं। इनमें पहले से ही 11.6 लाख महिलाएं काम कर रही हैं। आईटी प्रमुख इंफोसिस में 1,24,498

महिलाएं काम करती हैं। विप्रो में 88,946 और एचसीएल टेक्नोलॉजीस में 62,780 महिलाएं कार्यरत हैं। इन कंपनियों में 40प्रतिशत, 36प्रतिशत, और 28प्रतिशत महिला कर्मचारी कार्यरत हैं।

देश की सबसे मूल्यवान लिस्टेड कंपनी रिलायंस

मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड 17.25 लाख करोड़ रुपए वैल्यू के साथ देश की सबसे मूल्यवान लिस्टेड कंपनी के रूप में उभरी है। टीसीएस देश की दूसरी और ।ष्टस्नष्ट बैंक भारत की तीसरी सबसे मूल्यवान लिस्टेड कंपनी है। गौतम अडाणी की दो कंपनियां अडाणी टोटल गैस और अडाणी एंटरप्राइजेस इस लिस्ट में है।

सरकारी कंपनियों में एसबीआई पहले नंबर पर

सरकारी कंपनियों की बात करें तो स्टेट बैंक ऑफ इंडिया सर्वाधिक 14प्रतिशत ग्रोथ के साथ रैंकिंग में पहले स्थान पर रहा है। इसके साथ ही पॉलिसी बाजार, पेटीएम, जोमैटो और नाइका जैसे स्टार्टअप के मूल्यांकन में भी तगड़ी गिरावट आई है। वैक्सीन निर्माता कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया सूची में 2.19 लाख करोड़ रुपए के मार्केट कैप के साथ देश की सबसे मूल्यवान अनलिस्टेड कंपनी है।

664 महिलाएं बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में शामिल

500 सबसे मूल्यवान कंपनियों में महिलाओं को निदेशक मंडल में 16प्रतिशत स्थान मिला है। इन कंपनियों में 664 महिलाओं को बतौर डायरेक्टर शामिल किया है। अपोलो हॉस्पिटल एंटरप्राइजेस ने सबसे ज्यादा 6 महिलाओं को बोर्ड में जगह दी है जबकि गोदरेज कंज्यूमर्स, पीरामल और इंडिया सीमेंट्स ने 5-5 महिला डायरेक्टर्स नियुक्त किए हैं।

मुझे फैन मेल्स पर बहुत भद्दे कमेंट्स आते थेः गीता कपूर

-कोरियोग्राफर और डांसर का बॉडी शेमिंग पर छलका दर्द

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड कोरियोग्राफर और डांसर गीता कपूर को भी कई बार ट्रोल किया गया है। उनके बारे में भद्दी-भद्दी बातें कही गई हैं। उन्हें लोगों के खूब ताने भी सुनने को मिले थे। इस बारे में खुद गीता कपूर ने मनीष पॉल के पॉडकास्ट में खुलासा किया है। गीता कपूर जीटीवी के डांस रियलिटी शो डांस इंडिया डांस से जज करना शुरू किया था। इस दौरान उनके को-जज थे रेमो डिसूजा और टेरेंस लेविस। इसके बाद तो वह छोटे पर्दे पर गीता मां के नाम पर मशहूर हो गईं। उन्होंने जज बने रहने का सिलसिला बरकरार रखा और तमाम रियलिटी शोज का हिस्सा बनी रहीं और कंटेस्टेंट्स पर प्यार बरसाती रहीं लेकिन लोगों ने उन पर तंज कसना नहीं छोड़ा। मनीष पॉल के पा-ॅडकास्ट में गीता ने बताया उन्हें लोग मेल करते थे और कहते थे कि वह काम छोड़े दें क्योंकि वह भैंस जैसी मोटी थीं। मुझे फैन मेल्स पर बहुत भद्दे कमेंट्स आते थे। एक दिन मैं बहुत दुखी हुई और सोचने लगी कि आखिर हुआ क्या था। क्यों लोग मेरे काम को नहीं देख रहे हैं? मैं दो आदमियों के बीच में बैठ रही हूं और वहां अपनी जगह बनाने की कोरिश कर रही हूं लेकिन ये कोई नहीं देख रहा है।गीता कपूर ने आगे कहा जो मेहनत मैं कर रही हूं वो कोई नहीं देख रहा है। सभी मुझसे ये पूछते हैं कि मैं यहां क्या कर रही हूं? लोग मुझे मोटी कहने लगे। कहने लगे तुम भैंस की तरह दिखाई देती हो। जाहिर सी बात है कि टेरेंस दिखने में अच्छा है और रेमो की भी अपनी अलग पर्सनालिटी थी तो लोग ऐसे थे कि मैं यहां क्यों हूं? कहते थे- मोटी भैंस हो गई हो। गीता कपूर ने इस पॉडकास्ट में ये भी बताया था कि टेरेंस के कपड़ों की वह तारीफ करती थीं। कहती थीं कि उनके जैकेट्स और शूज काफी कूल लग रहे हैं। इस पर टेरेंस कोरियोग्राफर गीता को बिल दिखाते और कहते कि ये सब सिर्फ 100 रुपये के हैं। इतना सुनते ही मनीष की हंसी छूट जाती है। बाद में वह बताती हैं कि वह ब्रांड्स में यकीन नहीं करती हैं क्योंकि उन्हें ब्रांड्स कभी फिट ही नहीं आए।

कृति ने लिखा न तो प्यार है न ही पीआर

-प्रभास के साथ डेटिंग की अफवाहों पर एक्ट्रेस ने कहा

मुंबई (ईएमएस)। एक्ट्रेस कृति सनोन ने अब प्रभास के साथ अपने रिलेशनशिप स्टेटस पर सफाई दी है और अपनी रोमांटिक लाइफ को लेकर सभी अफवाहों को खारिज किया है। कृति ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा न तो प्यार है न ही पीआर। हमारा भेडिय़ा एक रियलिटी शो में कुछ ज्यादा ही जंगली हो गया था और उनके मजेदार मजाक ने कुछ चीख-पुकार भरी अफवाहों को जन्म दिया। इससे पहले कि कोई पोर्टल मेरी शादी की तारीख की घोषणा करे- मुझे अपना बुलबुला फोडऩे दीजिए। अफवाहें बिल्कुल निराधार हैं! कृति और प्रभास पर वरुण की टिप्पणी के बाद पिछले कुछ दिनों में कई ब्लाइंड आइटम और रिपोर्ट्स भी सामने आईं जिसमें बताया गया था कि कैसे प्रभास कृति को प्रपोज करने की योजना बना रहे हैं और दोनों जल्द ही शादी के बंधन में बंधने की योजना बना रहे हैं। अफवाहों ने जोर पकड़ा जब झलक दिखला जा के सेट पर वरुण ने करण जौहर से कहा कि कृति का दिल किसी और का है। उन्होंने जारी रखा कि वह व्यक्ति दीपिका पादुकोण के साथ शूटिंग कर रहा है यह पुष्टि करते हुए कि यह प्रभास हैं जो वर्तमान में प्रोजेक्ट के में व्यस्त हैं जिसमें दीपिका हैं। इस वीडियो की क्लिप वायरल हो गई और लोग इस खबर से काफी हैरान रह गए। कृति और प्रभास के बारे में अफवाहें उस समय से चल रही हैं जब कृति ने एक साक्षात्कार में कहा था कि वह प्रभास से शादी करेंगी।

जब कृति से पूछा गया कि वह कार्तिक आर्यन टाइगर श्रॉफ और प्रभास में से किससे शादी करेंगी फ्लर्ट करेंगी या डेट करेंगी तो उन्होंने जवाब दिया मैं कार्तिक के साथ फ्लर्ट करूँगी टाइगर को डेट करूँगी और प्रभास से शादी करूँगी। जबकि कृति ने अपनी शादी की योजना पर कोई टिप्पणी नहीं की है प्रभास ने इंडियन एक्सप्रेस डॉट कॉम के साथ पहले के एक साक्षात्कार में कहा था कि उसने अपने माता-पिता से वादा किया था कि वह बाहुबली के बाद शादी करेगा और उसके माता-पिता चाहते हैं कि वह जल्द से जल्द शादी कर ले। यह स्वीकार करते हुए कि वह शादी कर लें घर बसा लें और परिवार शुरू करें के दबाव का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा था ये बातचीत हमेशा घर पर होती है। यह बहुत ही सामान्य है। हर मां की तरह मेरी मां भी चाहती हैं कि मैं घर बसा लूं और बच्चे पैदा कर लूं। बाहुबली के दौरान मैंने उससे कहा कि मुझे फिल्म पूरी करने दो और फिर मैं शादी के बारे में सोचूंगा। अब मेरे पास कोई विकल्प नहीं है इसलिए मैं उसे तनाव न लेने के लिए कहता हूं। जब होना होगा तब होगा। जाहिर है मैं शादी करके घर बसाना चाहता हूं लेकिन यह सही समय पर होगा।

कंफ्यूजन के कारण फ्रेंचाइजी से बाहर हो गए थे शरमन

- फिल्म गोलमाल के एक्टर ने खुद किया खुलासा

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड के फिल्म डायरेक्टर रोहित की फिल्म गोलमाल के बाकी पार्ट्स में शरमन जोशी कहीं नजर नहीं आए थे। शरमन जोशी ने खुद इस बात से पर्दा उठाया है कि वह फिल्म के बाकी पार्ट में क्यों नजर नहीं आए थे। गोलमाल सीरीज के पहला पार्ट साल 2006 में रिलीज हुआ था जिसमें अजय अरशद तुषार और शरमन ने अहम भूमिकाओं में नजर आए थे। बातचीत में शरमन ने बताया था कि उनके मैनेजमेंट के साथ कंफ्यूजन के कारण वह इस फ्रेंचाइजी से बाहर हो गए थे। उन्होंने बताया कि मेरी मैनेजमेंट टीम ठीक ढंग से बात नहीं कर पाई थी। जिस वजह से मैं आगे की फिल्मों का हिस्सा नहीं बन पाया था। और फिर फीस भी एक बड़ी वजह थी। मेरी फीस से मेकर्स बहुत ज्यादा कंफर्टेबल नहीं थे। उन्हें लगा था कि मैंने बहुत ज्यादा फीस डिमांड कर दी है। मुझे पता नहीं था कि यह सब बातें चल रही है लेकिन जैसे ही मुझे पता चला मैंने उन्हें अप्रोच किया। इसके बाद हमें पैसों को लेकर भी कोई प्रॉब्लम नहीं था। शरमन जोशी ने अब तक जो भी काम किया फैंस ने उन्हें खूब प्यार दिया। अपने अब तक के एक्टिंग करियर में उन्होंने स्टाइल थ्री इडियट्स रंग दे बसंती लाइफ इन ए मेट्रो ढोल गोलमाल और मिशन मंगल जैसी फिल्मों में कई बेहतरीन किरदार निभाए हैं। वह अपनी एक्टिंग का लोहा मनवा चुके हैं। ऐसे में यह देखना काफी दिलचस्प होगा कि क्या वह गोलमाल सीरीज की अगली फिल्म में नजर आते हैं या नहीं। बता दें कि डायरेक्टर रोहित शेट्टी की सुपरहिट फिल्म गोलमाल में लक्ष्मण का किरदार निभाकर शरमन जोशी ने खूब वाहवाही लूटी थी। इस फिल्म में शरमन जोशी के किरदार को काफी पसंद किया गया था। बात अगर गोलमाल 5 की करें तो एक बार फिर अजय देवगन लीड रोल में नजर आने वाले हैं। तुषार कपूर श्रेयस तलपड़े कुणाल खेमू और अरशद वारसी भी इसमें धमाल मचाते हुए नजर आने वाले हैं।

आशुतोष राणा नजर आएगें पुलिस की भूमिका में

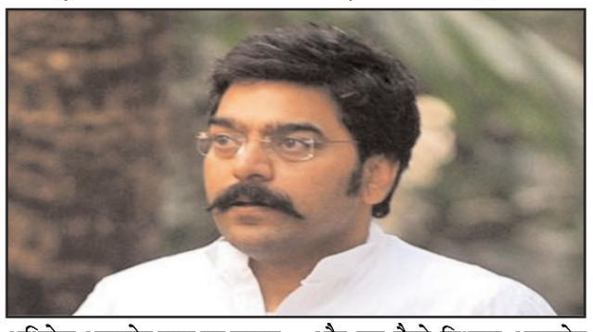

अभिनेता आशुतोष राणा का कहना है कि वह खाकी : द बिहार चैप्टर में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं।एक ऐसा अधिकारी जो अपना जीवन पूरी तरह से जीता हैं लेकिन बिहार में व्यवस्था बनाए रखता है। फिल्मकार नीरज पांडे के निर्देशन में बनी नेटफ्लिक्स की खाकीः द बिहार चैप्टर में कई प्रतिभाशाली कलाकार हैं। आशुतोष राणा एक पुलिस वाले मुक्तेश्वर की भूमिका निभाते हैं जो अमित लोढ़ा के साथ मिलकर काम करता है। अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए और यह कैसे निभाया आशुतोष राणा ने साझा किया मुक्तेश्वर अमित के दोस्त/मार्गदर्शक/दार्शनिक हैं। मुक्तेश्वर समस्या से दूर जाने में उनकी मदद करते हैं और समाधान के लिए उनका मार्गदर्शन करते हैं।इसलिए जब भी मुक्तेश्वर स्क्रीन पर आते हैं चरित्र की दिशा और स्थिति बदलती है। मेरे लिए मेरा चरित्र वह है जिसका अपना दर्शन है। वह बहुत उद्यमी है और जीवन को पूरी तरह से जीता है। और यहां तक कि कठिन परिस्थितियों में भी वह अपना आपा नहीं खोता है।

टीना-अब्दु या साजिद नहीं प्रियंका बन सकती हैं बिग बॉस-16 की विजेता : गोरी नागोरी

मुंबई (ईएमएस)। बिग बॉस-16 शुरू हुए दो हफ्ते पूरे हो गए हैं। इतने दिनों में घर में चार एविक्शन भी हो चुके हैं। अब तो शो फिनाले के करीब है ऐसे में घर में कौन मजबूत है और शो को जीत सकता है इसपर चर्चा तेज हो गई है। घर से बेघर हो चुकी फोक डांसर गोरी नागोरी ने इस राज से पर्दा उठाया है कि इस शो का विनर कौन बनने वाला है। गोरी नागोरी घर से बाहर जाने वाली तीसरी कंटेस्टेंट हैं। वह बाहर जाकर काफी खुश हैं। गोरी ने कहा कि मैं बाहर जाना चाहती थी क्योंकि यह वहां माहौल काफी जहरीला हो रहा था। मैं एक गेम के लिए खुद को गिरा नहीं सकती। खुश हो कर गई थी खुशी से ही वापस आ गई। मुझे शो का हिस्सा बनने देने के लिए मैं हमेशा निमार्ताओं का आभारी रहूंगी। आगे उन्होंने कहा शुरूआत में यह मेरे लिए थोड़ा मुश्किल था लेकिन जैसे-जैसे मेरे कुछ दोस्त बने यह बेहतर होता गया। बाद में उन दोस्तों ने ही मेरी पीठ में छुरा घोंपा मेरा सफर छोटा था लेकिन मजेदार था। बीबी हाउस में अपने एक दोस्त एमसी स्टैन के बारे में बात करते हुए गोरी कहती हैं मैंने उस पर भरोसा किया उसके लिए लड़ी उसके लिए खड़ी हुई जब भी उसे मेरी जरूरत थी लेकिन उसने मेरे साथ गेम खेला। मुझे स्टैन के साथ अपनी दोस्ती पर पछतावा है। इतना ही नहीं मुझे शिव ठाकरे पर भी बहुत भरोसा था लेकिन उसने और ज्यादा बुरा बोला मेरे बारे में। मुझे पता था कि वह और उसका ग्रुप मेरे आसपास खुश नहीं थे लेकिन इतना सब बोलेगा मेरे बारे में यह नहीं सोचा था। राजस्थानी डांसर को यह भी लगता है कि फिल्म निमार्ता साजिद खान ने उन्हें घर के अंदर निशाना बनाया। साजिद सर ने सोचा कि मैं उनके बुरा बोलती हूं इसलिए मुझे निशाना बनाना शुरू कर दिया। वह बेवजह मुझसे लड़ रहा थे लेकिन मैं उससे बिल्कुल नहीं डरी। वह कुछ करते नहीं हैं बस बोलते ही हैं। शो कौन जीतेगा इस सवाल पर गोरी नागोरी ने कहा घर में प्रियंका अब तक अच्छा खेल रही हैं। सिर्फ अपने लिए ही नहीं बल्कि अंकित के लिए भी। वह हर मुद्दे पर अपनी राय रखती हैं उनमें विजेता बनने के सारे गुण हैं।

कर्म अंततः सभी के पीछे आता है : अर्जुन कपूर

बालीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर ने अपनी गर्लफ्रेंड मलाइका अरोड़ा के गर्भवती होने की खबर को अनैतिक और असंवेदनशील बताते हुए एक मीडिया पोर्टल की आलोचना की। उसके बाद अर्जुन ने अपने सोशल मीडिया पर एक रहस्यमयी पोस्ट साझा की है। अर्जुन ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा कर्म अंततः सभी के पिछे आता है। आप अपने पूरे जीवन में लोगों से पंगा नहीं ले सकते मुझे परवाह नहीं है कि आप कौन हैं। जो जाता है वह आता है। इस तरह यह काम करता है। जल्दी या बाद में ब्रह्मांड आपको बदला देगा जिसके आप हकदार हैं।एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि अर्जुन और मलाइका जो 2019 से डेटिंग कर रहे हैं अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं। इशकजादे स्टार ने सभी दावों को तुरंत खारिज कर दिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा इससे नीचे आप नहीं गिर सकते। असंवेदनशील और बिल्कुल अनैतिक। बकवास खबरें चलाने में। यह पत्रकार नियमित रूप से इस तरह के टुकड़े लिखता रहा है और इससे दूर हो गया है क्योंकि हम इन फर्जी गपशप लेखों को नजर-अंदाज करते हैं जबकि वे मीडिया में फैलते हैं और सच बन जाते हैं।

काजोल ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को बताया आगे की सोच रखने वाली

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री सबसे आगे की सोच रखने वाली और प्रोग्रेसिव इंडस्ट्रियों में से एक है। यह कहना है बालीवुड अभिनेत्री काजोल का। काजोल ने कहा कि हिंदी फिल्मों को जिस संघर्ष का सामना करना पड़ रहा है वह सिर्फ बॉलीवुड तक ही सीमित नहीं है बल्कि इसमें दुनिया भर की फिल्में शामिल हैं। अभिनेत्री काजोल ने बताया कि मैं सच में मानती हूं कि हमारी हिंदी फिल्म इंडस्ट्री सबसे आगे की सोच रखने वाली इंडस्ट्रियों में से एक है और हमारे पास इस तथ्य के लिए कोई विकल्प नहीं है कि इस पर बहुत सारा पैसा सवार है और बहुत सारे हितधारक हिंदी फिल्मों में शामिल हैं।

फिल्म चंद्रमुखी-2 को लेकर हो रही कंगना की चर्चा

पंगा क्वीन के नाम से मशहूर एक्ट्रेस कंगना रनौत एक बार फिर से चचाओं में आई हैं। इस बार उनकी चर्चा तमिल फिल्म चंद्रमुखी-2 को लेकर हो रही है जिसके लिए उन्हें बतौर नायिका साइन किया गया है। चंद्रमुखी 2 वर्ष 2005 में आई क्लासिक हॉरर कॉमेडी फिल्म चंद्रमुखी का सीक्वल है। इस बात की जानकारी खुद कंगना ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर दी है कि उन्हें चंद्रमुखी 2 के लिए फाइनल कर लिया गया है। इस फिल्म का निर्देशन पी वासु करेंगे। कंचना सीरीज के लिए ख्यात तमिल अभिनेता राघव लॉरेंस उनके अपोजिट नजर आएंगे। राघवल लारेंस ने कंचना के एक भाग को हिन्दी में रीमेक किया था जिसमें मुख्य भूमिका अक्षय कुमार ने निभाई थी। इस फिल्म के निर्देशन के दौरान उनकी निमार्ता व अभिनेता से अनबन हो गई थी लेकिन बाद में आपसी समझौते के बाद उन्होंने इसे पूरा किया था। कोविड के दौरान इसे ओटीटी पर प्रदर्शित किया गया था।बता दें कि कंगना रनोत इन दिनों स्वयं के निर्देशन में बन रही फिल्म इमरजेंसी में व्यस्त हैं।

ऋषि के इमोशनल ट्रैक पर परफॉर्मेंस से दंग रह गए जीतेंद्र

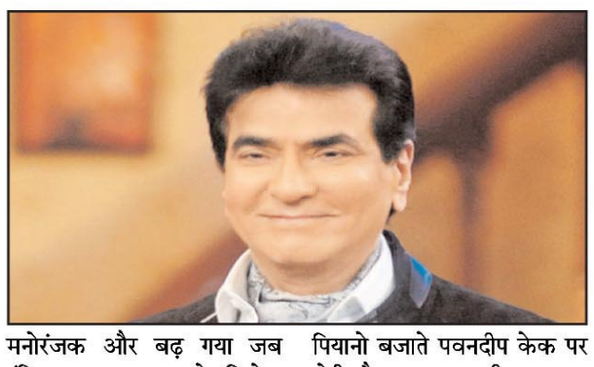

मुंबई (ईएमएस)। अपने जमाने में जंपिंग जैक के नाम से पहचाने बनाने वाले अनुभवी अभिनेता जितेंद्र इंडियन आइडल 13 के प्रतियोगी ऋषि सिंह के इमोशनल ट्रैक शायद पर परफॉर्मेंस से दंग रह गए। मशहूर अभिनेता जीतेंद्र अपने स्टाइल स्टेटमेंट और डांसिंग स्किल्स के लिए जाने जाते थे जिसके कारण उन्हें बॉलीवुड के जंपिंग जैक कहा जाता था। वह सिंगिंग रियलिटी शो में एक सेलिब्रिटी अतिथि के रूप में दिखाई दिए और ऋषि द्वारा रोमांटिक गीत के सही गायन से प्रभावित हुए। जितेंद्र ने प्रतियोगी की प्रशंसा करते हुए कहा शानदार गायन ऋषि। मैं अपने सुनहरे दौर के गाने सुनता हूं लेकिन यह गाना सुनने में बहुत ताजा और इतना सुंदर था। शो का मनोरंजक और बढ़ गया जब इंडियन आइडल 12 के विजेता पवनदीप राजन पियानो पर ऋषि के साथ शामिल हो गए।जज और गायिका नेहा कक्कड़ ने भी पूरे प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा क्या पल था यह बहुत सुंदर था। ऋषि जिस तरह से आपने गाया वह बहुत सुंदर था और दूसरी ओर पियानो बजाते पवनदीप केक पर चेरी जैसा था। पवनदीप आपका बड़प्पन है कि आप यहां आएं और आपने ऋषि का साथ दिया आप सच्चे विजेता हैं। बता दें कि जीतेंद्र ने फर्ज एक हसीना दो दीवाने हिम्मतवाला हमजोली धरती कहे पुकार के मेरे हमसफर सहित कई हिट फिल्में दी हैं।

सूडोकु नवताल- 6538

सरल

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6537 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली - 7602

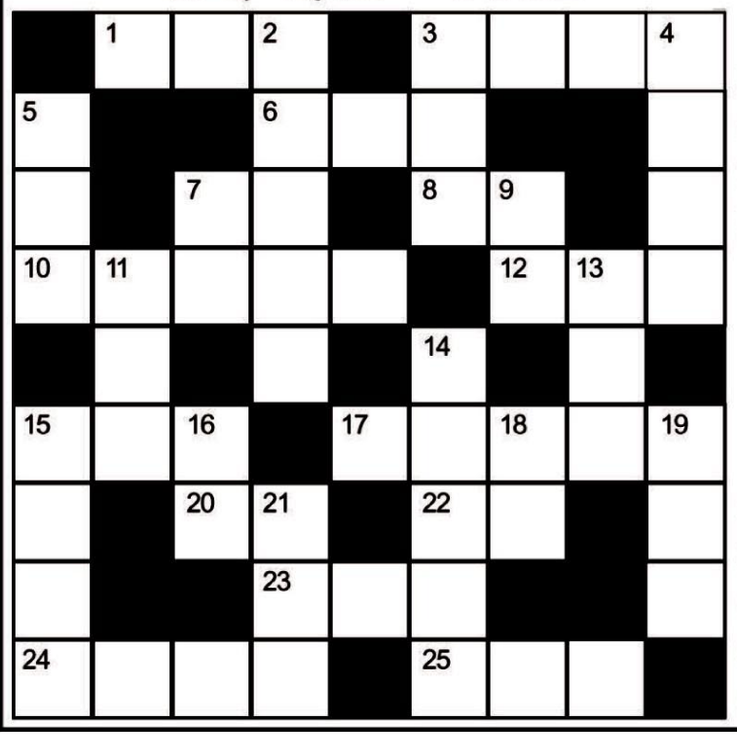

बाएँ से दाएँ

1. लालसा, मांग-3
3. मोटरगाड़ी-4
6. दरवाजे पर दी गई थाप-3
7. मां की माता-2
8. पार्थिव देह-2
10. संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, माधुरी की फिल्म-5
12. स्वदेश, जन्मभूमि-3
15. पाबंदी, रोक-3
17. आश्चर्यचकित होना-5
20. नासिका-2
22. आनेवाला दिन-2
23. समतल-3
24. शमशीर, कृपाण -4
25. फिजूल, व्यर्थ-3

ऊपर से नीचे

2. दुर्जन, बेइमान-5
3. जिसके सिर पर बल न हो, गंजा-3
4. साहूकार, व्यापारी-4
5. जांच, परीक्षण-3
7. मां के पिता-2
9. लाश-2
11. तरुणी, किशोरी-3
13. कार्यविधि-3
14. बेइज्जत होना-2-3
15. हाथी साधने वाला -4
16. मेहंदी-2
18. ताकत, जोर-2
19. अभिनेत्री-3
21. कमी-3

शब्द पहेली -7601 का हल

प	र	व	र	दि	गा	र		
	च		ह		ड़ी		अ	
आ	ना		मा	ल	वा		दा	म
रा		म	न		न	ल		न
म	ही	न				ल	की	र
दे		न	स		ह	क		ख
ह	त्या		र	न	र		का	ना
	ग		ह		द		फि	
		ब	द	ना	म	क	र	ना

Jagrutidaur.com, Bangalore

राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता लक्ष्य सेन के खिलाफ एफआईआर दर्ज, उम्र में हेराफेरी का आरोप

बेंगलुरु।

अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित और बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता शटलर लक्ष्य सेन पर उम्र का गलत विवरण देने का आरोप लगा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बेंगलुरु में उनके खिलाफ इस मामले में एफआईआर भी दर्ज किया गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, लक्ष्य सेन पर जूनियर स्तर पर प्रतिस्पर्धा करते हुए आयु-प्रतिबंधित टूर्नामेंटों में प्रवेश पाने के लिए अपनी उम्र में हेरफेर करने का आरोप लगा है।

शिकायतकर्ता भी बैडमिंटन एकेडमी चलाता है - ेंगलुरु पुलिस ने नागराजा एमजी नाम के शख्स की शिकायत के बाद लक्ष्य और उनकी बैडमिंटन एकेडमी के एक कोच के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। नागराजा शहर में एक बैडमिंटन एकेडमी भी चलाते हैं। हाल ही में एक स्थानीय अदालत ने पुलिस को 21 वर्षीय लक्ष्य के खिलाफ आरोपों की जांच करने का निर्देश दिया था। लक्ष्य बेंगलुरु में प्रकाश पादुकोण बैडमिंटन एकेडमी में प्रशिक्षण लेते हैं।

लक्ष्य का परिवार और कोच का भी नाम - एफआईआर में नामित लोगों में लक्ष्य, उनके कोच विमल कुमार, उनके पिता धीरेंद्र सेन, उनके भाई चिराग और मां निर्मला सेन के नाम शामिल हैं। चिराग खुद बैडमिंटन खिलाड़ी हैं और धीरेंद्र भारतीय खेल प्राधिकरण में कोच हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नागराजा का आरोप है कि कोच विमल ने 2010 में लक्ष्य के माता-पिता के साथ मिलकर एक जन्म प्रमाण पत्र बनाया, जिसमें चिराग और लक्ष्य के उम्र में हेराफेरी की गई है। इससे वह आयु-समूह टूर्नामेंट में भाग लेने में सक्षम हो गए। अन्यथा वह प्रतिस्पर्धा करने में अयोग्य होते।

शिकायतकर्ता का क्या कहना है - शिकायतकर्ता का कहना है कि कर्नाटक बैडमिंट एसोसिएशन और कोच विमल कुमार के सहयोग से लक्ष्य ने आयु वर्ग से नीचे के प्रतियोगियों के खिलाफ खेलना शुरू किया। साथ ही उम्र को लाभ के रूप में इस्तेमाल करते हुए लक्ष्य ने कई टूर्नामेंट जीते और सरकार से कई लाभ प्राप्त किए। इससे अन्य प्रतिभाशाली बच्चों का नुकसान हुआ। शिकायतकर्ता का कहना है कि लक्ष्य का जन्म 1998 में हुआ, जबकि रिकॉर्ड बताते हैं कि लक्ष्य का जन्म 2001 में हुआ था।

कोच विमल कुमार ने आरोपों से किया इनकार - हालांकि, कोच विमल कुमार ने प्राथमिकी में लगाए गए आरोपों से अवगत होने से इनकार किया है। उन्होंने कहा- मुझे तो शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए आरोपों की जानकारी भी नहीं है। इसमें मेरी कोई भूमिका नहीं है। लक्ष्य हमारे एकेडमी में आया और मैंने उसे 2010 से किसी भी अन्य बच्चे की तरह प्रशिक्षित किया। मैंने सुना था कि एक परिवार एकेडमी और मेरी छवि खराब करने की कोशिश में लगा था, लेकिन इससे हमें कभी कोई परेशानी नहीं हुई।

न्यूज ब्रीफ

दीपक चाहर का सामान विमान से गायबः मलेशियन एयरलाइंस की बदइंतजामी पर भड़के ऑलराउंडर

चटगांव। भारतीय ऑलराउंडर दीपक चाहर सहित टीम इंडिया के कुछ खिलाड़ियों का न्यूजीलैंड से बांग्लादेश की यात्रा के दौरान सामान खो गया है। चाहर ने इसके लिए मलेशियन एयरलाइंस को दोषी ठहराया। उन्होंने सोशल मीडिया पर मलेशियन एयरलाइंस को टैग करते हुए अपना गुस्सा जाहिर किया है। चाहर ने यह भी आरोप लगाया कि यात्रा के दौरान फ्लाइट में उन्हें और उनके टीम के साथियों को सही से खाना भी नहीं दिया गया। चाहर के सोशल मीडिया पोस्ट के बाद मलेशियन एयरलाइन्स ने असुविधा के लिए माफी मांगी है। दरअसल टीम इंडिया को रविवार से बांग्लादेश के खिलाफ उसके घर में तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलनी है। वनडे टीम में शामिल सदस्य न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज खेलने के बाद डायरेक्ट बांग्लादेश के लिए रवाना हो गए। चाहर टीम इंडिया के अन्य खिलाड़ी मोहम्मद सिराज, शार्दूल ठाकुर, शिखर धवन, शुभमन गिल और वाशिंगटन सुंदर के साथ क्वालालंपुर होते हुए मलेशियन एयरलाइन्स से ढाका पहुंचे। जबकि उमरान मलिक और सूर्यकुमार यादव भारत आ गए। उधर, चोट के कारण मोहम्मद शमी टीम से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह उमरान मलिक को वनडे सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है। वे जल्द ही टीम के साथ जुड़ेंगे। चाहर ने प्रैक्टिस सेशन से पहले सोशल मीडिया पर पोस्ट कर यात्रा के दौरान हुई असुविधा की जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि मलेशियन एयरलाइंस में यात्रा का अनुभव काफी खराब रहा। मैच खेलना है, 24 घंटे हो चुके हैं। अभी तक मेरा और मेरे कुछ साथियों का सामान भी नहीं मिला है।

18 साल के रुद्रांक्ष ने आईएसएसएफ प्रेसिडेंट कप का खिताब जीता, फाइनल में इटैलियन शूटर को हराया

काहिरा। भारतीय शूटर रुद्रांक्ष पाटिल ने 2022 सीजन का अंत शानदार अंदाज में किया है। उन्होंने इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन प्रेसिडेंट कप का खिताब अपने नाम किया। यह टूर्नामेंट मिस्र के काहिरा में आयोजित हुआ। 10 मीटर राइफल के प्लेऑफ में रुद्रांक्ष ने इटली के डेनिलो सोलाजो को 16-8 से हरा दिया। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने भी रुद्रांक्ष को बधाई दी है। उन्होंने ट्वीट किया- रुद्रांक्ष ने 2022 को एक धमाकेदार अंदाज के साथ खत्म किया। 10 मीटर राइफल प्ले-ऑफ में सोलाज़ो को 16-8 से हराकर आईएसएसएफ प्रेसिडेंट कप जीता। बधाई हो, पूरे भारत को आप पर गर्व है। सभी महाद्वीपों से 43 आईएसएसएफ सदस्य संघों का प्रतिनिधित्व करने वाले 42 देशों के एथलीट इस प्रतियोगिता में भाग लेने पहुंचे हैं। वे सभी 2022 विश्व रैंकिंग के अनुसार व्यक्तिगत ओलंपिक स्पर्धाओं में 12 शीर्ष स्थान पर हैं। प्रतियोगिता 28 नवंबर से चार दिसंबर तक काहिरा में आयोजित हो रही है।

ऑस्ट्रेलिया ने चौथे मैच में भारत को 5-1 से हराया, 3-1 की अजेय बढ़त हासिल की

एडिलेड। भारतीय हॉकी टीम फिलहाल ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर है। वहां दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की सीरीज खेली जा रही है। इस सीरीज के चौथे मैच में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 5-1 से करारी शिकस्त दी। इस हार के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। आखिरी मैच रविवार को खेला जाएगा। एडिलेड में खेले गए मुकाबले में भारत ने पहले दो क्वार्टर में शानदार खेल दिखाया। पहले क्वार्टर में भारतीय टीम ने डिफेंसिव अप्रोच अपनाया और हरमनप्रीत एंड कंपनी ने कोई गोल नहीं होने दिया। दूसरे क्वार्टर में 25वें मिनट में दिलप्रीत सिंह ने गोल दाग टीम इंडिया को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, दूसरे क्वार्टर के अंत में भारतीय डिफेंस लड़खड़ा गई। 29वें मिनट में ऑस्ट्रेलिया के जेरेमी हेवार्ड ने गोल दागा। इसके बाद 30वें मिनट में जेक वेटॉन ने गोल कर हाफ टाइम तक ऑस्ट्रेलियाई टीम को 2-1 की बढ़त दिला दी थी।

आईपीएल में फुटबॉल जैसा प्लेयर सब्स्टीट्यूशन

12वां खिलाड़ी उतार सकेंगे, 14वें ओवर तक बदलाव की इजाजत

नई दिल्ली।

अब फुटबॉल की तरह क्रिकेट में भी प्लेयर सब्स्टीट्यूशन देखने को मिल सकता है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड आईपीएल के 16वें सीजन से टैक्टिकल सब्स्टीट्यूशन का कॉनसेप्ट लागू करने की तैयारी में है। बोर्ड ने इसके लिए सभी फ्रेंचाइजी को मैसेज नोट भेजा है। यह नियम लागू होने के बाद एक मैच में एक टीम की ओर से 12 खिलाड़ी खेलते हुए दिखलाई दे सकते हैं। हालांकि, एक पारी में ज्यादा से ज्यादा 10 विकेट ही गिर सकते हैं। बीसीसीआई के मैसेज नोट में बताया गया कि 2023 के सीजन से सब्स्टीट्यूशन रूल लागू होगा। नए नियम को जल्द ही विस्तार से एक्सप्लेन किया जाएगा। रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि टैक्टिकल सब्स्टीट्यूशन का नियम वैसा ही होगा जैसा घरेलू टी-20 टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में अपनाया गया था।

कैसा होगा सब्स्टीट्यूशन रूल

टॉस के समय मैच खेल रहीं दोनों टीमों को प्लेइंग इलेवन के साथ 4-4 सब्स्टीट्यूट प्लेयर्स के नाम भी देने होंगे। इनमें से एक-एक प्लेयर को दोनों टीमें मैच के दौरान प्लेइंग इलेवन में शामिल किसी खिलाड़ी से रिप्लेस कर सकेंगी। हालांकि, सब्स्टीट्यूशन का फैसला पूरी तरह से टीमों पर रहेगा। वे चाहें तो पहली बॉल से लेकर आखिरी बॉल तक 11 प्लेयर्स के साथ ही खेल सकती हैं। रिप्लेस होने के बाद नया खिलाड़ी ही पूरा मैच खेलेगा। मैच के दौरान एक बार बेंच पर भेजे जाने के बाद रिप्लेस किया जा चुका खिलाड़ी वापस मैदान में नहीं आ सकेगा। भारत का घरेलू टी-20 टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली इसी साल अक्टूबर-नवंबर के दौरान खेला गया। इस टूर्नामेंट में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इम्पैक्ट प्लेयर रूल शामिल किया था। इसके तहत टॉस के समय टीमें 4-4 सब्स्टीट्यूशन प्लेयर्स का नाम दे रही थीं। जिन्हें मैच के दौरान रिप्लेस किया जा रहा था।

किस ओवर तक कर सकते हैं बदलाव

नए आईपीएल के रूल को अभी तक डिटेल में एक्सप्लेन नहीं किया, लेकिन अगर यह रूल एसएमएटी के इम्पैक्ट प्लेयर रूल की तरह ही हुआ तो दोनों ही पारियों में 14वें ओवर तक टीमें प्लेयर्स को सब्स्टीट्यूट कर सकेंगी। यानी कि आखिर के 6 ओवरों में टीमें प्लेयर्स को सब्स्टीट्यूट नहीं कर सकेंगी।

कितनी बैटिंग मिलेगी

टैक्टिकल सब्स्टीट्यूशन रूल के तहत किसी भी खिलाड़ी को रिप्लेस किया जा सकता है। भले ही वह बैटिंग कर आउट हो गया हो या अपने कोटे के ओवर डाल चुका हो। यानी जो खिलाड़ी सब्स्टीट्यूट होकर मैदान पर आएगा वह पूरी बैटिंग कर सकता है और अपने कोटे के पूरे चार ओवर भी डाल सकता है। हालांकि, एक पारी में ज्यादा से ज्यादा 10 विकेट ही हो सकेंगे। यानी किसी आउट हो चुके बल्लेबाज की जगह कोई सब्स्टीट्यूट आता है तो उसके लिए बाकी बचे खिलाड़ियों में से किसी को बैटिंग छोड़नी होगी। अगर कोई खिलाड़ी मैच के दौरान खराब या धीमे स्ट्राइक रेट से बैटिंग कर रहा है तो उसे बैटिंग के दौरान भी रिप्लेस किया जा सकेगा। ये बिल्कुल टेस्ट में कन्कशन रूल की तरह है। जिसमें खिलाड़ी अगर चोटिल होकर बाहर चला गया तो उसकी जगह नया खिलाड़ी आता है। वहीं, टीम का कोई विकेट भी नहीं जाता।

ऋतिक शौकीन थे पहले सब्स्टीट्यूट प्लेयर

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 11 अक्टूबर 2022 को दिल्ली ने अपने खिलाड़ी ऋतिक शौकीन को रिप्लेस किया था। दिल्ली ने ओपनर हीतेन दलाल की जगह की ऑफ स्पिनर शौकीन को मणिपुर के खिलाफ मैच में उतारा था। इस तरह ऋतिक इम्पैक्ट प्लेयर रूल के अनुसार सब्स्टीट्यूट होने वाले पहले खिलाड़ी बने थे।

इंटरनेशनल क्रिकेट में भी था ऐसा रूल

16 साल पहले 2005-06 के दौरान वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में सुपरसब सिस्टम था। जिसके तहत मैच के दौरान प्लेयर रिप्लेस कर सकते थे। लेकिन, जिस खिलाड़ी को मैदान से बाहर भेजा गया, अगर वह आउट हो चुका है तो नए खिलाड़ी को बैटिंग नहीं मिलती थी। वहीं, अगर बॉलर ने कुछ ओवर फेंक लिए तो नया खिलाड़ी अपने कोटे के पूरे ओवर नहीं फेंक सकता था। वह पुराने खिलाड़ी के बचे हुए ओवर ही फेंक सकता था।

बिग-बैश लीग में है इम्पैक्टर रूल

ऑस्ट्रेलिया की फ्रेंचाइजी लीग बिग-बैश लीग में एक्स-फैक्टर रूल है। इसके अनुसार, पहली पारी के 10 ओवर तक ही टीमें सब्स्टीट्यूट प्लेयर को प्लेइंग इलेवन में शामिल कर सकती हैं। जिस खिलाड़ी ने इस दौरान बैटिंग नहीं की या एक ओवर ही फेंका हो, उसे ही रिप्लेस किया जा सकता है।

पुर्तगाल के खराब प्रदर्शन से दुखी रोनाल्डो लाइव मैच में कोरियाई खिलाड़ी से भिड़े, मैच के बाद बताई वजह

दोहा।

पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो इन दिनों काफी चर्चाओं में हैं। उरुग्वे के खिलाफ गोल विवाद के बाद अब एक बार फिर वह विवादों में हैं। दरअसल, कोरिया रिपब्लिक के खिलाफ मैच में वह एक कोरियाई खिलाड़ी से भिड़ गए। मैच के बाद उन्होंने इस पूरी घटना पर बयान दिया है। कोरिया रिपब्लिक के खिलाफ पुर्तगाल को 2-1 से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, इस हार से पुर्तगाल को कोई नुकसान नहीं हुआ। टीम दो मैच जीतकर पहले ही राउंड ऑफ-16 में जगह बना चुकी है।

कतर के एजुकेशन सिटी स्टेडियम में खेले गए ग्रुप-एच के मैच में कोरिया रिपब्लिक के खिलाफ रोनाल्डो कोई गोल नहीं कर सके। इसके बाद 65वें मिनट में उन्हें सब्स्टिट्यूट किया गया। मैदान से बाहर जाते वक्त रोनाल्डो धीरे-धीरे चल रहे थे। ऐसे में कोरियाई रिपब्लिक के एक खिलाड़ी ने रोनाल्डो को जल्दी मैदान से बाहर जाने कहा। उस वक्त रोनाल्डो टीम के प्रदर्शन से नाखुश दिख रहे थे, क्योंकि स्कोर 1-1 की बराबरी पर था। रिकार्डो होर्टा के पांचवें मिनट में किए गए गोल से पुर्तगाल ने 1-0 की बढ़त ले ली थी, लेकिन 27वें मिनट में कोरिया के किम यंग ग्वोन ने गोल दाग स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया था। कोरिया के लिए यह मुकाबला करो या मरो वाला था । रोनाल्डो ने बताया- यह तब हुआ जब मुझे सब्स्टिट्यूट किया गया। कोरियाई खिलाड़ी मुझे और जल्दी जाने के लिए कह रहा था और मैंने उसे चुप रहने के लिए कहा, क्योंकि उसके पास कोई अधिकार नहीं है। अगर मैं जल्दी मैदान से बाहर नहीं जा रहा हूं तो यह रेफरी की जिम्मेदारी है कि वह मुझे जल्दी जाने के लिए कहे। इस पर कोई विवाद नहीं होना चाहिए। यह हीट ऑफ द मोमेंट हुआ। रोनाल्डो इस घटना के दौरान कोरियाई खिलाड़ी को सख्त शब्दों में समझाते दिखे। पुर्तगाल के कोच फर्नांडो सैंटोस ने मैच के बाद कहा- रोनाल्डो कोरिया के खिलाड़ी से नाराज थे और सभी ने उसे देखा। मैंने कोरियाई खिलाड़ी के साथ उनकी बातचीत देखी और इसमें कोई संदेह नहीं है। हालांकि, इसके बाद रोनाल्डो मैदान से बाहर आ गए। वहीं, इस मामले पर कोरिया ने कुछ कहने से इनकार कर दिया। कोरियाई मिडफील्डर ह्वांग इन-बीओम ने विवाद को कम करने का प्रयास किया।

चोट के कारण शमी टीम इंडिया से बाहरः बांग्लादेश में वनडे सीरीज नहीं खेलेंगे, उमरान को मौका

नई दिल्ली।

तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी कंधे की चोट की वजह से टीम इंडिया से बाहर हो गए हैं। वे अब बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज में नहीं खेल सकेंगे। बांग्लादेश में तीन वनडे मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला रविवार को होना है। शमी चोट की वजह से इसके लिए फिट नहीं है। शमी ऑस्ट्रेलिया में पिछले महीने टी-20 वर्ल्ड कप से लौटने के बाद प्रैक्टिस सेशन के दौरान चोटिल हो गए थे। शमी के बाहर होने के बाद उमरान मलिक को टीम में शामिल किया गया है। उमरान ने हाल ही में न्यूज़ीलैंड दौरे पर वनडे क्रिकेट में डेब्यू किया था। तीन वनडे मैचों में उनके नाम तीन विकेट हैं। वनडे के बाद टीम इंडिया को बांग्लादेश से दो टेस्ट मैचों की सीरीज भी खेलनी है। शमी टेस्ट टीम का भी हिस्सा थे। इस चोट के बाद वे टेस्ट खेल सकेंगे या नहीं, यह फिलहाल साफ नहीं है।

मोहम्मद शमी के चोटिल होने से टीम इंडिया की मुश्किलें बढ़ गई है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि वे वनडे के साथ टेस्ट सीरीज से भी बाहर हो गए हैं। चोट की वजह से पहले ही भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह सीरीज से बाहर हैं। वे टी-20 वर्ल्ड कप में भी टीम का हिस्सा नहीं थे। इधर, ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा भी चोट की वजह से वनडे सीरीज से बाहर हैं। मोहम्मद शमी के टेस्ट सीरीज से बाहर होने पर मुकेश कुमार और नवदीप सैनी को मौका मिल सकता है। नवदीप सैनी और मुकेश कुमार अभी बांग्लादेश में ही हैं। वह बांग्लादेश दौरे पर गई टीम

इंडिया ए के सदस्य हैं। दोनों ने बांग्लादेश की ए टीम के खिलाफ चार दिवसीय मैचों में शानदार प्रदर्शन किया है। मुकेश ने तीन विकेट लिए हैं। वहीं नवदीप सैनी ने चार विकेट लिए हैं। मुकेश अनकैप्ड खिलाड़ी हैं और सैनी भारत के लिए दो टेस्ट खेल चुके हैं। वहीं 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई भारतीय टीम के हिस्सा थे।

बांग्लादेश में वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया

रोहित शर्मा (कप्तान), लोकेश राहुल (उप कप्तान), शिखर धवन, विराट कोहली, रजत पाटीदार, श्रेयस अय्यर, राहुल त्रिपाठी, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), शाहबाज अहमद, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, शार्दूल ठाकुर, उमरान मलिक, मोहम्मद सिराज, दीपक चाहर और कुलदीप सेन।

कैमरून से हारकर भी ब्राजील नॉकआउट में पहुंचा: फीफा वर्ल्ड कप आखिरी लीग मैच में कैमरून ने ब्राजील को 1-0 से हराया

कतर।

कतर में खेले जा रहे फीफा वर्ल्ड कप के ग्रुप जी के आखिरी मुकाबले में कैमरून ने ब्राजील को 1-0 से हराकर चौंका दिया। वह वर्ल्डकप में ब्राजील को हराने वाला पहला अफ्रीकी देश भी बन गया। कैमरून की इस जीत भी उसे प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में कोई मदद नहीं कर पाई। वहीं ग्रुप जी के एक अन्य मैच में स्विट्जरलैंड ने सर्बिया को 3-2 से पराजित कर प्री क्वार्टर फाइनल में एंट्री कर ली है। कैमरून से उलटफेर का शिकार हुए ब्राजील का उनके प्री क्वार्टर फाइनल के अभियान पर कोई फर्क नहीं पड़ा। ब्राजील पहले ही अंतिम 16 में बना ली थी। उसके 3 मैचों से 6 अंक हैं और वह गोल औसत के आधार पर इस ग्रुप में टॉप पर रहते हुए नॉकआउट के लिए क्वालिफाई किया। प्री क्वार्टर फाइनल में उसका सामना साउथ कोरिया से होगा। वहीं कैमरून के जीतने के बाद भी उसका अभियान यहीं पर समाप्त हो गया। कैमरून ने ग्रुप स्टेज के तीन मैच खेले। इस दौरान उसे एम में जीत मिली है, जबकि एक मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा। एक मुकाबला ड्रॉ रहा। 4 अंकों के साथ कैमरून की टीम प्वॉइंट्स टेबल में तीसरे

स्थान पर रही। दूसरी ओर स्विट्जरलैंड ने तीन में से दो मुकाबले जीते, जबकि एक में उसे हार का सामना करना पड़ा। एक्सट्रा टाइम में कैमरून की ओर से विंसेंट अबूबकर ने गोल कर टीम को ब्राजील पर 1-0 की बढ़त दिला दी। ब्राजील की ओर से कोई भी खिलाड़ी गोल नहीं कर सका। फीफा वर्ल्ड कप 2022 में सऊदी अरब ने सबसे बड़ा उलटफेर किया। सऊदी अरब ने अर्जेंटीना को ही मैच में 2-1 से हराया। अर्जेंटीना का 36 मैचों से नहीं हारने का क्रम कतर में आखिरकार टूट ही गया। दोहा के एजुकेशन सिटी स्टेडियम में ग्रुप ष्ठ के आखिरी मुकाबले में ट्यूनीशिया ने फ्रांस को 1-0 से हराया था।

मेजबानी छीनी तो एशिया कप नहीं खेलेगा पाकिस्तान

पीसीबी चीफ बोले- भारत भले न आए, लोकेशन नहीं बदलनी चाहिए

नई दिल्ली।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन रमीज राजा ने कहा- अगर 2023 का एशिया कप पाकिस्तान में नहीं हुआ तो उनकी टीम टूर्नामेंट नहीं खेलेगी। टीम इंडिया पाकिस्तान नहीं आ सकती, सिर्फ इस वजह से टूर्नामेंट की लोकेशन शिफ्ट नहीं होनी चाहिए।

भारत न आए तो न सही, लेकिन वेन्यू बदला तो सबसे पहले पाकिस्तान टीम टूर्नामेंट से अपना नाम वापस लेगी।

भीख में नहीं मिले होस्टिंग राइट्स - रावलपिंडी में इंग्लैंड-पाकिस्तान टेस्ट मैच के दौरान पीसीबी चीफ ने कहा- हम टूर्नामेंट होस्ट करने के लिए मरे नहीं जा रहे। होस्टिंग राइट्स हमें कोई भीख में नहीं मिले। आईसीसी की फेयर प्रोसेस के जरिए हमें एशिया कप होस्ट करने की जिम्मेदारी मिली है।

50 ओवर का होगा एशिया कप - 2023 का एशिया कप सितंबर में पाकिस्तान में होना है। इसके बाद अक्टूबर में भारत में वनडे वर्ल्ड कप होगा। वनडे वर्ल्ड कप के कारण ही इस बार का एशिया कप 20 की जगह 50 ओवर का होगा। पिछला एशिया कप अगस्त 2022 में यूएई में हुआ था, लेकिन होस्टिंग राइट्स श्रीलंका के पास थे। दरअसल, उनके देश में राजनीतिक अव्यवस्था के चलते वेन्यू बदलना पड़ा।

एसीबी प्रेसिडेंट ने कहा था- न्यूट्रल वेन्यू पर होगा टूर्नामेंट - एशिया क्रिकेट बोर्ड के प्रेसिडेंट जय शाह ने कहा था कि टीम इंडिया राजनीतिक कारणों के चलते पाकिस्तान नहीं जा सकती।

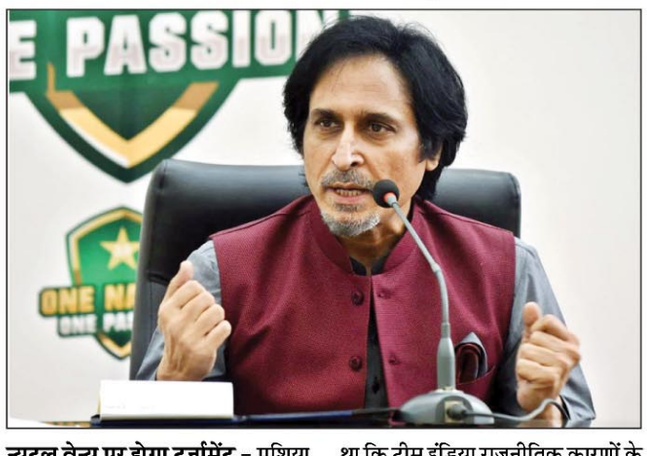

एशिया कप के होस्टिंग राइट्स पाकिस्तान के पास हैं, लेकिन टूर्नामेंट की लोकेशन शिफ्ट कर न्यूट्रल वेन्यू पर भी मैच कराए जा सकते हैं। शाह भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव भी हैं।

पाकिस्तान वनडे वर्ल्ड कप भी नहीं खेलेगा - शाह के बयान के बाद भारत के खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा था- होम मिनिस्ट्री से परमिशन के बाद ही टीम इंडिया के किसी भी प्लेयर को पाकिस्तान भेजने पर फैसला लिया जाएगा। इसके बाद पीसीबी चीफ ने कहा था, अगर टीम इंडिया पाकिस्तान में एशिया कप नहीं खेलेगी तो पाकिस्तान भी भारत में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप में नहीं खेलेगा।

2008 से पाकिस्तान नहीं गई टीम इंडिया - टीम इंडिया 2008 में आखिरी बार एशिया कप खेलने के लिए ही पाकिस्तान गई थी। वहीं, पाकिस्तान की टीम 2016 में टी-20 वर्ल्ड कप खेलने आखिरी बार भारत आई थी। 2022 में दोनों टीमें 3 बार भिड़ चुकी हैं। एशिया कप के दौरान दुबई में 2 बार और टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान मेलबर्न में एक बार दोनों देशों के बीच क्रिकेट मैच हुए थे।

2012 में हुई थी आखिरी द्विपक्षीय सीरीज - भारत-पाकिस्तान के बीच 2012 के बाद से क्रिकेट में द्विपक्षीय सीरीज नहीं हुई। तब पाकिस्तान 3 वनडे और 2 टी-20 खेलने भारत आया था। वहीं, टीम इंडिया आखिरी बार 2007 में टेस्ट सीरीज खेलने पाकिस्तान गई थी। 2012 के बाद दोनों टीमें आईसीसी के मल्टी नेशन टूर्नामेंट और एशिया कप में ही आमने-सामने खेलीं।

परिचय सम्मेलन से परिणय तक

परिणय संस्कार एक प्रक्रिया है, जिसके तहत एक पुरुष और एक स्त्री अग्नि को साक्षी मानकर वचनबद्ध होकर एक दूसरे का वरण करते हैं जिसके फलस्वरूप समाज एक दंपति के रूप में उनको मान्यता देता है। विवाहोपरांत दोनों जीवन के हमसफर-हमराही बनकर परिजनों के साथ सुख-दुःख भोगते हुए अपनी जीवन यात्रा तय करते हैं। मानव जीवन में पाणिग्रहण का शुभ अवसर एक ही आता है। सोलह संस्कारों में से एक संस्कार परिणय सूत्र के कर्तव्य का निर्वाह करना युवक-युवती के लिए नितांत आवश्यक है। विवाह हेतु वर-वधू का चयन माता-पिता द्वारा ही किया जाता है, लेकिन चयन केवल एक पक्षीय न होकर द्विपक्षीय ही होता है।

प्राचीन काल में राजा-महाराजा स्वयंवर का आयोजन करते थे, जिसमें कन्याएं वर का चयन स्वेच्छा से करती थीं। गंधर्व एवं आर्य समाजी विवाह की पारस्परिक परिचय के आधार पर ही किए जाते थे। परिणय बंधन हर समाज के लोगों की आवश्यकता है, इसी आवश्यकता हेतु समय परिवर्तन अनुसार पारस्परिक परिचय अनिवार्य माना गया है, जबकि यह कार्य परिवार में बड़े बुजुर्गों द्वारा ही संपादित किया जाता रहा है। अत: समाज यह कार्य एकाकी रूप में न जाकर सामूहिक रूप से संपन्न कराने में सहयोग देते हैं। अत: आजकल विभिन्न समाज, गोष्ठी, संगठन ऐसे परिचय व सामूहिक विवाह सम्मेलनों का आयोजन सफलता पूर्वक करने का बीड़ा उठाते हैं।

इस प्रकार के समाजोपयोगी परिचय-परिणय सम्मेलनों के महत्व को ध्यान में रखकर सामूहिक विवाह की व्यवस्था में अनेक विवाह योग्य युवक-युवतियां परिणय सूत्र में बंधकर वैवाहिक जीवन का शुभारंभ करते हैं, दोनों को स्वेच्छानुसार चयन का भी अवसर प्राप्त होता है एवं सामाजिक स्वीकृति के साथ परिणय सूत्र में बंध जाते हैं।

परिचय सम्मेलन जो विभिन्न समाज संगठनों द्वारा समय-समय पर आयोजित होते रहते हैं, जिसमें युवक -युवतियों को परस्पर मिलकर एक दूसरे को समझने के साथ-साथ विचारों का भी आदान-प्रदान होता है। सामूहिक वैवाहिक परिचय सम्मेलन जैसे पुनीत कार्य समाज द्वारा संपादित होने पर अनावश्यक श्रम, व्यय एवं समय की बचत तो है ही अपितु आडंबर, दिखावा, फिजूलखर्च तथा कुरीतियों से भी मुक्ति मिलती है, जो कि समाज एवं परिवार के लिए बड़ी राहत प्रदान करता है। परिचय एवं वैवाहिक सम्मेलन समभाव एवं समभावना के आधार पर बिना भेदभाव, छोटा बड़ा, दीन-संपन्न आदि के आधार पर ही सफल रहते हैं। शिक्षित होने से युवक-युवती संकीर्ण विचार धारा त्याग कर परिचय सम्मेलन द्वारा ही वैवाहिक कार्य संपन्न करें तो समाज में व्याप्त अनेक कुरीतियों का उन्मूलन संभव है। आधुनिक शिक्षा प्रणाली एवं समय के परिवर्तन के साथ-साथ आजकल प्राय: युवक-युवती पारस्परिक परिचय व चयन में ही विश्वास करता है। समाज भी आज ऐसे आयोजनों को आयोजित करके वैवाहिक जीवन को व्यवस्थित एवं खुशहाल बनाने में अहम भूमिका निभा रहा है। परिचय सम्मेलनों के द्वारा ही विवाह योग्य युवक-युवती स्वयं की समझ एवं सहमति से विवाह के पवित्र संस्कार का पालन करते हैं तो इसके परिणाम अवश्य श्रेष्ठ ही रहेंगे। परिचय सम्मेलन जैसे विशाल आयोजन करने पर अनेक प्रकार की तैयारियों के साथ धन राशि की भी आवश्यकता पड़ती है, इसके लिए एक या दो दिन का कार्यक्रम भी रखना होता है, भाग लेने वाले युवक-युवती के परिवारों को निकटस्थ एवं दूरस्थ की यात्रा भी करनी पड़ती है। आजकल समाज इन कठिनाइयों को देखते हुए विवाह योग्य युवक-युवती कम्प्यूटरीकरण विवरण वेबसाइट द्वारा प्रचार प्रसार के अलावा अनेक सामाजिक संगठन समाज के बच्चों का बायोडाटा फोटो सहित व्हाट्सएप ग्रुपों पर भी घर बैठे अभिभावकों को उपलब्ध कराने का सफल प्रयास कर रहे हैं।

परिचय सम्मेलनों के आयोजन का मुख्य उद्देश्य है कि किसी भी प्रकार के वैवाहिक संबंधों में किसी के भी मध्यस्थ की आवश्यकता ही न पड़े और पारस्परिक परिचय होने पर एक दूसरे को समझ सकें एवं मिलकर परस्पर एक दूसरे को परख सकें। फलस्वरूप प्रत्येक परिवार शांतिपूर्वक सुखी जीवन संपन्न करने में सक्षम हो सके तथा घरेलू व सामाजिक वातावरण भी शुद्ध एवं स्नेह से सुवासित बन सके। परिचय-परिणय सम्मेलनों से समाज व परिवारों में आपसी तालमेल द्वारा रिश्तों का चयन, संबंध एवं परिणय के द्वारा जीवन में सुख शांति में अभिवृद्धि लाने का एक सफल प्रयास हो।

श्री खांडल विप्र महासभा के तत्वावधान में तथा श्री मालव खाण्डल विप्र समाज, इन्दौर (म.प्र.) के द्वारा नि:शुल्क युवक युवती परिचय सम्मेलन आगामी 10/11 दिसंबर 2022 को इन्दौर में भव्य रूप में आयोजन किया जा रहा है।

परिचय सम्मेलन की विशेषता -

1) युवक युवतियों के परिचय हेतु सुनिश्चित आयोजन का संपूर्ण सजीव लाइव प्रसारण करना।

2) आयोजन के 15 दिन पूर्व प्राप्त बायोडाटा में तकनीकी माध्यम से फिल्टर लगा अलग कैटेगरी की लिस्ट प्रतिभागियों के साथ साझा करना।

3) बायोडाटा का डिजिटल संस्करण व्हाट्सएप के माध्यम से समस्त खांडल विप्र बंधुओं को उपलब्ध कराना।

4) आयोजन स्वैच्छिक सहयोग से किया जाना सुनिश्चित किया गया है। आप से निवेदन है स्वैच्छिक सहयोग राशि आयोजन के लिए प्रदान करें।

5) अविवाहित युवक-युवतियों के लिए आधुनिक तकनीक के माध्यम से स्थाई मंच उपलब्ध कराना। एप, वेबसाइट डिजिटल बुक उपलब्ध कराना। युवक -युवतियों के अभिभावक बिना खर्च या न्यूनतम खर्च में आधुनिक तकनीकी के माध्यम से सतत् सहज रूप से उपलब्ध रहेगी।

6) आयोजन में आने के पूर्व आयोजन की समस्त जानकारी डिजिटल माध्यम से उपलब्ध करा दी जाएगी।

7) श्रेष्ठ आयोजन हेतु आप सभी प्रगतिशील खांडल विप्र बंधुओं मातृशक्ति एवं युवा शक्ति आयोजन के संदर्भ में अपने अमूल्य विचार सादर आमंत्रित है।

यह परिचय सम्मेलन उन अभिभावकों के लिए एक सुनहरा अवसर है, जिस परिवार के बच्चों की उम्र ज्यादा हो गई है, शादी होने में परेशानी हो रही है, बच्चों की उच्चशिक्षा, नौकरी, व्यवसाय, कम पढ़े-लिखे सभी प्रकार के बच्चों के हिसाब से वर-वधू चुनने की सम्मेलन में व्यवस्था की गई है। भगवान परशुरामजी की कृपा से ऐसे परिचय सम्मेलन शत-प्रतिशत सफल रहे, यही हमारी शुभ कामना एवं शुभ भावना समाज के हितार्थ प्रेषित है। जरूरत तो आज समाज के सभी धनी, मध्यम एवं गरीब लोगों के इस महान परिचय रूपी यज्ञ से जुड़ने का है तभी हम अपनी संस्कृति, बिरादरी, भेदभाव, सुसंस्कारों का परिचय देते हुए परिचय सम्मेलन की इष्ट सिद्धि एवं सार्थकता सिद्ध कर पाएंगे एवं परिचय सम्मेलन भी सार्थक होगा। पूर्वोत्तर प्रदेशीय खाण्डल विप्र संगठन के सभी खाण्डल समाज बंधु इस परिचय सम्मेलन की हार्दिक सफलता की मंगल कामना करते है। जय श्री परशुराम।

■ **विजय कुमार शर्मा, झिकनाड़िया**
नलबाड़ी (असम)

नए साल को सुखद बनाने के लिए घर ले आएं ये 3 चीजें

मिलेगा धन-समृद्धि का आशीर्वाद

साल 2022 खत्म होने में अब कुछ ही दिन बचे हुए हैं। ऐसे में नए साल 2023 के स्वागत के लिए कई घरों में तैयारियां शुरू भी गई हैं। साथ ही यह कामना भी की जा रही है कि उनका आने वाला साल सुखद और तरक्कियों से भरा हुआ रहे। बता दें कि वास्तु शास्त्र में इस चिंता को दूर करने के कई उपाय बताए हैं। नए साल के सन्दर्भ में वास्तु कुछ ऐसे उपाय बताए गए हैं, जिनका पालन करने से व्यक्ति नए साल में धन-समृद्धि की प्राप्ति कर सकता है। साथ ही

बगीचे में उगाएं तुलसी का पौधा

हिन्दू धर्म में तुलसी के पौधे को बहुत ही पवित्र माना जाता है। यही कारण है कि देवी-देवताओं की पूजा के साथ-साथ नितदिन तुलसी की भी पूजा की जाती है। ऐसे में नए साल से पहले तुलसी का पौधा बगीचे में लगाने से व्यक्ति बहुत लाभ मिलेगा और धन का मार्ग खुलने लगेगा।

धातु से बने चीजों को लेकर आएं

वास्तु शास्त्र में यह भी बताया गया है कि साल 2023 शुरू होने से पहले यदि व्यक्ति घर पर धातु का कछुआ या हाथी लाता है, तो उसका शुभ समय शुरू हो जाता है। साथ ही आने वाले साल में व्यक्ति को सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। ऐसा करने के लिए पीतल, कांस या चांदी धातु से बने कछुए या हाथी को खरीद सकते हैं।

ये प्रतिमा है तरक्की का चिन्ह

नए साल के स्वागत के लिए कई प्रकार की खरीदारी की जाती है। लेकिन इन सभी के साथ व्यक्ति अगर लाफिंग बुद्धा खरीदता है, तो उसे अपने जीवन में बहुत सकारात्मक बदलाव दिखाई देता है। वास्तु शास्त्र में भी लाफिंग बुद्धा के महत्व को विस्तार से बताया गया है। इसके साथ वास्तु शास्त्र में यह भी बताया गया है कि घर में यह प्रतिमा रखने से वास्तु दोष से भी मुक्ति मिल जाती है।

गीता जयंती : भगवद्गीता की पूजा और दान से बढ़ जाएगा पुण्य फल

मोक्षदा एकादशी और गीता जयंती रविवार को है। इस पर्व पर पूरे दिन सर्वार्थ सिद्धि योग रहेगा। एकादशी तिथि भी पूरे दिन रहेगी। जिससे व्रत और पूजा से मिलने वाला शुभ फल और बढ़ जाएगा। पुरी के ज्योतिषाचार्य डॉ. गणेश मिश्र बताते हैं कि मार्गशीष महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी को विशेष माना गया है। इसे मोक्षदा एकादशी कहते हैं। मान्यता के अनुसार द्वापर युग में भगवान श्री कृष्ण ने इसी दिन अर्जुन को कुरुक्षेत्र में गीता ज्ञान दिया था। इस एकादशी पर व्रत रखकर भगवान विष्णु की पूजा और भागवत गीता के 11वें अध्याय का पाठ करना चाहिए। गीता जयंती के दिन सुबह ब्रह्ममुहूर्त में उठकर स्नान आदि से निवृत्त हो जाएं। इसके बाद भगवान विष्णु के श्रीकृष्ण स्वरूप को प्रणाम करें। फिर गंगाजल का छिड़काव करके पूजा के स्थान को साफ करें। इसके बाद वहां चौक बनाकर और चौकी पर साफ कपड़ा बिछाकर भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा और श्रीमद्भागवत गीता रखें। इसके बाद भगवान कृष्ण और श्रीमद् भागवत गीता को जल, अक्षत, पीले पुष्प, धूप-दीप नैवेद्य आदि अर्पित करें। इसके बाद गीता का पाठ जरूर करें। श्रीमद्भागवत गीता में ही इस बात का जिक्र है कि इस परम ज्ञान को दूसरो तक पहुंचाना चाहिए। ऐसा करने से पुण्य मिलता है। वहीं, कुछ ग्रंथों में भी कहा गया है कि ग्रंथ का दान महादानों में एक है। भगवान के मुख से निकले परम ज्ञान का दान करने से जाने-अनजाने में हुए हर तरह के पाप खत्म हो जाते हैं।

गरुड़ पुराण की महत्वपूर्ण बातें
जीवन में 3 चीजों पर कभी ना करें भरोसा

हिन्दू धर्म में गरुड़ पुराण की गणना महत्वपूर्ण वेदों में होती है। इसमें बताया गया है कि सफलता प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को कैसा जीवन व्यतीत करना चाहिए। साथ ही गरुड़ पुराण में यह भी बताया गया है मनुष्य को जीवन में किन-किन चीजों से बचना चाहिए। इस महापुराण में कर्म के साथ-साथ भक्ति, ज्ञान, वैराग्य, सदाचार के बारे में बताया गया है। साथ ही इसमें दान, तप और यज्ञ आदि के महत्व और उनके फलों को भी विस्तार से समझाया गया है। गरुड़ पुराण के अनुसार व्यक्ति को अपने कर्मों के अनुसार फल मिलता है। आइए गरुड़ पुराण के इस भाग में जानते हैं कि समस्याओं से दूर रहने के लिए व्यक्ति को किन 3 चीजों पर कभी भरोसा नहीं करना चाहिए।

आग : आग एक ऐसी चीज है जिसपर कभी भी भरोसा नहीं करना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि आग की एक छोटी चिंगारी से भी पूरा राज्य विनाश के मूंह में जा सकता है। साथ ही इससे जान का खतरा हर समय बना रहता है। इसलिए आग का इस्तेमाल करते समय व्यक्ति को हर समय सतर्कता बरतनी चाहिए और इसका केवल सही उपयोग करना चाहिए।

सांप : सांप पर भरोसा करना यानि अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसा होता है। क्योंकि कभी न कभी पालतू सांप भी अपने मालिक पर प्रहार कर ही देता है। इसलिए न केवल जंगली सांप जान के लिए खतरा होता है, बल्कि सपेरे के पास पड़ा हुआ सांप भी कई लोगों की मृत्यु का कारण बन सकता है। इसलिए जब भी सांप दिखाई दे तो तुरंत सावधान हो जाना चाहिए और अगर वह आप पर हमला करे तो उचित कदम उठाना चाहिए।

ऐसा व्यक्ति : गरुड़ पुराण में बताया गया है कि शत्रु के पास काम कर चुके नौकर या कर्मचारी पर कभी भी भरोसा नहीं करना चाहिए। ऐसा व्यक्ति आपकी सभी गुप्त जानकारी अपने मालिक को बताकर आपको क्षति पहुंचा सकता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**